THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 225 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.7 2082 मंगलवार, 11 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

असम में 10 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त

इसमें 4 करोड़ की हेरोइन और 6 करोड़ की याबा टेबलेट्स शामिल

गुवाहाटी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को बताया कि असम में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में 10 करोड़ की ड्रग्स जब्त की हैं। एक छापेमारी गुवाहाटी में पुलिस ने की जबकि दूसरी छापेमारी कछार जिले में की गई। गुवाहाटी के बेलटोला में हाउस पार्टी में रेड मारी गई। यहां से 4 करोड़ कीमत की हेरोइन बरामद हुई। कछारके चांगकुरी में 6 करोड़ कीमत की याबा टेबलेट्स बरामद हुईं।

दिल्ली में धमाका, 8 की मौत

एनआईए और एनएसजी की टीम मौके पर कर रही छानबीन

मेट्रो स्टेशन के पास पार्क कार में ब्लास्ट के बाद कई गाड़ियों में आग लगी, 24 घायल, मुंबई, यूपी हरियाणा में भी हाईअलर्ट

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास सोमवार शाम 6 बजकर 55 मिनट पर पार्किंग में खड़ी एक कार में धमाका हो गया। ब्लास्ट के बाद आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास खड़ी तीन और गाड़ियां भी जल गईं। धमाके में 9 लोगों की मौत हो गई। ब्लास्ट की वजह अभी साफ नहीं है। कई घायलों को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धमाके के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर मौजूद है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। दिल्ली और मुंबई में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

जहां धमाका हुआ है वह इलाका हाई-सिक्योरिटी जोन में आता है। धमाके के बाद कार में आग लग गई और घना धुआं उठने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। इलाके को सुरक्षा के मद्देनजर घेर लिया गया है और जांच जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाके की आवाज बहुत तेज थी। यह आवाज कई किलोमीटर तक फैली। लाजपत राय मार्केट में धमाके से आग लग गई। आग लगने से नुकसान हुआ। लाल जैन मंदिर को भी नुकसान पहुंचने की खबर है। मंदिर के शीशे टूट गए। आसपास की दुकानों के शीशे भी टूट गए।

दिल्ली के स्थानीय निवासी राजधर पांडे ने कहा कि मैं पास में ही रहता हूं। मैंने अपने घर से आग की लपटें देखीं और फिर नीचे आकर देखने लगा कि क्या हुआ है।

विस्फोट के बाद राजधानी दिल्ली में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। विस्फोट में कई लोगों के घायल होने की आशंका है। सूत्रों ने बताया कि कई घायलों को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है। दमकल की कुल 7 गाड़ियां मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है। विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि यह धमाका हाई इंटेंसिटी का था। एनआईए की टीम मौके पर भेजी जा रही हैं। फायर ब्रिगेड के पास धमाके की सूचना 6 बजकर 55 मिनट पर आई थी।

दिल्ली पुलिस की टीम जांच में जुट गई है। दिल्ली मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर एक पर डीएमआरसी ने एग्जिट व एंट्री बंद कर दी है। वायलेट लाइन पर कई स्टेशनों के एंट्री एग्जिट गेट बंद किया गया। यात्रियों के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है। स्टेशनों पर सुरक्षा जांच भी बढ़ा दी गई है।

गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि एक i-20 कार के पिछले हिस्से में धमाका हुआ है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि ब्लास्ट फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास शाम 6.52 बजे हुआ। जानकारी मिली है कि यह कार हरियाणा के गुरुग्राम में रजिस्टर्ड है।

घटना के बाद गृह मंत्री अमित शाम एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। इसके बाद उन्होंने घटनास्थल पर जाकर अफसरों से घटना और जांच की जानकारी ली। इस बीच पुलिस ने इलाके को घेर लिया है। फॉरेंसिक टीम पहुंच गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एनआईए और एनएसजी भी पहुंच चुकी हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह से बात करके घटना की जानकारी ली थी। धमाके के बाद दिल्ली समेत मुंबई, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

स्पीकर के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

बीआरएस विधायकों को अयोग्य ठहराने का मामला

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 17 नवंबर को सुनवाई करेगा। याचिका में स्पीकर के खिलाफ कोर्ट की अवमानना कार्यवाही करने की मांग की गई है क्योंकि स्पीकर ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया और भारत राष्ट्र समिति के 10 विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने पर उनकी अयोग्यता पर कोई फैसला नहीं किया। बीती 31 जुलाई को मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने तेलगाना विधानसभा के स्पीकर को तीन महीने के भीतर बीआरएस के 10 विधायकों की अयोग्यता के मामले पर फैसला लेने का निर्देश दिया था। सोमवार को इस मामले में याचिका दायर की गई, जिसमें कहा गया कि स्पीकर ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय समयसीमा में विधायकों की अयोग्यता पर फैसला नहीं किया। ऐसे में स्पीकर के खिलाफ अवमानस्नाप कार्यवाही की जानी चाहिए। याचिकाकर्ता ने मामले पर तुरंत सुनवाई करने की मांग की। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई ने मामले को अगले सोमवार को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि प्रतिवादी कार्यवाही को महीने के अंत तक खींच रहे हैं। वकील का इशारा 23 नवंबर को मौजूदा सीजेआई जस्टिस गवई के रिटायरमेंट की तरफ था। इस पर सीजेआई गवई ने कहा कि 24 नवंबर के बाद सुप्रीम कोर्ट बंद नहीं होगा। याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने यह भी बताया कि कोर्ट के 31 जुलाई के आदेश के बाद से कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

वकील ने कहा, विधायक अभी भी पद पर बने हुए हैं। स्पीकर ने उन पर कोई कार्रवाई नहीं की है। अवमानना याचिका सुप्रीम कोर्ट के 31 जुलाई के फैसले से जुड़ी है, जब मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने बीआरएस नेताओं केटी रामाराव, पाडी कौशिक रेड्डी और केओ विवेकानंद द्वारा दायर रिट याचिकाओं के एक बैच में दिया था।

सुप्रीम कोर्ट से अमृतपाल को राहत नहीं

एनएसए के तहत हिरासत में रखे जाने के खिलाफ डाली थी याचिका

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खालिस्तानी समर्थक प्रचारक और खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत की गई हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

सर्वोच्च न्यायालय के जज जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने अमृतपाल के वकील को निर्देश दिया कि वे अपने मुवक्किल की याचिका पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में दायर कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से कहा कि वह इस याचिका पर छह हफ्ते के अंदर निर्णय ले। मुख्य न्यायाधीश ने सोमवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए बताया कि सोशल मीडिया पर एक झूठा वीडियो चल रहा है, जिसमें अदालत में जूता फेंकने की फर्जी घटना दिखाई गई है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने न्यायपालिका में एआई के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तय करने संबंधी याचिका पर दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सहमति दी। याचिका में कहा गया है कि एआई टूल्स के अंधाधुंध उपयोग से न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता और निष्पक्षता पर खतरा बढ़ सकता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि एआई सिस्टम में डेटा बायस और ब्लैक बॉक्स जैसी समस्याएं हैं, जिससे निर्णय प्रक्रिया अस्पष्ट हो जाती है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 2900 किलो विस्फोटक जब्त किया

> 3 डॉक्टरों समेत 7 अरेस्ट, कार में एके-47 लेकर चलने वाली लखनऊ की महिला डॉक्टर पकड़ी गई

जम्मू/फरीदाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में एक डॉक्टर के घर से 360 किलो विस्फोटक (संदिग्ध अमोनियम नाइट्रेट) बरामद किया गया है। इसके साथ ही असॉल्ट राइफल और कारतूस भी मिले हैं। यहां जम्मू-कश्मीर पुलिस ने छापा मारा था। गिरफ्तार डॉक्टर का नाम मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। यह पुलवामा के कोइल का रहने वाला है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लखनऊ से भी एक महिला डॉक्टर शाहीन शाहिद को गिरफ्तार किया गया है। शाहीन डॉक्टर मुजम्मिल शकील की गर्लफ्रेंड है। मुजम्मिल, डॉक्टर शाहीन की कार इस्तेमाल करता था। शाहीन की कार से ही रविवार को कश्मीर में एके-47 राइफल, जिंदा कारतूस और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद हुई थी।

इससे पहले 7 नवंबर को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सहारनपुर (यूपी) से डॉ. आदिल अहमद को गिरफ्तार किया था। यह अनंतनाग (कश्मीर) का रहने वाला है। आदिल अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में प्रैक्टिस करता था। 2024 में इसने वहां से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वह सहारनपुर में प्रैक्टिस करने लगा।

जानकारी के मुताबिक डॉ. मुजम्मिल ने फरीदाबाद के धौज गांव में 3 महीने पहले किराए पर कमरा लिया था। वह यहां रहता नहीं था, केवल सामान रखने के लिए कमरा लिया था। जम्मू कश्मीर पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार आतंकियों के कब्जे से अब तक कुल 2900 किलो आईईडी बनाने की सामग्री बरामद की गई है। यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और अंसर गजवात-उल-हिंद जैसे प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि ये आरोपी विदेशी हैंडलर्स के निर्देश पर काम करते थे और सोशल मीडिया व एन्क्रिप्टेड चैनलों के जरिए आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते थे।

पुलिस कमिश्नर बोले- 9 नवंबर को छापा मार विस्फोटक जब्त किया :

फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि पिछले करीब 15 दिनों से हरियाणा और जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक जॉइंट ऑपरेशन जारी था। वह अब भी चल रहा है। इसके अंतर्गत एंटी टेरर मॉड्यूल पर काम करते हुए दोनों राज्यों की पुलिस ने फरीदाबाद से एक एक्टिविस्ट को पकड़ा था, जिसका नाम डॉक्टर मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। इसके बाद रविवार (9 नवंबर) को उसके कमरे में रेड की गई, जिसमें करीब 360 किलो विस्फोटक बरामद किया गया। वह अमोनियम नाइट्रेट हो सकता है।

एआई के दुरूपयोग से जज भी परेशान...

सीजेआई गवई बोले- हमने भी देखीं अपनी मॉर्फ्ड तस्वीरें

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुरूपयोग के बारे में जजों को भी मालूम है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने सोमवार कहा कि न्यायपालिका के लोगों को भी मॉर्फ्ड तस्वीरों के माध्यम से निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों को नियंत्रित करने की पहल कार्यपालिका की ओर से होनी चाहिए, न्यायपालिका से नहीं। दरअसल, आज समाज का बड़ा तबका किसी न किसी रूप से एआई के दुरूपयोग की वजह से परेशानी महसूस कर रहा है।

सीजेआई बीआर गवई ने कहा है, हमने भी अपनी मॉर्फ्ड तस्वीरें देखी हैं। न्यायिक और अर्ध-न्यायिक संस्थाओं में जेनेरेटिव एआई (जीईएनएआई) को नियंत्रित करने के लिए एक पॉलिसी फ्रेमवर्क तैयार करने की मांग वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए सीजेआई ने आगे कहा, निश्चित तौर पर यह एक नीतिगत मामला है। इसपर कार्यपालिका को फैसला लेने की जरूरत है।

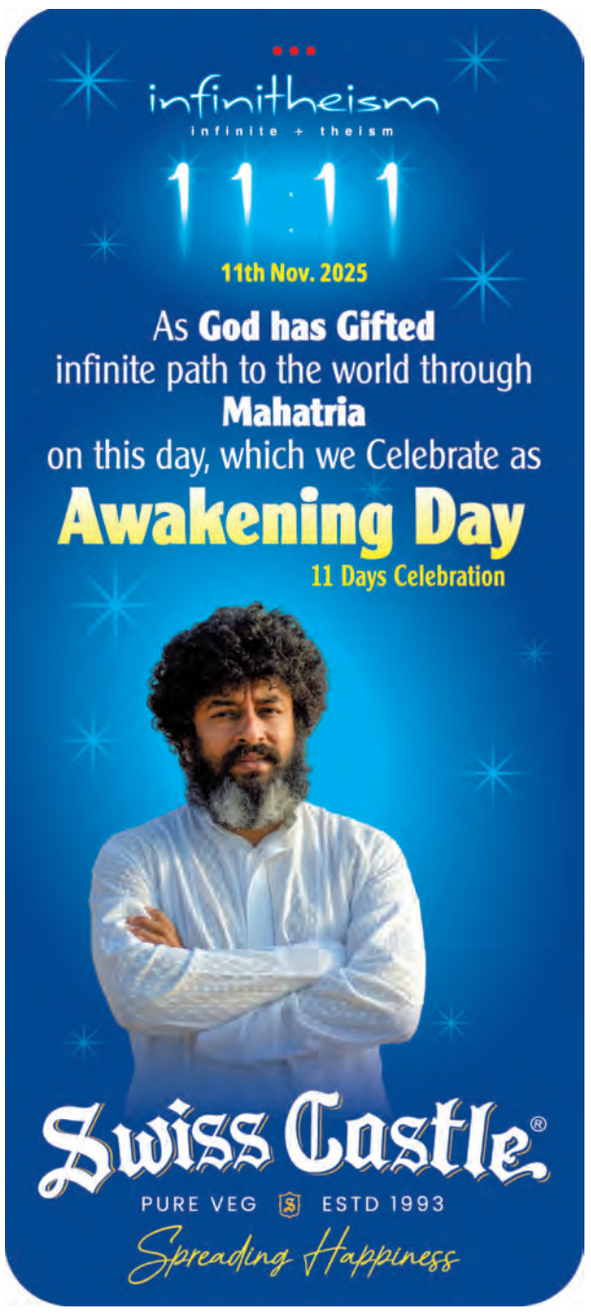

'चाहे मेरा गला काटो या जेल भेजो ...'

एसआईआर के खिलाफ आर-पार के मूड में ममता बनर्जी

सिलीगुड़ी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट के एसआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसके बाद से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। ममता बनर्जी ने एसआईआर को वोटिंग के अधिकार को छीनने की प्रक्रिया तक कहा। उन्होंने एसआईआर को 'वोटबंदी' करार दिया।

टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि केंद्र सरकार वोटर लिस्ट के एसआईआर के नाम पर मासूम लोगों को प्रताड़ित कर रही है। ममता बनर्जी ने कहा कि है कि विधानसभा चुनाव के ठीक पहले चुनाव आयोग को राज्य में एसआईआर कराने की क्या जरूरत है।

सिलीगुड़ी में ममता बनर्जी ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक बार केंद्र सरकार ने नोटबंदी की थी, अब एसआईआर के तहत वोटबंदी हो रही है। केंद्र सरकार और बीजेपी पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा चाहे मुझे जेल भेज दे या मेरा गला काट दे लेकिन लोगों के मताधिकार पर अंकुश नहीं लगा सकती है।

इससे पहले उन्होंने अपने मंत्रियों और पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ कोलकाता में एसआईआर के खिलाफ मार्च भी निकाला था।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। इसके पहले राज्य में मार्च अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले ही चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है।

आन बान शान के साथ 'त्रिशूल' अभ्यास खत्म

30,000 जवान, 40 से अधिक विमान शामिल, सूख गई थी दुश्मन की हलक

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सशस्त्र सेना का संयुक्त अभ्यास 'त्रिशूल' संपन्न हो गया है। इसे ट्राई-सर्विस एक्सरसाइज (टीएसई-2025) 'त्रिशूल'का नाम दिया गया था। इस एक्सरसाइज को भारतीय नौसेना ने भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर अंजाम दिया। इनके अलावा अन्य पैरामिलिट्री फोर्स और केंद्रीय एजेंसियों ने भी इस अभ्यास को सफल बनाने में अपनी ओर से हर संभव योगदान दिया।

'त्रिशूल' अभ्यास के दौरान एक चुनौतपूर्ण ड्रिल को 3 से 7 नवंबर के बीच अंजाम दिया गया। इस दौरान राजस्थान और गुजरात से लेकर उत्तरी अरब सागर तक में तीनों सेनाओं ने बहुत ही शानदार अभ्यास किया। इस अभ्यास ने भारत के संयुक्त युद्ध रणनीति को अंजाम देने की क्षमता का परिचय दिया है।

इस अभ्यास की अगुवाई वेस्टर्न नेवल कमांड ने भारतीय सेना की दक्षिणी कमान और वायु सेना के दक्षिण-पश्चिम कमान के साथ साझेदारी में संपन्न किया।

इस बड़े सैन्य अभ्यास में 30,000 से अधिक जवान शामिल हुए। मिलिट्री ने इस दौरान कई अहम सैन्य साजो-सामान का उपयोग किया। वहीं इसमें 20 से 25 समुद्री जहाज और पनडुब्बियां भी शामिल हुईं, जिनमें विशेष रूप से एंफीबियस जहाज भी थे। इनके अलावा, 40 से अधिक विमान और धरातल पर इस्तेमाल होने वाले कई सिस्टम भी तैनात किए गए थे।

'त्रिशूल' अभ्यास का मुख्य उद्देश्य तीनों सेनाओं के मिलकर लड़ने की क्षमता को और बेहतर करना था। इस अभ्यास से भारतीय सशस्त्र सेना की इस ताकत को और भी अच्छे से परखा जा सका। यही नहीं, तीनों सेनाओं के अलावा इसमें भारतीय तटरक्षक दल, सीमा सुरक्षा बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों ने भी हिस्सा लिया। बता दें कि इस अभ्यास को लेकर पाकिस्तानी सेना में इस कदर डर भरा हुआ था कि उसने अपने हवाई क्षेत्र को पूरी तरह से बंद कर दिया था।

बेंगलुरु जेल का एक और वीडियो, कैदी डांस कर रहे

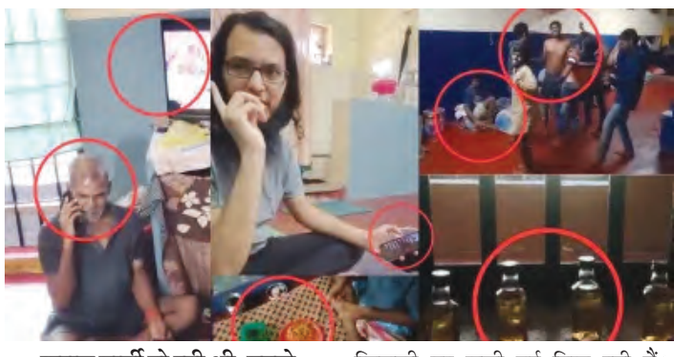

शराब पार्टी हो रही थी; पहले वीडियो में आतंकी जुहैब फोन इस्तेमाल करता दिखा था

बेंगलुरु, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु की पराप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें कैदी गाना गाते, नाचते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। हालांकि अभी इस वीडियो की पुष्टि होना बाकी है। 55 मिनट के वायरल वीडियो की शुरुआत में शराब की 4 बोतलें खिड़की पर सजी हुई दिख रही हैं। आगे कुछ कैदी जमीन पर बैठकर बर्तनों को बजा रहे। 5-6 चिल्लाते हुए नाच रहे हैं।

वीडियो में डिस्पोजेबल गिलास में शराब, प्लेट में कटे फल और तली मूंगफली भी दिख रही हैं। आखिर में कई मोबाइल फोन और चार्जर भी नजर आ रहे हैं।

वायरल वीडियो करीब एक हफ्ते पहले का बताया जा रहा है।

भागवत बोले- संघ की शाखा में मुस्लिम-ईसाई भी आते हैं

हम नहीं पूछते- कौन क्या है; संघ में भगवा रंग गुरु, तिरंगे का भी बहुत सम्मान

बेंगलुरु , 10 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के चीफ मोहन भागवत ने कहा कि संघ की सोच समावेशी है। शाखा में मुस्लिम भी आते हैं, ईसाई भी आते हैं और हिंदू भी आते हैं। हम यह नहीं पूछते कि कौन क्या है। हम सब भारत माता के पुत्र हैं। यही संघ की कार्यशैली है।

उन्होंने कहा- हमारा किसी एक दल से कोई विशेष लगाव नहीं है। संघ की कोई पार्टी नहीं है। कोई भी पार्टी हमारी नहीं और सभी पार्टियां हमारी हैं क्योंकि वे भारतीय दल हैं। हम राष्ट्रनीति का समर्थन करते हैं, राजनीति का नहीं। हम देश को एक दिशा देना चाहते हैं। जो उस दिशा में काम करेगा, हम उसका समर्थन करेंगे।

इससे पहले भागवत ने कहा था कि संघ भगवा झंडे को मानता है, तिरंगे को नहीं, इस मुद्दे पर भागवत ने कहा कि संघ में भगवा को गुरु मानते हैं, लेकिन हम तिरंगे का बहुत सम्मान करते हैं।

दरअसल, भागवत ने यह बात कर्नाटक के बेंगलुरु में विश्व संवाद केंद्र में 8-9 नवंबर तक दो दिन के '100 इयर्स ऑफ संघ जर्नीः न्यू होराइजन्स' लेक्चर सीरीज में कही है। आज इसका आखिरी दिन था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि हमारे संगठन को व्यक्तियों के एक निकाय के रूप में मान्यता दी जाती है। संघ की 1925 में स्थापना हुई थी। क्या आपको लगता है कि ब्रिटिश सरकार इसका रजिस्ट्रेशन करती? असल में कांग्रेस आरोप लगाती है कि RSS बिना रजिस्ट्रेशन के ही चलने वाला संगठन है। भागवत ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य नहीं किया। हम लोगों के समूह की श्रेणी में आते हैं और हम एक जाना-माना संगठन हैं। इनकम टैक्स विभाग और अदालतें RSS को लोगों का समूह मानती हैं। हमारे संगठन को इनकम टैक्स से छूट दी गई थी। भागवत ने कहा कि संगठन को तीन बार बैन किया गया। इसके बाद हमारे संगठन को मान्यता दे दी। अगर हम नहीं थे, तो किस पर प्रतिबंध लगाया? ऐसी कई चीजें हैं, जो रजिस्टर्ड नहीं है। हिंदू धर्म भी रजिस्टर्ड नहीं है।

एक दिन पहले भी भागवत ने इसी कार्यक्रम को संबोधित किया था। जिसमें उन्होंने हिंदू राष्ट्र को लेकर अपनी बात रखी थी। इस मौके पर आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और कई सामाजिक हस्तियां मौजूद थीं। भारत में सभी हिंदू हैः यहां के सभी मुसलमान और ईसाई भी उन्हीं पूर्वजों के वंशज हैं। शायद वे भूल गए हैं या उन्हें भुला दिया गया है। भारत में कोई अहिंदू नहीं है। भारत को ब्रिटिशों ने नहीं बनाया, यह प्राचीन राष्ट्र है- हमारा राष्ट्र ब्रिटिशों की देन नहीं है। हम सदियों से एक राष्ट्र हैं। दुनिया के हर देश की एक मूल संस्कृति होती है। भारत की मूल संस्कृति क्या है? कोई भी परिभाषा दें, वह आखिर में 'हिंदू' शब्द पर ही पहुंचती है। हिंदू होना मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना- रत में कोई 'अहिंदू' नहीं है। हर व्यक्ति चाहे जाने या न जाने, भारतीय संस्कृति का पालन करता है। इसलिए हर हिंदू को यह समझना चाहिए कि हिंदू होना मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना है।" भारत का हिंदू राष्ट्र होना संविधान के खिलाफ नहीं- भारत का हिंदू राष्ट्र होना किसी बात के विरोध में नहीं है।

यह हमारे संविधान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके अनुरूप है। संघ का लक्ष्य समाज को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। संघ ने विरोध झेला, लेकिन रुका नहीं- संघ के 100 साल पूरे होने तक का सफर आसान नहीं रहा। संघ पर दो बार प्रतिबंध लगा, तीसरी बार कोशिश हुई। स्वयंसेवकों की हत्या हुई, हमला हुआ, लेकिन संघ के कार्यकर्ता बिना स्वार्थ के काम करते रहे। संघ हर गांव और हर वर्ग तक पहुंचेगा- संघ का लक्ष्य अब हर गांव, हर जाति और हर वर्ग तक पहुंचना है।

ुनिया हमें विविधता में देखती है, लेकिन हमारे लिए यह विविधता एकता की सजावट है।

बेंगलुरु एयरपोर्ट में नमाज पढ़ने का वीडियो

बीजेपी का सवाल- आरएसएस परेड पर कर्नाटक सरकार को आपत्ति है, क्या इन्हें सीएम ने मंजूरी दी

बेंगलुरु, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के इंटरनेशनल कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर कुछ लोगों के नमाज पढ़ने का एक वीडियो सामने आया है। इस पर कर्नाटक में भाजपा ने आपत्ति जताई है। कर्नाटक भाजपा के प्रवक्ता विजय प्रसाद ने X पर रविवार रात को वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने पूछा है कि बेंगलुरु एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 के अंदर इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है। क्या मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके कैबिनेट मंत्री प्रियांक खड़गे इससे सहमत हैं। भाजपा ने बेंगलुरु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन पर आपत्ति जताने और प्रतिबंधित इलाकों में ऐसी गतिविधियों पर आंखें मूंद लेने के लिए कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की। कर्नाटक भाजपा प्रवक्ता विजय प्रसाद ने कहा, 'क्या इन लोगों ने हाई सिक्योरिटी वाले एयरपोर्ट में नमाज पढ़ने से पहले परमिशन ली थी? जब आरएसएस अधिकारियों से परमिशन लेने के बाद पथ संचलन (परेड)

करता है तो सरकार आपत्ति क्यों करती है, लेकिन ऐसी गतिविधियों पर आंखें मूंद लेती है। क्या यह इतने संवेदनशील क्षेत्र में गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय नहीं है।'

बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में यात्रियों के लिए मल्टी-फेथ प्रेयर रूम की सुविधा है। टर्मिनल-1 और टर्मिनल-2 दोनों में ऐसे कमरे बनाए गए हैं, जहां यात्री शांति से प्रार्थना और ध्यान कर सकते हैं। ये कमरे एयरपोर्ट के अलग-अलग हिस्सों में बने हैं, जिनमें कुछ बोर्डिंग गेट्स के पास भी बने हैं।

वहीं, नमाज अदा करते समय मुसलमान इस बात का विशेष ध्यान रखते हैं कि नमाज की जगह साफ-सुथरी और पवित्र हो। आमतौर पर मस्जिद या घर का कोई शांत और साफ कमरा इसके लिए चुना जाता है। साथ ही, यह भी ध्यान रखा जाता है कि नमाज पढ़ने वाले के सामने से कोई व्यक्ति न गुजरे। इसलिए सामने या तो दीवार होती है या फिर कोई चीज जैसे कुर्सी, बैग, कपड़ा) रखा जाता है, ताकि नमाज में खलल न पड़े।

कपिल मिश्रा को राहत मिली

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा को राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच के निर्देश दिए गए थे।

फरवरी 2020 में दिल्ली दंगे में 53 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। दंगा एक सप्ताह तक चलता रहा। इस दौरान बड़े पैमाने पर आगजनी और हिंसा की घटनाएं हुईं। बाद में पुलिस ने दंगे में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की और बड़े पैमाने पर आरोपियों की गिरफ्तारी की। दंगे में कपिल मिश्रा का नाम काफी चर्चा में आया था। उन पर दंगे को भड़काने का आरोप लगाया गया, हालांकि कपिल मिश्रा ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट के जीपीएस से छेड़छाड़

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो दिन पहले 800 से ज्यादा उड़ानें बाधित होने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। अब तक की जांच और एक्सपर्ट्स से मिली जानकारी में सामने आया है कि GPS यानी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के सिग्नल से छेड़छाड़ की साजिश की गई थी।

जानकारी के अनुसार, 6 से 7 नवंबर शाम लगभग 7 बजे के बीच पायलट्स को GPS से फेक सिग्नल मिल रहे थे। इससे कॉकपिट स्क्रीन पर विमान की पोजिशन ही बदल गई और एक नकली तस्वीर सामने आने लगी।

इस दौरान रनवे के बजाय खेत दिखने लगे और विमान की ऊंचाई को लेकर भी भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। फिर विमानों के पायलट GPS बेस्ड ऑटो मैसेजिंग की बजाय मैनुअल पोजिशन पर शिफ्ट हो गए।

7 नवंबर को IGI पर ATC के ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम (AMSS) में तकनीकी खराबी से फ्लाइटस ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा। 800 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स देरी से उड़ीं, जबकि 20 को रद्द करना पड़ा। एयरपोर्ट का ऑपरेशन 48 घंटे के बाद नॉर्मल हुआ।

GPS में छेड़छाड़ की वजह से एयर ट्रैफिक कंट्रोल को भी देरी से मैसेज मिलने लगे। ऐसे में विमानों को दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड कराने की जगह जयपुर और आसपास के हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

एयर ट्रैफिक बढ़ने से एयर स्पेस में विमानों की आपस में दूरी को बढ़ाया गया। इससे किसी भी बड़े हादसे को टाला जा सका।

आशंकाः सुरक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े एक नामी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने 'भास्कर' को बताया कि अमेरिका से संचालित होने वाले GPS के सिविलियन सिग्नल की नकल करना पहले सिर्फ सैद्धांतिक लगता था, लेकिन अब यह बहुत आसानी से किया जा रहा है। आशंका है कि दिल्ली साजिश में हैकर्स को किसी विदेशी सरकार की मदद मिली, ये बड़ा खतरा है। आशंका है कि हाल की घटना में हैकर्स ने फेक सिग्नल ब्लास्ट (बड़ी संख्या में सिग्नल भेजना) किया। पायलटों को भ्रम हुआ, फिर ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम भी क्रैश हो गया। अमेरिकी सिविलियन GPS ओपन सीए सिग्नल देता है जिसे स्यूडो रैंडम नॉयज (पीआरएन) के आधार पर रिसीव किया जाता है। पीआरएन सिग्नल की कॉपी की जा सकती है। जबकि मिलिट्री ग्रेड GPS एनक्रिप्टेड होते हैं, यानी इनमें किसी का दखल नहीं होता।

खतराः देश में सिविलियन विमानों के जीपीएस से छेड़छाड़ के मामले बढ़े हैं। DGCA ने हाल के महीनों में ऐसे 465 से ज्यादा फेक सिग्नल रिकॉर्ड किए। अब तक ज्यादातर घटनाएं जम्मू और अमृतसर जैसे सीमावर्ती इलाकों में दर्ज की गई हैं। अमेरिका अब सिविलियन सिग्नल के लिए भी चिमेरा सिग्नल डेवलप कर रहा है। जीपीएस-3 के ये सिग्नल एनक्रिप्टेड होने से सुरक्षित होंगे।

सोनम-राज ने हवस के लिए राजा को मारा डाला

भाई विपिन रघुवंशी ने कहा- मर्डर का यही मोटिव; पुलिस ने बयान दर्ज कराने शिलॉन्ग बुलाया

इंदौर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड को लेकर राजा के बड़े भाई विपिन को शिलॉन्ग कोर्ट में बयान के लिए बुलाया है। वे सोमवार सुबह फ्लाइट से इंदौर से रवाना हो गए हैं। रात तक शिलॉन्ग पहुंचेंगे। 11 नवंबर को विपिन के बयान होंगे। उन्हें शिलॉन्ग के थाना प्रभारी के माध्यम से वॉट्सऐप पर नोटिस भेजा गया था। शिलॉन्ग रवाना होने से पहले विपिन रघुवंशी से दैनिक भास्कर ने बात की। उन्होंने कहा- मैंने ही राजा और सोनम के लापता होने की पुलिस में शिकायत की थी। अब किस विषय में बयान होना है, यह वहीं जाकर पता चलेगा। हमें मामले में कुछ और बातों की भी जानकारी मिली है, जिसकी पुष्टि वहीं होगी।

विपिन का कहना है कि हमें अभी तक चार्जशीट नहीं मिली है, जिससे भाई के मर्डर का मोटिव पता नहीं चल सका है। जहां तक मुझे लग रहा है कि राज और सोनम ने अपनी हवस के लिए राजा की हत्या की।

आमतौर पर लोग प्यार में कुर्बानी देते हैं, लेकिन इन्होंने हवस के लिए उसे मार दिया।

साफ हवा मांगने वालों से अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों :राहुल

प्रदूषण का विरोध करने पर लोगों को अरेस्ट किया था; दिल्ली की एयर क्वालिटी बेहद खराब

नई दिल्ली , 10 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन के खिलाफ विरोध कर रहे लोगों को हिरासत में लेने पर राहुल गांधी ने सरकार की आलोचना की है। उन्होंने रविवार रात को X पर कहा, ₹शांतिपूर्ण तरीके से साफ हवा की मांग करने वाले नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है।'

दरअसल दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ रविवार को इंडिया गेट पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शाम होते-होते पुलिस ने लोगों को इंडिया गेट से हटाया। इस दौरान कई लोगों को डिटेन किया गया था।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार ने प्रदूषण से निपटने की कोई प्लानिंग नहीं की।

इधर, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार रविवार सुबह दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 391 दर्ज हुआ, जो गंभीर श्रेणी में है। कई इलाकों जैसे बवाना (436), पटपड़गंज (425), आरके

पुरम (422) और आनंद विहार (412) में हालात बेहद खराब हैं।

राहुल गांधी ने X पर प्रदर्शन का एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए लिखा- 'वायु प्रदूषण करोड़ों भारतीयों को प्रभावित कर रहा है। हमारे बच्चों और हमारे देश के भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है। लेकिन वोट चोरी से सत्ता में आई सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है, न ही वह इस संकट को हल करने का प्रयास कर रही है। हमें स्वच्छ हवा की मांग कर रहे नागरिकों पर हमला करने के बजाय, वायु प्रदूषण पर अभी से निर्णायक कार्रवाई करने की जरूरत है।' विरोध करने वालों में मौजूद पर्यावरण कार्यकर्ता भवरीन कंधारी ने कहा कि बच्चों की सेहत तेजी से बिगड़ रही है। हर तीसरे बच्चे के फेफड़े प्रदूषण से प्रभावित हैं। एक और प्रदर्शनकारी अभिषेक ने कहा कि सरकारें एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगी हैं, जबकि लोगों को स्वच्छ हवा का बुनियादी अधिकार भी नहीं मिल रहा।

पंजाब यूनिवर्सिटी में छात्रों का हंगामा

'चंडीगढ़ पुलिस गो बैक' के नारे लगाए

चंडीगढ़, 10 नवंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में पंजाब यूनिवर्सिटी (PU) में एफिडेविट और सीनेट-सिंडिकेट विवाद खत्म होने के बाद भी हंगामा जारी है। हालांकि, पंजाब यूनिवर्सिटी ने एफिडेविट का फैसला वापस ले लिया है और केंद्र सरकार ने भी सीनेट-सिंडिकेट भंग करने का नोटिफिकेशन रद्द करने का ऐलान किया है। मगर, अब स्टूडेंट्स सीनेट के सभी 91 सदस्यों को चुनने के लिए चुनाव तारीख का ऐलान करने की मांग कर रहे हैं, जिसे लेकर अब विवाद गहरा गया है। पहले छात्रों ने 10 नंवबर को विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी, लेकिन 9 नवंबर की रात को ही पुलिस सुरक्षा कड़ी होते देख यूनिवर्सिटी के गेट नंबर दो पर प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

यूनिवर्सिटी में छात्र गेट पर धरना देकर बैठ गए है। उन्होंने पुलिस गो बैक के नारे भी लगाए। पैरेंट्स भी इसमें शामिल हो गए। उनकी पुलिसकर्मियों से बहस भी हुई। उधर, हंगामा बढ़ता देख पुलिस ने भी मोर्चा संभाल लिया है। बताया गया कि 2000 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी विरोध प्रदर्शन को देखते हुए लगाई गई है। एसएसपी कंवरपाल कौर भी मौके पर पहुंच गई थी। देर रात तक स्टूडेंट का प्रदर्शन जारी था।

उधर, पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) की कुलपति प्रोफेसर रेणु विग ने छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए कहा कि पीयू ने शिक्षा मंत्रालय की 7 नवंबर की अधिसूचना के अनुसार सीनेट चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मगर, स्टूडेंट नेता ने कहा कि हम पहले ही कह चुके हैं कि हमारा प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा, जब तक सीनेट चुनाव की तारीख नहीं दी जाती है।

एसआईआर के खिलाफ बंगाल कांग्रेस भी सुप्रीम कोर्ट पहुंची

कोलकाता, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू वोटर लिस्ट का रिवीजन SIR को लेकर पश्चिम बंगाल में सियासत गरमा गई है। अब कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने सुप्रीम कोर्ट में SIR के खिलाफ याचिका लगाई है।

जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में यह मामला उठाया गया जो बिहार SIR मामले की सुनवाई कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर को तमिलनाडु सरकार की SIR प्रक्रिया के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा।

इधर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने दावा किया है कि 27 अक्टूबर को SIR शुरू होने के बाद से अब तक 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं।

TMC ने कहा कि SIR के डर से कुछ ने आत्महत्या की, तो कुछ की मौत हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक से हुई। हालांकि भाजपा ने इसे 'राजनीतिक प्रचार' करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है। कहा- TMC जनता को गुमराह कर रही है।

पश्चिम बंगाल में विरोध के बावजूद 80,000 से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारी SIR के फॉर्म बांट रहे हैं। 9 नवंबर रात 8 बजे तक 5 5.15 करोड़ से ज्यादा SIR फॉर्म बांट दिए हैं। 4 नवंबर से शुरू हुआ काम 4 दिसंबर तक चलेगा।

बालुरघाट विधानसभा सीट के 27 गणना फॉर्म पूर्व बर्धमान जिले के कालना में सड़क किनारे मिले। पश्चिम मेदिनीपुर में एक BLO ने अपने पति से उसकी तरफ से फॉर्म बांटने को कहा।

उसने काम के दबाव का हवाला दिया और कहा ऐसा दोबारा नहीं होगा। एक बीएलओ न्यू अलीपुर के साहपुर स्कूल में फॉर्म वितरित करते देखा गया।

साउथ 24 परगना के जॉयपुर के सफीकुल (35) का शव 5 नवंबर को फंदे से लटका मिला। पत्नी ने आत्महत्या का कारण SIR बताया, पर साले अलआमीन मोल्ला ने कहा कि 'मौत पारिवारिक कारणों से हुई, SIR से नहीं।'

झाड़ग्राम के डोमन महतो (58) की मौत को भी SIR से जोड़ा गया, उनकी बेटी ने कहा कि 'पिता की मौत ब्रेन स्ट्रोक से हुई, इससे SIR का कोई संबंध नहीं।'

हालांकि, पानीहाटी में 57 वर्षीय प्रदीप कर की आत्महत्या के मामले में पुलिस को सुसाइड नोट मिला, जिसमें लिखा था- मेरी मौत का जिम्मेदार एनआरसी है। राजनीतिक विश्लेषक विश्वनाथ चक्रवर्ती का कहना है कि 'निर्वाचन आयोग की जागरूकता की कमी और तृणमूल की राजनीतिक रणनीति, दोनों ने SIR को विवाद का विषय बना दिया है।' पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले में SIR में लगी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) नमिता हांसदा (50) की स्ट्रोक से मौत हो गई। उनके पति माधव ने दावा किया कि यह मौत कार्यदबाव और तनाव के कारण हुई। आईसीडीएस कार्यकर्ता नमिता मेमारी सीट के बूथ नंबर 278 में SIR कार्य में जुटी थीं और समयसीमा को लेकर बेहद चिंतित थीं। शनिवार रात उन्हें अचानक स्ट्रोक आया और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया।

थार-बुलेट विवाद पर डीजीपी से सवाल

हिसार, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह का थार और बुलेट चलाने वालों पर दिए बयान से हरियाणा की राजनीति गरमा गई है। यह बयान सुर्खियों में छाया हुआ है। अब हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला भी इस विवाद में कूद गए हैं।रविवार शाम को उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर की। जिसे CM नायब सैनी को टैग करते हुए पूछा-क्या आपने भी कभी थार या बुलेट चलाई है? इस पोस्ट में दुष्यंत ने अपने और पूर्व CM एवं मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की बुलेट चलाते ही फोटो डाले हैं। तीसरी फोटो में कांग्रेस सांसद एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार के नेता तेजस्वी यादव एक ऑफ-रोड स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल में बैठे दिख रहे हैं।

3 फोटो के इस कोलाज के ऊपर दुष्यंत ने DGP का बयान लिखा है- थार और बुलेट से बदमाश चलते हैं। फोटो के नीचे सवाल लिखा है- DGP साहब! तो क्या ये भी।

ब्राजीलियन मॉडल बोलीं- भारतीय राजनीति से कोई लेना-देना नहीं

चंडीगढ़, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की वोटर लिस्ट में ब्राजील की मॉडल लैरिसा नेरी की तस्वीर इस्तेमाल होने का मामला तूल पकड़ रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 5 नवंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि एक ही महिला की तस्वीर का उपयोग वोटर लिस्ट में कई नामों के साथ किया गया है।

बाद में पता चला कि यह तस्वीर किसी भारतीय महिला की नहीं, बल्कि ब्राजील की मॉडल लैरिसा नेरी की है, जिसका बिना अनुमति उपयोग किया गया था। लैरिसा नेरी ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा कि भारत की राजनीति से उनका कोई लेना-देना नहीं है और यह फोटो एक स्टॉक इमेज वेबसाइट से ली गई थी। उन्होंने चिंता जताई कि इस विवाद का असर उनके मॉडलिंग करियर पर पड़ सकता है।

घटना के बाद लैरिसा नेरी ब्राजील से

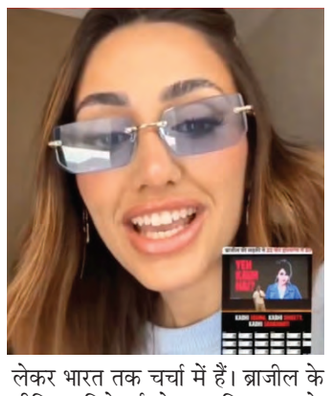

लेकर भारत तक चर्चा में हैं। ब्राजील के मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या 2 हजार से बढ़कर करीब 8 हजार हो गई है, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं। साइबर एक्सपर्ट्स ने इस मामले को व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन बताया है और कहा कि तस्वीरों के गैरकानूनी इस्तेमाल पर कानूनी कार्रवाई संभव है।

5 नवंबर को सामने आई थी मॉडल की फोटोः 5 नवंबर को 'वोट चोरी' के मुद्दे पर हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने BJP और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने स्क्रीन पर एक महिला की तस्वीर दिखाते हुए दावा किया था कि इस महिला ने हरियाणा के चुनाव में अलग-अलग नामों से 22 बार वोट दिया। कहीं पर यह स्वीटी है, कहीं सीमा, कहीं सरस्वती, कहीं रश्मि तो कहीं विमला।

मेरी बिना परमिशन के फोटो का यूज हुआः बाद में, पता चला कि यह तस्वीर किसी भारतीय महिला की नहीं, बल्कि एक ब्राजीलियन मॉडल लैरिसा नेरी की है, जो बिना उनकी अनुमति के इस्तेमाल की गई। नेरी की भी इस मामले पर प्रतिक्रिया आई और उन्होंने साफ किया है कि ₹भारत की राजनीति से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि वोटर लिस्ट में इस्तेमाल की गई तस्वीर एक स्टॉक इमेज प्लेटफॉर्म से खरीदी गई थी और उनकी सहमति के बिना इस्तेमाल की गई थी।

सुविचार: अधिक लोभ करना अधिक पाप वृत्तियों को जन्म देने जैसा ही है।

अजहरुद्दीन ने अल्पसंख्यक कल्याण और लोक उद्यम मंत्री का पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने सोमवार को सचिवालय में मंत्री पद का कार्यभार ग्रहण किया। अपने परिवार के साथ, अजहरुद्दीन ने इस्लामी नमाज के बाद अपने कार्यालय में अल्पसंख्यक कल्याण और लोक उद्यम विभागों का आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाला। इस अवसर पर, अजहरुद्दीन ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा उन पर किए गए विश्वास को पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। कई नेताओं और अधिकारियों ने अजहरुद्दीन को उनके नए मंत्री पद पर बधाई दी। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, वक्ति श्रीहरि और उत्तम कुमार रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने अजहरुद्दीन से सौहार्दपूर्वक मुलाकात की और अल्पसंख्यक कल्याण और लोक उद्यम मंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर उन्हें बधाई दी। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि अजहरुद्दीन के मंत्रिमंडल में शामिल होने से तेलंगाना में अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े सभी मामलों को सुलझाने, सरकार के लक्ष्यों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने और सभी को न्याय दिलाने के प्रयास किए जाएंगे।

ताडबंद कब्रिस्तान पर खतरा, बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर लगाया आरोप

एक्सप्रेस कॉरिडोर परियोजना से कब्रिस्तान प्रभावित होने की आशंका, वैकल्पिक रास्ते की मांग

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अल्पसंख्यक नेताओं ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार बोवेनपल्ली के पास स्थित पुराने मुस्लिम कब्रिस्तान को एक्सप्रेस कॉरिडोर निर्माण के लिए ध्वस्त करने की योजना बना रही है। उन्होंने सरकार से वैकल्पिक मार्ग निकालने की मांग की है।

रविवार को बीआरएस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल स्थानीय लोगों के साथ तारबंद कब्रिस्तान पहुँचा और स्थल का निरीक्षण किया। बताया गया कि एनएच-44 पर पैराडाइज जंक्शन से डेयरी फार्म रोड तक बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर के मार्ग में यह कब्रिस्तान आ रहा है।

बीआरएस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राज्य महासचिव अब्दुल मुकीत चंदा ने आरोप लगाया कि जीएचएमसी जुबली हिल्स उपचुनाव के बाद इस कब्रिस्तान को तोड़ने की तैयारी में है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह कब्रिस्तान सौ साल से भी पुराना है और इसमें उनके पूर्वजों की कब्रें हैं।

स्थानीय निवासियों ने कब्रिस्तान की रक्षा के लिए एक समिति बनाई है। बीआरएस नेताओं ने कहा कि आधा कब्रिस्तान अधिग्रहण की चपेट में आएगा और यह धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुँचाने की परंपरा कांग्रेस की नीतियों का हिस्सा बन गई है। हाल ही में कोडंगल में भी एक मुस्लिम कब्रिस्तान और आशूरखाना को सड़क चौड़ीकरण के दौरान तोड़ा गया था, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन हुए थे।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं: वी.सी. सज्जनार

महिला सुरक्षा विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि महिलाओं की सुरक्षा एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, ने सोमवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित आईसीसीसी सभागार में महिला सुरक्षा विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की।

इस बैठक में विभाग के महिला थानों में दर्ज मामलों की जाँच की गई। उन्होंने पुलिस टीमों, भरोसा, मानव तस्करी विरोधी, किशोर और अन्य विभागों के पुलिस अधिकारियों से बात की और उनके प्रदर्शन की जानकारी ली। बाद में, उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे से निपटने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाएँ पुलिस थानों में संकट की स्थिति में आती हैं और उनके साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो पीड़ित महिलाएँ उनके पास अन्याय की शिकायत लेकर आती हैं, उन्हें यह विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि वे उनके साथ खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मामलों को दर्ज करके यूँ ही नहीं छोड़ देना चाहिए, बल्कि उनकी गहन जाँच होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पॉक्सो और बलात्कार के मामलों में लापरवाही बरती गई, तो ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने महिला सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने और बच्चों को गुड टच-बैड टच और आत्मरक्षा के बारे में सिखाने का सुझाव दिया। उन्होंने सिर्फ़ ऑपरेशन स्माइल और मुस्कान के दौरान ही नहीं, बल्कि सड़क पर रहने वाले बच्चों, उद्योगों में काम करने वाले बाल मज़दूरों और अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले बाल मज़दूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर लड़कियों का मामला सामने आया तो क़ानून के मुताबिक़ सख़्त कार्रवाई की जाएगी और आरोपियों के ख़िलाफ़ हिस्ट्रीशीट खोली जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें पासपोर्ट नहीं दिया जाएगा और न ही सरकारी नौकरी मिलेगी। इस समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्रीनिवास, पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा) लावण्या नायक और अन्य लोग शामिल हुए।

सड़क हादसे में दो किशोरों की मौत, पेड़ से टकराई बाइक

राजन्ना-सिरसिला जिले के अग्रहारम में हुआ हादसा, एक की मौके पर और दूसरे की अस्पताल में मौत

राजन्ना-सिरसिला, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा शहरी मंडल के अग्रहारम गांव के पास रविवार को हुए सड़क हादसे में दो किशोरों की जान चली गई। उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई।

पुलिस के अनुसार, जगतियाल जिले के मेडिपल्ली निवासी 18 वर्षीय गुडिकंदुला मणिचरण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त 18 वर्षीय बुरा शेषी कुमार ने देर शाम करीमनगर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मणिचरण अग्रहारम स्थित श्री राजराजेश्वर राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में डिप्लोमा द्वितीय वर्ष का छात्र था और दोस्तों के साथ किराए के कमरे में रह रहा था। रविवार को वह अपने रूममेट की बाइक पर सवार होकर शेषी कुमार से मिलने रागुडु गया था। लौटते समय दुर्घटना हुई।

पुलिस महानिदेशक ने कमांड कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन किया

राचकोंडा कमिश्नरेट के अंतर्गत सिटी ट्रेनिंग सेंटर का शिलान्यास

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने सोमवार को राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मेडिपल्ली में बनने वाले सिटी ट्रेनिंग सेंटर (सीटीसी) की आधारशिला रखी। इसी प्रकार, कमिश्नरेट के अंतर्गत कमांड कंट्रोल सेंटर के नए भवनों का उद्घाटन किया गया।

राचकोंडा पुलिस कमिश्नर जी. सुधीर बाबू, कमिश्नरेट पुलिस के अंतर्गत आने वाले डीसीपी और अन्य पुलिस अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के अवसर पर मेडिपल्ली में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बोलते हुए, पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कि मुख्यमंत्री द्वारा पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए स्वीकृत यंग इंडिया पुलिस स्कूल के निर्माण के लिए सीएसआर योजना के माध्यम से सहायता का आश्वासन सराहनीय है। राज्य के मुख्यमंत्री ने आदेश दिया है कि यंग इंडिया पुलिस स्कूल में पुलिसकर्मियों के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी 50 प्रतिशत सीटें आवंटित की जाएं। उन्होंने कहा कि सिटी ट्रेनिंग सेंटर के निर्माण से पुलिसकर्मियों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि चूंकि अपराधी तकनीक से जुड़े विभिन्न प्रकार के अपराध कर रहे हैं, इसलिए पुलिसकर्मियों के लिए तदनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिले में भी प्रशिक्षण केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो को मजबूत किया है और उन्हें आवश्यक सुविधाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हो रही सड़क दुर्घटनाओं को एक गंभीर मामला माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वाहन चालकों को रक्षात्मक ड्राइविंग जैसे ज़िम्मेदार ड्राइविंग के लिए आवश्यक न्यूनतम तरीकों का पालन करना चाहिए। डीजीपी ने कहा कि दिसंबर में "अराइव, अलाइव" नाम से वाहन चालकों और ड्राइवरों के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और समाज के सभी वर्गों को इसके लिए आगे आना चाहिए। उनका मानना था कि केवल दुर्घटना होने पर ही उसके बारे में चिंतित होना उचित नहीं है, बिना यह सोचे कि ऐसी सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करना पुलिस की जिम्मेदारी है। डीजीपी ने बताया कि भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बुनियादी तरीकों का पालन किया जाना चाहिए और इस दिशा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में स्वयंसेवी संगठनों और समाज के सभी वर्गों के लिए अपनी भूमिका निभाना आवश्यक है।

डीजीपी ने राचकोंडा कमिश्नरेट के नए भवन के लिए सरकार को 50 एकड़ से अधिक भूमि आवंटित करने के उनके प्रयासों के लिए पूर्व विधायक एम. सुधीर रेड्डी को धन्यवाद दिया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि सीटीसी पुलिस कर्मियों को अच्छे वातावरण में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए उपयोगी होगा। कार्यक्रम में राचकोंडा साइबर सुरक्षा परिषद की प्रतिनिधि गगनदीप, राचकोंडा आयुक्तालय के पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

विमान में बम की धमकी से मचा हड़कंप

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। लंदन से आ रहे ब्रिटिश एयरवेज के विमान (बीए 277) में सोमवार सुबह बम की धमकी मिलने से राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी मच गई। एक अज्ञात व्यक्ति ने विमानन अधिकारियों को ईमेल भेजकर दावा किया था कि विमान में बम लगाया गया है।

विमान में 212 यात्री सवार थे और यह सुबह करीब 5.30 बजे हैदराबाद उतरा। अधिकारियों ने तुरंत सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर विमान को घेर लिया। सीआईएसएफ के बम निरोधक दस्तों और स्थानीय पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला।

जाँच के बाद अधिकारियों ने पुष्टि की कि धमकी झूठी थी। घटना के बाद यात्रियों और हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने राहत की साँस ली। आरजीआईए पुलिस ने मामला दर्ज कर ईमेल भेजने वाले की तलाश शुरू कर दी है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय और केंद्र सरकार में एमओयू

शहरी प्रशासन को सशक्त बनाने की पहल

सात राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के नगर कर्मियों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) और केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने शहरी प्रशासन कर्मियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल ओयू के क्षेत्रीय शहरी और पर्यावरण अध्ययन केंद्र (आरसीयूईएस) के माध्यम से लागू की जाएगी।

कार्यक्रम का उद्देश्य सात राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के नगर निगम अधिकारियों के ज्ञान और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाना है। प्रशिक्षण में शहरी नियोजन, अपशिष्ट प्रबंधन, स्मार्ट शासन, यातायात प्रबंधन, डिजिटल बदलाव और सतत बुनियादी ढाँचे के विकास पर जोर दिया जाएगा।

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025 के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू की उपस्थिति में ओयू के कुलपति प्रो. कुमार मोलुगरम और आरसीयूईएस निदेशक प्रो. श्रीनागेश ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर देशभर से 3,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

प्रो. मोलुगरम ने कहा कि भारत के शहरी परिवर्तन के लिए बुनियादी ढाँचे के साथ बौद्धिक और प्रशासनिक तैयारी भी आवश्यक है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, KRISHNA KUMARI, W/O: SUB MAJ/CLERK (GD) GIDDALURI RANGANATHA, R/O: HOUSE NO.1-12/8, BRINDAVAN LANE 2, EX SERVICE-MEN COLONY,BALAJI NAGAR, JAWAHAR NAGAR, MEDCHAL MALKAJGIRI - 500087, Telangana,have changed the following as per Affidavits dt 07-11-2025 , (a) my name from KRISHNA KUMARI to GIDDALURI KRISHNA KUMARI and (b) my correct Date of Birth is : 15-06-1969 and not 26-08-1964.

I Army no 15439126w Munna Kumar Giri Unit-354 Field Hosp,C/O 56 APO Mehdipatnam Want change my son's name from Utkarsh Kumar to Utkarsh Giri and date of birth from 26/04/2016 to 20/03/2017 service doc vide affidavit dated 09/11/2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

टोलीचौकी में 12 नवंबर को मेगा जॉब फेयर का आयोजन

फार्मा, आईटी, बैंकिंग सहित कई क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर, प्रवेश निःशुल्क

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। टोलीचौकी स्थित अल्फा फंक्शन हॉल में बुधवार, 12 नवंबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। इस रोज़गार मेले में कई प्रमुख कंपनियाँ भाग लेंगी।

आयोजक मन्नान खान ने बताया कि मेले में फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और आईटीईएस, शिक्षा तथा बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में नौकरियों के अवसर उपलब्ध होंगे। कुछ कंपनियाँ घर से काम करने का विकल्प भी प्रदान करेंगी।

गली कुत्तों को हटाना गैरकानूनी

प्रशासन से अवैध निष्कासन रोकने और एबीसी कार्यक्रम लागू करने की मांग की

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पशु संरक्षण संगठन ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया ने स्पष्ट किया है कि आवासीय क्षेत्रों से गली या सामुदायिक कुत्तों को हटाना या कहीं और स्थानांतरित करना पूरी तरह अवैध है।

संगठन ने शहर प्रशासन से अदालत के आदेशों की गलत व्याख्या कर कुत्तों के गैरकानूनी निष्कासन को तुरंत रोकने की अपील की है।

संगठन के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने केवल अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों, रेलवे स्टेशनों और बस स्टॉप जैसे संस्थानों से कुत्तों को हटाने की अनुमति दी है, न कि आवासीय या सामुदायिक क्षेत्रों से। बावजूद इसके, कई जगहों पर कुत्तों को अंधाधुंध तरीके से उठाया जा रहा है।

ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया की वरिष्ठ निदेशक केरेन नाज़रेथ ने कहा कि सामुदायिक कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने का एकमात्र मानवीय और वैध तरीका पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि मुंबई, हैदराबाद और दिल्ली जैसे शहरों में कुत्तों को पकड़ने में अक्सर क्रूरता बरती जा रही है, जो कानून का उल्लंघन है।

नाज़रेथ ने कहा कि गैरकानूनी निष्कासन पर सार्वजनिक संसाधन खर्च करने की बजाय, नगर प्रशासन को नसबंदी और टीकाकरण जैसे स्थायी समाधान अपनाने चाहिए।

उत्तम कुमार रेड्डी ने रिकॉर्ड धान खरीद की समीक्षा की

अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने धान खरीद में एक नया मुकाम हासिल किया है। खरीफ 2025-26 सीजन के दौरान अब तक 8.54 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान की खरीद हो चुकी है- जो पिछले साल इसी समय दर्ज की गई 3.94 लाख मीट्रिक टन की खरीद से दोगुने से भी ज्यादा है। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के साथ सोमवार को मुख्य सचिव एस. रामकृष्ण राव द्वारा डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय से आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला कलेक्टरों और नागरिक आपूर्ति अधिकारियों के साथ प्रगति की समीक्षा की। मंत्रियों ने अधिकारियों को किसी भी प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए सतर्क रहने और खरीद के बारे में गलत सूचनाओं का खंडन करने का निर्देश दिया। समीक्षा में नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रवींद्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना ने धान उत्पादन और खरीद दोनों में अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा, भारत में पहली बार किसी राज्य सरकार ने एक ही खरीफ सीजन में 80 लाख टन धान खरीदने का फैसला किया है। यह उपलब्धि तेलंगाना के कृषि पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती और किसानों के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि अब तक 3.95 लाख मीट्रिक टन उत्तम किस्म (सन्नालु) और 4.59 लाख मीट्रिक टन सामान्य किस्म (डोड्डू धान) की खरीद की जा चुकी है। सरकारी केंद्रों पर धान बेचने वाले किसानों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है- पिछले साल 55,493 से बढ़कर इस साल 1,21,960 हो गई है।

खरीदे गए धान का कुल एमएसपी मूल्य 2,041.44 करोड़ रुपये है, जबकि एक साल पहले यह 915.05 करोड़ रुपये था। इसमें से 832.90 करोड़ रुपये किसानों को पहले ही भुगतान किए जा चुके हैं, जबकि शेष 1,208.54 करोड़ रुपये पंजीकरण के 48 घंटों के भीतर ऑनलाइन खरीद प्रबंधन प्रणाली (ओपीएमएस) के माध्यम से चुका दिए जाएंगे। उत्तम धान की किस्मों के लिए बोनस मूल्य पिछले वर्ष के 43.02 करोड़ रुपये से बढ़कर इस वर्ष 197.73 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें से 35.72 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। रेड्डी ने अधिकारियों को शीघ्र भुगतान, पर्याप्त भंडारण और परिवहन, तथा संग्राहकों द्वारा निरंतर क्षेत्रीय निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। धान की समीक्षा के समानांतर, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कपास, मक्का और सोयाबीन की खरीद पर जिला कलेक्टरों के साथ विस्तृत चर्चा की और नवंबर को फसल संग्रह के लिए सबसे महत्वपूर्ण महीना बताया। कलेक्टरों ने बताया कि मक्का किसान सरकार के उस फैसले से संतुष्ट हैं जिसमें खरीद सीमा 18.5 क्विंटल प्रति एकड़ से बढ़ाकर 25 क्विंटल कर दी गई है, जिससे उन्हें मौसम संबंधी नुकसान से उबरने में मदद मिलेगी।

आईआईटी गुवाहाटी ने बनाया अनोखा पदार्थ

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा अनोखा पदार्थ तैयार किया है जो पेट्रोल में केरोसिन की मिलावट का पता लगाने के साथ-साथ पानी में फैले तेल को ठोस रूप में बदल सकता है। यह खोज पर्यावरण संरक्षण और ईंधन सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम मानी जा रही है।

आईआईटी गुवाहाटी की शोध टीम ने "फेज़-सिलेक्टिव ऑर्गेनोजेलरेटर' (PSOG) नामक अणु विकसित किया है। यह अणु तेल को जेली जैसे ठोस रूप में बदल देता है, जिससे उसे पानी से अलग करके आसानी से हटाया जा सकता है। यह प्रक्रिया समुद्रों और नदियों में होने वाले तेल रिसाव की सफाई में बेहद उपयोगी साबित हो सकती है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि महासागरों में तेल रिसाव दुनिया की सबसे गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं में से एक है, जिससे समुद्री जीव, तटरेखाएं और वहां की आजीविका प्रभावित होती है। पारंपरिक सफाई उपायों में अक्सर द्वितीयक प्रदूषण का खतरा होता है, लेकिन PSOG अणु सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल तरीका प्रदान करता है।

आईआईटी गुवाहाटी द्वारा विकसित यह पदार्थ पेट्रोल में केरोसिन की मिलावट की पहचान करने में भी सक्षम है। भारत में कई बार खर्च कम करने के लिए पेट्रोल में केरोसिन मिलाया जाता है, जिससे आग लगने और विस्फोट जैसी घटनाएं होती हैं। यह पदार्थ ऐसी खतरनाक मिलावटों का आसानी से पता लगा सकता है।

పీయం శ్రీ కేంద్రీయ విద్యాలయ ఎయిర్ ఫోర్స్ స్టేషన్ బేగంపేట్
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय वा.से.शि. बेगमपेट
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA AFS BEGUMPET
Bowenpally Road, New Bowenpally Hyderabad - 11

साक्षात्कार / WALK-IN INTERVIEW

Walk-In-Interviews for the following posts will be conducted on 14.11.2025 to prepare a panel of Contractual Teachers for the Year 2025-26 for the following vacancies.

Sl. No	Post & Subject	Reporting Date & Time
1	PGT Eco. (MA Economics.) PGT Com. (M.Com.) TGT SSt. (BA), TGT English (BA), PRT (Inter/12th & D.Ed), Special Educator, Counselor, Vocational Instructor, Sports Coach	14.11.2025 10:00 AM

Eligible candidates may attend walk-in interviews with complete filled in Bio-Data cum application form, one recent passport size colour photograph, all original certificates and one set of self attested photocopies. For more details, eligible qualifications and application form, visit our website, https://begumpetafs.kvs.ac.in

Sd/-
प्राचार्य/PRINCIPAL

योगी बोले- जिन्ना पैदा न होने पाए, दफन कर देना बांटने वालों को पहचानें, स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य होगा

गोरखपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी ने सोमवार को गोरखपुर में एकता यात्रा निकाली। वह 2 किमी पैदल चले। योगी ने कहा- हमें याद रखना होगा कि भारत के अंदर कोई नया जिन्ना पैदा न होने पाए। जिन्ना अगर पैदा होने का साहस करता है तो उसे दफन करके रख देना।सीएम ने वंदे मातरम् को लेकर बड़ा ऐलान भी किया। कहा- अब प्रदेश के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम्' का नियमित और अनिवार्य गायन किया जाएगा।

एकता पदयात्रा भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर निकाली जा रही है। 25 नवंबर तक प्रदेशभर में आयोजन होंगे। हर विधानसभा में 10 किमी की यात्रा निकाली जाएगी।गोरखपुर में टाऊनहाल से गोलघर तक योगी ने 2 किमी पैदल यात्रा की। इस दौरान लोगों ने उन पर पुष्प वर्षा भी की। गोरखपुर में टाऊनहाल से गोलघर तक योगी ने 2 किमी पैदल

यात्रा की। इस दौरान लोगों ने उन पर पुष्प वर्षा भी की।

योगी की 2 बड़ी बातें

1- समाज को बांटने वालों को पहचानों

योगी ने कहा- जब वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर कार्यक्रम शुरू हुए तो सिर फूटना शुरू हो गए। सपा के एक सांसद ने इसका विरोध किया। ये वही लोग हैं, जो सरदार पटेल की जयंती कार्यक्रम में शामिल नहीं होते, लेकिन जिन्ना को सम्मान देने के कार्यक्रम में शर्मनाक तरीके से शामिल होते हैं।ये उग्रवाद, आतंकवाद, नक्सलवाद लगातार देश की एकता और अखंडता को चुनौती दे रहा है। जो भी क्रांतिकारियों का अपमान करते हैं, वे अलगाववादी ताकतों को बढ़ाने का दुस्साहस करते हैं। जाति, क्षेत्र के नाम पर समाज को बांट रहे हैं, उन्हें पहचानें। ये नए जिन्ना को पैदा करने की साजिश का हिस्सा है। इसके खिलाफ भारत के हर नागरिक को खड़ा होना होगा। कोई भी व्यक्ति या संस्था राष्ट्र से ऊपर नहीं हो सकता।

योगी गोलघर स्थित काली माता मंदिर गए, मां को माला और प्रसाद चढ़ाया। योगी गोलघर स्थित काली माता मंदिर गए, मां को माला और प्रसाद चढ़ाया।

2-...तब जिन्ना कुर्सी छोड़कर चले गए थे

योगी ने कहा- वंदे मातरम् विदेशी दास्तां से मुक्त होने का मंत्र बना। ऐसे गीत को भी साम्प्रदायिक कहकर कांग्रेस ने संशोधन करना चाहा। उनकी यह तुष्टिकरण की नीति 1947 में देश के विभाजन का कारण बनी। कुछ लोगों के लिए व्यक्तिगत आस्था देश से बड़ी हो जाती है। मोहम्मद अली जौहर ने 1923 कांग्रेस के अधिवेशन में जब वंदे मातरम् गाया तो मोहम्मद अली जिन्ना अध्यक्षता की कुर्सी छोड़कर चले गए। सोमवार सुबह योगी ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगाया। शिकायत करने आए लोगों के बच्चों को चॉकलेट दी।

सोमवार सुबह योगी ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगाया। शिकायत करने आए लोगों के बच्चों को चॉकलेट दी।

पोल में हिस्सा लेकर राय दें-

योगी पर लोगों ने फूल बरसाए

सीएम ने महात्मा गांधी और रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पदयात्रा शुरू की। पूरी यात्रा में देशभक्ति नारे गूंजे।

योगी पर लोगों ने पुष्पवर्षा की। गोलघर काली मंदिर तक 2 किमी योगी पैदल आए। यहां सरदार पटेल की प्रतिमा पर माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी।

धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा पर राजभर बोले- ड्रामा कर रहे नेता बनना चाहते हैं; बागेश्वर बाबा के गले लगकर रोया भक्त

मथुरा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा का सोमवार को चौथा दिन है। दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा हरियाणा से होते हुए धीरे-धीरे वृंदावन की ओर बढ़ रही है। यात्रा के साथ करीब 30 हजार लोग चल रहे हैं। दो किलोमीटर तक भीड़ ही भीड़ नजर आ रही है। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं, जिनके हाथों में भगवा ध्वज है।

दिल्ली से कुछ लोग ट्रकों से यात्रा में शामिल होने पहुंचे हैं। वे ढोल-नगाड़े बजाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। फरीदाबाद में राजस्थान के मेवाड़ राजघराने के लक्ष्यराज सिंह आज यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान एक भक्त धीरेंद्र शास्त्री के गले से लिपटकर खूब रोया।

इस पर धीरेंद्र ने उसे समझाया।

इसके अलावा, बदायूं के रहने वाले तेजपाल और उनके भाई अपनी मां को पालकी में बैठाकर यात्रा के साथ चल रहे हैं। फरीदाबाद में ही एक डॉक्टर के घर से विस्फोटक मिलने पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'अगर इसका मकसद यात्रा को नुकसान पहुंचाना था, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन हमें इस देश की आर्मी और कानून पर पूरा भरोसा है।'

पदयात्रा पर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने तंज कसा। कहा-ये साधु-महात्मा सिर्फ नेता बनने के लिए इतना ड्रामा करते हैं। ये साधु-महात्मा फेमस होना चाहते हैं। चर्चा में आने के बाद कोई न कोई पॉलिटिकल पार्टी जॉइन कर लेंगे। इसके बाद स्वामी चिन्मयानंद और साक्षी महाराज की तरह सांसद बन जाएंगे।

कल अनिरुद्धाचार्य शामिल हुए थे

पदयात्रा का समापन 16 नवंबर को वृंदावन में होगा। सोमवार को यात्रा में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य शामिल हुए थे। वे धीरेंद्र शास्त्री के साथ भजन में झूमते नजर आए और भगवा ध्वज लहराया। दोनों ने सड़क पर बैठकर पूड़ी और आलू की सब्जी खाई।

यात्रा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था-हिंदुओं, भारतीय सेना को पैसा दान करो ताकि ज्यादा गोला-बारूद आ सके और पाकिस्तान को उड़ाया जा सके।बच्ची, तू काली बन, लेकिन बुर्का वाली मत बन।"

बीजेपी विधायक बोले- यूपी के 99% अफसर जेल में होंगे

केशव मौर्य पर निशाना, डिप्टी सीएम ने कहा था- रिश्वतखोर जेल जाएंगे

हरदोई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के रिश्वतखोरों को जेल भेजने वाले बयान पर उनकी पार्टी के विधायक ने तंज कसा है। हरदोई के भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने कहा- ऐसे तो 99 प्रतिशत अधिकारी जेल चले जाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कटाक्ष किया है।

दरअसल, डिप्टी सीएम ने लखनऊ में चौपाल में कहा था कि कोई रिश्वत मांगता है तो इसकी शिकायत करें, ऐसे अफसरों को जेल भेज दिया जाएगा। बता दें कि

विधायक श्याम प्रकाश अपने बयानों की वजह से हमेशा चर्चा में रहते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने योगी को दिल्ली भेजने और केशव को सीएम बनाने की मांग कर डाली थी। उन्होंने लिखा था- बाबा योगी दिल्ली चले जाएं और केशव प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश संभाल लें। गोपामऊ सुरक्षित सीट से भाजपा विधायक श्याम प्रकाश पहले भी कई बार अपनी ही पार्टी और सरकार को कटघरे में खड़ा कर चुके हैं। 2020 में भी भ्रष्टाचार को इसी तरह का कमेंट किया था, जिस पर उन्हें नोटिस जारी हुआ था।

इसके जवाब में विधायक ने कहा था कि वो सो रहे थे मोबाइल तकिया के नीचे थे। उनके 10 वर्षीय पोते ने लिख दिया होगा।

अब जानिए डिप्टी सीएम केशव ने क्या कहा था?

भाजपा, वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। शनिवार को लखनऊ के बख्शी तालाब ब्लॉक के उसरना गांव में इस अवसर पर चौपाल लगाया गया था। डिप्टी सीएम केशव मौर्य चौपाल में पहुंचे थे।

चौपाल में लोगों से बातचीत के दौरान उन्होंने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। डिप्टी सीएम ने कहा- यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत मांगता है तो लोग सीधे उन्हें बताएं। उन्होंने आश्वासन दिया था कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को जेल भेजा जाएगा।

अगले दिन के अखबार में केशव के बयान की क्लिपिंग सोशल मीडिया पर समर्थकों और स्वयं डिप्टी सीएम ने पोस्ट भी की थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल होने के बाद विधायक श्याम प्रकाश ने तंज कसते हुए कमेंट किया।

हापुड़ में गो-तस्कर हसीन एनकाउंटर में मारा गया

50 हजार का इनाम था; यूपी में 38 दिन में 11 बदमाश ढेर

हापुड़, 10 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के हापुड़ में पुलिस ने गो-तस्कर हसीन को एनकाउंटर में मार गिराया। हसीन पर 50 हजार का इनाम था। रविवार देर रात डॉयल 112 पर पुलिस को सूचना मिली कि गो-तस्कर पशुओं को गाड़ी में भरकर ले जाने की फिराक में हैं।

कॉल आते ही पुलिस एक्टिव हो गई। पुलिस ने कपूरपुर के सपनावत गांव में कार सवार तस्कर की घेराबंदी कर ली। पुलिस को देखते ही हसीन ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। दोनों तरफ से 8 राउंड फायरिंग हुई।

एनकाउंटर के दौरान एक गोली हसीन के सिर में लग गई। वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। कोतवाली प्रभारी विनोद पांडेय ने बताया कि उसे पहले धौलाना सीएचसी ले जाया गया। वहां से हायर सेंटर रेफर किया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

29 साल का हसीन पुत्र इकरार संभल के असमोली थाने के मैनोटा गांव का रहने वाला था। संभल और आसपास के जिलों में उस पर 24 से ज्यादा मुकदमे थे। हसीन के पास से स्विफ्ट डिजायर कार, अवैध तमंचा, कारतूस बरामद किया गया। प्रदेश में 38 दिनों में 11 बदमाश एनकाउंटर में ढेर हो चुके हैं।

साइबर अपराधियों ने तीन लोगों से 18 लाख रुपए ठगे

100 स्टेशनों पर अब क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा

पटना , 10 नवंबर (एजेंसियां)। अब रेलयात्री किराया का भुगतान ऑनलाइन कर सकते हैं। इसके लिए पटना जंक्शन, दानापुर स्टेशन, पाटलिपुत्र जंक्शन, राजेंद्रनगर टर्मिनल सहित दानापुर रेलमंडल के करीब 100 स्टेशनों पर क्यूआर कोड या स्कैनर लगाया गया है। पहले खुदरा पैसा नहीं होने पर यात्रियों को जल्दबाजी में अधिक देना पड़ता था। अब ऑनलाइन भुगतान में जितने का टिकट है, उतना ही देना पड़ेगा।

मंडल के छोटे-बड़े सभी 100 स्टेशनों के 228 से अधिक अनारक्षित काउंटरों और सभी आरक्षित काउंटरों पर इसका डिवाइस चालू कर दिया गया है। इस सुविधा से किराया के लेन-देन में पारदर्शिता आएगी।

पटना।संदलपुर के रहने वाले अरुण कुमार ने फेसबुक पर एक लिंक आया था। उस पर क्लिक करने के बाद लाइफ सर्टिफिकेट के संबंध में जानकारी दी गई थी। जैसे ही उन्होंने पीपीएफ नंबर डाला, उनके खाते से 9.65 लाख रुपए की निकासी हो गई। उन्होंने साइबर थाने में केस दर्ज कराया है।

उधर, दानापुर के रहने वाले ऋषभ कुमार से बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर 4.70 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। साइबर फ्रॉड ने उनसे कहा कि बिजली बिल अपडेट करने के लिए रिचार्ज करना होगा।

इसके बाद उन्होंने जैसे ही 13 रुपए का रिचार्ज किया, उनके खाते से निकासी हो गई। पटना मेट्रो में काम करने वाले यशवर सिंह के खाते से भी 4.10 लाख रुपए की निकासी कर ली। इस संबंध में उन्होंने साइबर थाने में केस दर्ज करा दिया। उन्होंने बताया कि न तो कॉल, मैसेज या ओटीपी आया, पर कई बार में रकम निकल गई।

बीएचयू में रेजिडेंट डॉक्टरों की पिटाई :100 से अधिक स्टूडेंट पहुंचे चीफ प्रॉक्टर ऑफिस, 24 घंटे का दिया अल्टीमेटम

वाराणसी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। आईएमएस बीएचयू के डेटात फैकल्टी के रेजिडेंट (जूनियर डॉक्टर) की रविवार की देर रात कुछ युवकों ने पिटाई कर दी। इसकी जानकारी होते ही अन्य रेजिडेंट रूइया हॉस्टल के पास पहुंचे। आरोप लगाया कि मुंह बांधकर बाइक पर आए छह युवकों ने पिटाई की। नाराज करीब 100 रेजिडेंट चीफ प्रॉक्टर ऑफिस पहुंच गए। आरोपियों को चिह्नित कर कार्रवाई की मांग की।

लाठी-डंडे से मारने का लगाया आरोप

आईएमएस बीएचयू के रेजिडेंट एलडी गेस्ट हाउस चौराहे के पास रुइया मेडिकल ब्लॉक में रहते हैं। चीफ प्रॉक्टर को लिखे पत्र में डॉ. ए. कारेकर ने बताया है कि रात करीब 10.45 बजे कुछ रेजिडेंट हॉस्टल के पास खड़े थे। इसी दौरान बिरला चौराहे के पास बाइक पर सवार होकर छह युवक लाठी-डंडा लेकर आए। पहले तो उन्होंने नाम और संस्थान पूछा।

चीफ प्रॉक्टर ऑफिस का किया घेराव

जैसे ही पता चला कि आईएमएस से हम लोग हैं, तो युवकों ने पिटाई कर दी। इसके बाद सूचना मिलने के बाद करीब 100 से अधिक रेजिडेंट रात 12.15 बजे चीफ प्रॉक्टर ऑफिस पहुंचे, जहां सुरक्षा कर्मियों की ओर से अंदर गेट बंद कर लिया गया था।

सुरक्षा कर्मियों से गेट खोलने के लिए कहने पर कहा गया कि सुरक्षा अधिकारी आ रहे हैं। करीब 10 मिनट बाद गेट खुला। इसके बाद रेजिडेंट अंदर गए और कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। रेजिडेंट्स ने बताया कि अगर उनकी मांगें नहीं पूरी हुईं तो ठोस निर्णय लेने को बाध्य होंगे।

इस बारे में लंका थाना इंचार्ज राजकुमार शर्मा ने बताया कि रेजिडेंट की पिटाई की सूचना मिली है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कुलपति को दिया था 8 सूत्रीय मांगपत्र

आईएमएस बीएचयू के रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी के बैनर तले रेजिडेंट ने कुलपति को 8 मांगों के समर्थन में पत्र लिखकर दो दिन पहले ही ड्यूटी के दौरान सुरक्षा की चिंता जताई थी। इसमें कहा कि आए दिन मारपीट, दुर्व्यवहार की घटनाएं हो रही हैं।

चुनाव कराने सीतामढ़ी गए 10 पुलिस के जवान हो गए लापता

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले में चुनाव कराने पटना पुलिस के 10 जवान गए थे। इन लोगों ने सीतामढ़ी में योगदान दिया। उसके बाद किसी भी पुलिस अधिकारी को कुछ कहे बिना अचानक लापता हो गए। इसकी सूचना सीतामढ़ी पुलिस ने पुलिस मुख्यालय और पटना के एसएसपी को दी तो इन सबों की खोजबीन होने लगी।

किसी तरह से इन सबों से संपर्क किया गया। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि इन सबों का वेतन तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। इन्हें शोकॉज किया गया है।

इनका जवाब अगर संतोषजनक नहीं रहा तो विभागीय कार्रवाई भी होगी। बाद में इन लोगों ने योगदान दे दिया। सीतामढ़ी में चुनाव दूसरे चरण में 11 नवंबर को है। बिहार पुलिस, गृह और निर्वाचन विभाग के आदेश के तहत पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति दूसरे जिलों में चुनाव ड्यूटी के लिए की गई थी। इनमें 1,153 हवलदार या सिपाहियों को सीतामढ़ी, 577 पुलिसकर्मियों को गयाजी, 49 को शिवहर, 578 को भागलपुर, 308 को जमुई, 67 को अरवल और 697 को नवादा भेजा गया था। सभी पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी पर पहुंच भी गए हैं, लेकिन सीतामढ़ी जिले में योगदान देने के बाद 10 पुलिसकर्मी गायब हो गए।

ये हुए थे लापता

इनमें सिपाही रविकांत नीरज, संजय कुमार, अमित कुमार, महिला सिपाही नेहा कुमारी, नीलम कुमारी, सपना कुमारी, स्मिता कुमारी, रुबी कुमारी और चित्रा चंद्रवंशी शामिल हैं। इन सबों का वेतन तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

ठंड आने के बाद भी डेंगू का प्रकोप जारी, विशेषज्ञों ने कहा-एडिस एल्बोपिक्टस मच्छर को नम मौसम पसंद

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पहले ठंड का मौसम आते ही डेंगू का प्रकोप लगभग समाप्त हो जाता था, लेकिन इस साल नवंबर में भी मरीज मिल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 से 9 नवंबर तक 138 मरीज मिले हैं। सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने कहा कि ठंड आने के बाद भी डेंगू का प्रकोप बने रहना थोड़ी चिंता की बात है। प्रभावित गली-मोहल्लों में लगातार फॉगिंग कराई जा रही है। लोगों को भी सजग रहने की जरूरत है। घर के आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, टायर, फूलदान रोज खाली करें। मच्छरदानी या रिप्लेंट का उपयोग करें।

बुखार आने पर अस्पताल जाकर जांच कराएं। चिकित्सक की सलाह के बिना दवा न लें।

मच्छर से बचें, पानी जमा न होने दें

डॉ. दिवाकर तेजस्वी ने कहा कि मौसम में उतार-चढ़ाव, शहरी गर्मी और घर के भीतर के छोटे-छोटे ठंडे-गरम माइक्रो-क्लाइमेट मच्छरों को पनपने का मौका देते हैं। यही वजह है कि ठंड आने के बाद भी डेंगू का प्रकोप कम नहीं हो रहा है। इसके अलावा मच्छर घर के अंदर बर्तन, कूलर, अंधेरी और नम जगहों में बचे रह जाते हैं। ऐसे में ठंड में भी इनका प्रकोप बना रह सकता है।

उधर, विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि प्रकोप कम नहीं होने का कारण मच्छर की एडिस एल्बोपिक्टस जैसी प्रजातियां हो सकती हैं।

एडिस एजिप्टी मच्छर गरम और नम मौसम पसंद करता है, लेकिन एडिस एल्बोपिक्टस जैसी प्रजातियां ठंडे मौसम में भी जीवित रहती हैं और सीमित तापमान पर सक्रिय रहती हैं। डॉ. जितेंद्र कुमार तिवारी ने कहा-अब भी डेंगू के प्रकोप के कई कारण हो सकते हैं। जैसे-कूलर, फूल के गमले, छतों पर जमा पानी। इसके अलावा एडिस एल्बोपिक्टस मच्छर ठंडे मौसम में भी बचे रहते हैं।

मथुरा के होटल में लाठी से पर्यटकों को पीटा

एक का सिर फटा...गिड़गिड़ाने पर छोड़ा; मुंबई से आया था परिवार

मथुरा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मथुरा में होटल संचालक ने मुंबई से आए परिवार के साथ मारपीट की। इस दौरान लाठी से मारकर युवक का सिर फोड़ दिया। आरोप है कि होटल संचालक और उसके स्टाफ ने पीटने के बाद उनके आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज भी फाड़ दिए। काफी मिन्नतों के बाद परिवार को छोड़ा। इसके बाद पीड़ित परिवार ने कोतवाली में FIR दर्ज कराई।

घटना रविवार दोपहर केशवधाम इलाके के गोविंद राधेश्याम होटल की है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस जांच में सामने आया कि परिवार मथुरा-वृंदावन घूमने आया था। विवाद होटल के किराए को लेकर हुआ। परिवार का कहना है कि होटल संचालक 1700 रुपए ज्यादा मांग रहा था। फिलहाल, पुलिस ने होटल संचालक अमन और एक कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है।

मुंबई के रहने वाले दीपक बाघेला ने बताया, "मैं 9 नवंबर को परिवार के साथ मथुरा-वृंदावन घूमने आया था। केशवधाम इलाके के गोविंद राधेश्याम होटल में दो कमरे बुक किए थे। 7800 रुपए किराया तय हुआ था, जो मैंने पेमेंट कर दिया। कुछ देर बाद होटल संचालक अमन 9500 रुपए मांगने लगा।

मैंने कहा कि किराया तो 7800 रुपए तय हुआ था। मैं ज्यादा पैसे नहीं दूंगा, तो उसने कहा कि पैसे वापस नहीं करेगा। मैंने विरोध किया, तो वह मुझसे बहस करने लगा। शोर सुनकर होटल स्टाफ भी आ गया। सभी लोगों ने मुझे और मेरे परिवार के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू कर दी।"

पटना में छत गिरी, परिवार के 5 लोगों की मौत

पति-पत्नी, 3 बच्चों की मलबे में दबने से जान गई; इंदिरा आवास योजना से बना था घर

दानापुर, पटना , 10 नवंबर (एजेंसियां)। पटना से सटे दानापुर में मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। घटना रविवार देर रात की मानस नया पानापुर गांव की है। यह गांव सारण और पटना की सीमा से सटे दियारा क्षेत्र में है।

मकान की छत गिरने से मोहम्मद बबलू (35), उनकी पत्नी रोशन खातून(30), उनकी बेटी रुसार(12), बेटा मो. चांद(10) और बेटी चांदनी(2) की मौत हो गई है।

घर पर पूरा मलबा बिखरा पड़ा है। ईंट, टूटी दीवारों के नीचे बच्चे का स्कूल बैग और कुछ कपड़े, पंखा दबा दिख रहा है।

कुछ ईंटों पर खून भी लगा है। पास ही कड़ाही, गैस चूल्हा और किचन के दूसरे बर्तन दबे पड़े हैं।

हादसे पर सीएम नीतीश कुमार ने शोक जताया है। पोस्टमॉर्टम के बाद सभी के शव को एंबुलेंस से दियारा के मानस गांव भेजा गया है।

जोरदार आवाज सुन बाहर निकले गांव के लोग

आसपास के लोगों ने बताया कि छत गिरने के बाद जोरदार आवाज हुई। लोग घरों से निकले तो देखा कि छत धराशायी हो चुकी थी। बताया जाता है कि पूरा परिवार रात का खाना खाकर सो रहा था, तभी ये हादसा हुआ है।

काफी मशक्कत के बाद मलबा हटाने पर पांच लोगों के शव मिले हैं। बबलू खान का मकान आवास योजना के तहत मिला था। मकान की दीवारों और छत में दरारें आ गई थीं, जिससे यह हादसा हुआ।

ग्रामीणों के अनुसार मोहम्मद बबलू ने इंदिरा आवास योजना के तहत घर बनवाया था, जो पुराना होने के कारण जर्जर हो गया था। इससे रविवार की रात अचानक मकान की छत ढह गई और छत के नीचे सो रहे परिवार के 5 लोगों की मलबे में दबने से मौत हो गई। मोहम्मद बबलू के भाई बाहर थे। जिससे उनकी जान बच गई।

मोहम्मद बबलू , उनकी पत्नी रोशन खातून, बेटी रुसार(12), बेटा मो. चांद(10) की फाइल फोटो। इनके साथ 2 साल की बेटी चांदनी की भी मौत हुई है। मोहम्मद बबलू , उनकी पत्नी रोशन खातून, बेटी रुसार(12), बेटा मो. चांद(10) की फाइल फोटो। इनके साथ 2 साल की बेटी चांदनी की भी मौत हुई है।

30 साल पुराना था मकान

मृतक की भाभी सहाना खातून ने ने बताया, 'हमलोगों को फोन पर सूचना मिली थी। घर की छत पुरानी हो चुकी थी, अचानक से गिर गई। गांव के लोगों ने दरवाजा तोड़कर लाशें निकाली गईं। हम यहां नहीं रहते हैं।'

पड़ोसी राम मंगिया राय ने कहा, रात में छत गिर गई। शोर होने पर लोग जुटे, जिसके बाद लाशें निकाली गईं। हमलोग पूरी रात जगे रहे। रात करीब साढ़े 9 बजे खाना खाकर सभी सोने जा रहे थे, तभी हादसा हुआ। बब्लू पांच भाई है। भाई बाहर रहते हैं। इनकी मां भी बाहर रहती है। वे लोग आ रहे हैं।'

आरोपियों को छुड़ाने के लिए पुलिस पर पथराव, दरोगा सहित आठ घायल

वाराणसी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर में ग्राम प्रधान से दुर्व्यवहार के आरोपियों की गिरफ्तारी से नाराज ग्रामीणों ने रविवार की रात साढ़े आठ बजे पुलिस पर पथराव कर दिया। आरोप है कि ग्रामीण आरोपियों को छोड़ने और ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। जाम लगाकर प्रदर्शन कर रहे थे। पथराव में रामगनर, लंका और जैतपुरा थानाध्यक्ष की गाड़ियां टूट गईं। दरोगा पंकज पांडेय, जैतपुरा थानाध्यक्ष के चालक हेड कांस्टेबल जगदीश कुमार, कांस्टेबल गौरव मिश्रा सहित 8 लोग घायल हो गए।

घायलों में राहगीर रमेश और अंकित शामिल हैं। रात 1:30 बजे 37 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें 10 महिलाएं हैं। सूचना के बाद दस थानों की पुलिस बुलाई गई। साथ ही अराजक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ीं। पुलिस के मुताबिक, 10 टीमों ने आरोपियों को देर रात गिरफ्तार किया है। इससे पहले सूचना पर डीसीपी काशी जोन गौरव वंशवाल भी मौके पर पहुंचे। रामनगर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में पेयजल आपूर्ति की सप्लाई शुरू कराने के लिए प्रधान रितु देवी और प्रधान प्रतिनिधि मान सिंह का गांव के विशेष और रोहित मौर्य से विवाद हो गया। आरोप है कि विशेष और रोहित की पिटाई कर दी गई। इसके बाद रोहित और विशेष ने ग्रामीणों को बुला लिया और दोनों पक्षों में विवाद हो गया। प्रधान की तहरीर के आधार पर रामनगर थाने की पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसका विशेष और रोहित पक्ष के लोगों ने विरोध किया और पुलिस पर मनमानी का आरोप लगाया।

साथ ही दुर्गामंदिर-पंचवटी मार्ग पर रविवार की सुबह 11 बजे धरने पर बैठ गए। इससे वाहनों का आना-जाना ठप हो गया। वाहनों की लंबी लाइन लग गई। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण मौके पर प्रधान को बुलाने, उनके माफी मंगवाने और आरोपियों को छोड़ने की मांग करने लगे। रात आठ बजे एसीपी कोतवाली अतुल अंजान त्रिपाठी पहुंचे और रास्ता खाली कराने के लिए ग्रामीणों को समझाना शुरू किया। मुकदमा दर्ज कराने का भी आश्वासन दिया। अचानक पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू हो गया। पथराव से घायल पुलिसकर्मियों व लोगों को राजकीय अस्पताल रामनगर में भर्ती कराया गया। प्रधान रितु देवी से दुर्व्यवहार के चार आरोपियों को छोड़ने की मांग की जा रही थी। रविवार की रात ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। इसमें पुलिसकर्मियों को चोट आई है। 37 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जोन के 10 थानों की फोर्स लगाई गई है। जाम भी खुल गया है।

सुल्तानपुर गांव में शनिवार की शाम से पेयजलापूर्ति बाधित है। सुबह गांव के विशेष मौर्य ग्राम प्रधान रितु देवी के घर गया। प्रधान प्रतिनिधि मान सिंह से पेयजलापूर्ति शुरू कराने की मांग की। प्रधानपति ने विशेष को बताया कि कुछ जगहों पर लीकेज है, जलापूर्ति शुरू होते ही लोगों के घरों में दूषित पानी जाएगा।

एमपी में शीतलहर...भोपाल, इंदौर-उज्जैन ठिठुरे

राजगढ़ सबसे ठंडा, पारा 8 डिग्री से नीचे

20 जिलों में आज कोल्ड वेव चलेगी

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पहाड़ों में बर्फबारी से मध्यप्रदेश ठिठुर गया है। नवंबर में ही पारा रिकॉर्ड लुढ़क गया है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत 20 जिलों में शीतलहर का अलर्ट है। रविवार रात को 10 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। राजगढ़ प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वहीं, इंदौर और भोपाल में बीती तीन रातों से यह 9 डिग्री के नीचे चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल में तापमान 8.8 डिग्री और इंदौर में 7.9 डिग्री रहा। ग्वालियर में 10.5 डिग्री, उज्जैन में 11 डिग्री और जबलपुर में पारा 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी हो रही है। इससे उत्तरी हवाएं सीधे एमपी में आ रही है। इस वजह से उत्तरी हिस्से के जिलों में शीतलहर असर है। पिछले 2 दिन में भोपाल, राजगढ़, सीहोर, इंदौर और शाजापुर में तीव्र शीतलहर का प्रभाव रहा, जबकि रीवा, शहडोल और जबलपुर में भी शीतलहर चली। सोमवार को भोपाल, इंदौर, आगर-मालवा, राजगढ़, सीहोर, देवास, उज्जैन, शाजापुर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, मऊगंज, सतना, पन्ना, मैहर, कटनी, जबलपुर, उमरिया और शहडोल में शीतलहर का अलर्ट है।

शनिवार-रविवार की रात में कई शहरों में रिकॉर्ड ठंड रही। पारा 10 डिग्री के नीचे आ गया। भोपाल में नवंबर का पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां न्यूनतम तापमान 8 डिग्री रहा, जो साल 2015 के बाद सबसे कम है।

इंदौर में पारा 7 डिग्री रहा। यहां पिछले 25 साल में नवंबर में इतनी सर्दी कभी नहीं पड़ी। यहां नवंबर की ठंड का ओवरऑल रिकॉर्ड 1938 का है। जब पारा 5.6 डिग्री पर पहुंचा था। इंदौर के साथ राजगढ़ में भी पारा 7 डिग्री दर्ज किया गया।

लगातार चौथी रात राजगढ़ में पारा सबसे कम रहा। ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में भी तापमान लुढ़का है। उज्जैन में 10.5 डिग्री, ग्वालियर में 10.7 डिग्री और जबलपुर में तापमान 9.8 डिग्री रहा।

एक्टर धर्मेंद्र वेंटिलेटर पर, हालत नाजुक

डॉक्टर बोले– अगले 72 घंटे क्रिटिकल; सनी देओल की टीम बोली– घबराने की कोई बात नहीं

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार उन्हें सांस लेने में तकलीफ के चलते वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। डॉक्टरों के मुताबिक धर्मेंद्र के लिए अगले 72 घंटे बेहद मुश्किल हैं।

हालांकि उनकी स्थिति को लेकर सनी देओल की टीम की तरफ से बयान जारी किया गया है। बयान में कहा गया- 'हमेशा की तरह यह सिर्फ अफवाह हैं। सर बेहतर हो रहे हैं। वे ऑब्जर्वेशन में हैं। घबराने की कोई बात नहीं है।'

धर्मेंद्र के परिवार के सदस्य अस्पताल में मौजूद हैं, वहीं उनकी बेटियों को यूएसए से बुलाए जाने की खबर है। हेमा मालिनी धर्मेंद्र से मिलने अस्पताल पहुंची हैं। हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म 'इक्कीस' का ट्रेलर भी रिलीज हुआ था, जिसमें उन्होंने दमदार अभिनय किया है।

भारतीय सिनेमा के इतिहास में धर्मेंद्र को सबसे हैंडसम एक्टर माना जाता है। एक बार धर्मेंद्र को देखकर देव आनंद ने कहा था कि ऐसी शक्ल मेरी क्यों नहीं है? उनकी सेहत और चेहरे की चमक देखकर एक बार दिलीप कुमार ने भी कहा था कि वे अगले जन्म में धर्मेंद्र जैसी शख्सियत पाना चाहते हैं। धर्मेंद्र उम्र के इस पड़ाव पर भी खुद को फिट रखे हुए हैं। उनका मानना है कि उम्र महज एक आंकड़ा होता है। वे श्रीदेवी और माधुरी दीक्षित के साथ रोमांटिक फिल्म करना चाहते थे।

8 दिसम्बर 1935 को पंजाब में लुधियाना जिले के साहनेवाल गांव में जन्मे धर्मेंद्र की कहानी उनके साथ काम कर चुके प्रोड्यूसर- डायरेक्टर के सी बोकाडिया और अशोक त्यागी की जुबानी...

धर्मेंद्र इस बात का खुलासा कई बार कर चुके हैं कि फिल्मों में आने की प्रेरणा उन्हें दिलीप कुमार की फिल्में देख कर मिली। धर्मेंद्र जब दसवीं कक्षा में थे तब पहली बार दिलीप कुमार की फिल्म 'शहीद' देखी थी। इसके बाद उन्हें दिलीप कुमार की एक्टिंग स्किल्स से प्यार हो गया था।

धर्मेंद्र दिलीप कुमार को हमेशा से अपना खुदा, भाई और आदर्श मानते रहे हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर दिलीप कुमार के बारे में प्यार भरे संदेश शेयर करते रहते हैं। धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा था- मैं नौकरी करता था और साइकिल पर आता जाता था। जहां भी फिल्मों के पोस्टर्स लगे होते उसमें अपनी झलक देखता था। रातों-रात जागता और अनहोने ख्वाब देखता। सुबह उठकर आईने से ये सवाल किया करता था कि मैं दिलीप कुमार बन सकता हूं क्या?

1997 में 42वें फिल्मफेयर अवॉर्ड शो में धर्मेंद्र को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया था। यह अवॉर्ड दिलीप कुमार ने खुद धर्मेंद्र को दिया था। दिलीप कुमार भी धर्मेंद्र की पर्सनैलिटी के कायल थे। उन्होंने अवॉर्ड शो के दौरान कहा था- जब मैंने पहली बार धरम को देखा था तो देखते ही मेरे दिल में उमंग पैदा हुई, अल्लाह मुझे ऐसा ही बनाया होता तो क्या जाता?

पहली बार जब देव आनंद ने धर्मेंद्र को देखा था, तो वे बोले थे कि हे भगवान तुमने ये शक्ल मुझे क्यों नहीं दी। इस बात का खुलासा डायरेक्टर अशोक त्यागी ने दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान किया। त्यागी ने कहा- जब मैं 'रिटर्न ऑफ ज्वेलथीफ' बना रहा था तो धरम जी को इस फिल्म में भी कास्ट किया। हालांकि फिल्म का शीर्षक देव आनंद जी की फिल्म 'ज्वेलथीफ' से लिया था इसलिए मैंने इसमें देव साहब को मेन रोल में कास्ट किया था।

धरम जी को पता था कि देव साहब का कैरेक्टर उनसे स्ट्रॉन्ग है फिर भी उन्होंने फिल्म की थी। इस फिल्म को बनाने में धरम जी ने बहुत सपोर्ट किया। इस फिल्म के लिए जब देव साहब से संपर्क किया था, तब देव साहब ने धरम जी से पहली मुलाकात का किस्सा शेयर किया था।

अशोक त्यागी ने कहा- जब धरम जी मुंबई फिल्म फेयर कॉन्टेस्ट में भाग लेने आए थे, उस समय कॉन्टेस्ट में जितने लोग भाग लेने आए थे सबको शूटिंग दिखाने के लिए ले जाया गया। उस समय देव साहब की फिल्म की शूटिंग चल रही थी। देव साहब ने बताया था कि धर्मेंद्र को दूर भीड़ में खड़े देखकर बोले थे कि हे भगवान तुमने मुझे ये शक्ल क्यों नहीं दी। इतना ही नहीं, देव साहब दूर खड़े धर्मेंद्र की पर्सनालिटी से इस कदर प्रभावित हुए कि उनको बुलाकर अपना लंच भी शेयर किया था।

पीएम-सीएम और मंत्रियों को पद से हटाने वाले संशोधन बिल पर जल्द बनेगी जेपीसी : बिडला

कोहिमा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कोहिमा में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर गठित होने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में सभी राजनीतिक दलों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की जा रही है। बता दें, यह विधेयक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर अपराध के मामले में 30 दिनों तक हिरासत में रहने पर पद से हटाने का प्रावधान करता है। उन्होंने आगे कहा कि संसदीय समितियों को राजनीति की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि इन समितियों में ऐसे विषयों पर चर्चा होती है जो राजनीतिक सीमाओं से परे हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रयास कर रहे हैं कि सभी राजनीतिक दलों का इसमें प्रतिनिधित्व हो। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समिति का गठन शीघ्र किया जाएगा ताकि विधेयक

पर व्यापक चर्चा हो सके।

कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस जैसे कई विपक्षी दलों ने इस जेपीसी का हिस्सा बनने से इनकार किया है। वहीं, एनसीपी-एसपी ने अन्य विपक्षी दलों से अलग रुख अपनाते हुए समिति में शामिल होने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) भी इसमें शामिल होने की तैयारी में है। यह समिति कुल 31 सदस्यों वाली होगी।

यह संविधान संशोधन विधेयक और दो अन्य प्रस्तावित विधेयक संसद के मानसून सत्र के अंतिम दिन, 20 अगस्त को पेश किए गए थे। इसके बाद लोकसभा ने प्रस्ताव पारित कर इन विधेयकों को संयुक्त समिति के पास भेजने का निर्णय लिया।

विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह विधेयक कानून के उस बुनियादी सिद्धांत का उल्लंघन करता है जिसके तहत व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक उसका अपराध साबित न हो। उनका तर्क है कि किसी भी जनप्रतिनिधि को केवल गिरफ्तारी या जमानत न मिलने के आधार पर स्वचालित रूप से पद से हटाना लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है।

इस मामले में सरकार का तर्क है कि यह कानून आवश्यक है क्योंकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गिरफ्तारी के बाद भी अपने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। ऐसे मामलों में जवाबदेही तय करने के लिए कानून में स्पष्ट प्रावधान जरूरी है। बिरला ने कहा कि समितियां मिनी संसद की तरह होती हैं जहां विभिन्न दलों के सदस्य निष्पक्ष रूप से विषयों पर चर्चा करते हैं। वे कोहिमा में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के भारत क्षेत्र ज़ोन-III के 22वें वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता करने पहुंचे थे। वहीं, आगे उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही में योजनाबद्ध व्यवधान लोकतंत्र की अच्छी परंपरा नहीं मानी जा सकती। उन्होंने कहा कि संसद जनता के मुद्दे उठाने और सार्थक बहस के लिए सर्वोत्तम मंच है, इसलिए राजनीतिक दलों को इसका रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। बिरला ने कहा कि सभी दलों से चर्चा कर सत्र को सुचारू रूप से चलाने का प्रयास किया जाएगा।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को लगा बड़ा झटका!

आप के वरिष्ठ नेता शोएब इकबाल ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता शोएब इकबाल ने रविवार को आप पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। शोएब पुरानी दिल्ली और मटिया महल विधानसभा से 6 बार विधायक रह चुके हैं। इकबाल ने कहा कि आप जनता से किए गए वादे पूरे नहीं कर पा रही है। जानकारी के अनुसार, MCD चुनावों में चांदनी महल वार्ड की सीट पर AAP ने शोएब और उनके बेटे आले इकबाल की सहमति के बिना किसी अन्य उम्मीदवार का ऐलान कर दिया, जिससे वे बेहद नाराज हो गए। बता दें कि दिल्ली एमसीडी उपचुनाव 30 नवंबर को होने वाले हैं।

सोशल मीडया में एक वीडियो के माध्यम से शोएब इकबाल ने कहा कि मैं आम आदमी पार्टी की विचारधारा और नीतियों से काफी परेशान आ चुका हूं। इसलिए मैं

आप पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं। आम आदमी पार्टी जनता से किए वादे पूरे नहीं कर पा रही है। इकबाल ने 2020-25 के कार्यकाल के लिए मटिया विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। 2020 के चुनावों से पहले आप में शामिल होने से पहले उन्होंने 1993 से जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी, जनता दल(सेक्युलर) और कांग्रेस समेत कई दलों में रहते हुए इस सीट पर कब्जा किया था।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव 30 नवंबर को होने वाले हैं। रविवार को आम आदमी पार्टी ने उपचुनावों की घोषणा कर दी थी। आप के लिए यह उपचुनाव बेहद राजनीतिक महत्व रखता है। क्योंकि यह पार्टी के लिए इस वर्ष की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव में मिला हार के बाद एक बड़ी परीक्षा है। आप के राम स्वरूप कनौजिया दक्षिण पुरी से, अनुज शर्मा संगम विहार ए से और इशना गुप्ता ग्रेटर कैलाश से चुनाव लडेंगे। गीता रावत को विनोद नगर से आप उम्मीदवार बनाया गया है जबकि बबीता अहलावत शालीमार बाग बी से चुनाव लड़ेंगी। बता दें कि भारतीय जनता पार्टा और कांग्रेस ने भी अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

वोट चोरी पर पूरे हरियाणा में प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस नेताओं की बैठक में फैसला, कल करनाल से शुरुआत

हिसार, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में कांग्रेस संविधान बचाने और वोट चोरी के मुद्दे पर हर जिले में एक-एक बड़ा प्रदर्शन करेगी। इसकी शुरुआत करनाल से होगी। इसके बाद अलग-अलग जिलों में यह कार्यक्रम होंगे। दिल्ली के इंदिरा भवन में हरियाणा कांग्रेस के नेताओं की बैठक में यह फैसला लिया गया है।

बैठक में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी बीके हरि प्रसाद, सह प्रभारी जितेंद्र बघेल, प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद कुमारी सैलजा, सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित कई नेता मंच पर बैठे नजर आए।

बैठक के बाद पूर्व कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ₹हरियाणा में जिस व्यापक स्तर पर चुनाव आयोग ने भाजपा से मिलीभगत करके मतदाता सूची में हेरफेर करने का काम किया है, उससे ये साबित हो गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त भाजपा के मुख्य पन्ना प्रमुख की भूमिका में हैं।

पाकिस्तान में आर्मी चीफ मुनीर प्रधानमंत्री-राष्ट्रपति से ज्यादा ताकतवर

तीनों सेनाओं के मुखिया, परमाणु हथियार की कमांड मिलेगी; कानून बनाने के लिए संसद में वोटिंग जारी

इस्लामाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आसिम मुनीर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से भी ज्यादा ताकतवर होने जा रहे हैं। उन्हें तीनों सेनाओं का चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बनाया जा रहा है। यह पद मिलते ही उन्हें परमाणु हथियारों की कमांड मिल जाएगी।

शहबाज सरकार इसके लिए संविधान में बदलाव कर रही है। इससे जुड़ा बिल आज संसद के दोनों सदनों सीनेट और नेशनल असेंबली में पेश किया गया। इस पर वोटिंग जारी है। इसे 27वां संविधान संशोधन कहा जा रहा है। इसके जरिए सरकार सुप्रीम कोर्ट और अदालत की भी ताकत घटाने जा रही है।

इस विधेयक को पाकिस्तान के इतिहास में सबसे बड़ा और विवादास्पद प्रस्ताव माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह देश की न्याय व्यवस्था और सैन्य ढांचे दोनों को बदलकर रख देगा।

27वां संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत

होगी। यानी सीनेट में 64 वोट और नेशनल असेंबली में 224 वोट।

96 सदस्यीय सीनेट में सत्ताधारी गठबंधन के पास कुल 65 वोट हैं, जो आवश्यक बहुमत से एक वोट ज्यादा है। वहीं, 326 एक्टिव मेंबर वाली नेशनल असेंबली में सरकार के पास कुल 233 सांसदों का समर्थन है। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार के पास दोनों सदनों में संशोधन पारित कराने के लिए पर्याप्त बहुमत मौजूद है। पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति के दस्तखत के लिए भेजा जाएगा।

अनुच्छेद 243, जो पहले 'राष्ट्रपति को सशस्त्र बलों का सुप्रीम कमांडर' घोषित करता था, अब व्यवहार में सेना प्रमुख को सर्वोच्च बना देगा। पाकिस्तान में कानूनी रूप से तीनों सेनाएं राष्ट्रपति के कमांड में होती हैं और राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर आर्मी चीफ, नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख की नियुक्ति करता है।

अब तक सीजेसीएससी तीनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल बनाने का काम करती थी। जबकि असल ताकत आर्मी चीफ के पास होती थी, लेकिन अब दोनों ही चीजें सीडीएफ के पास होंगी।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट में एक्सपर्ट के हवाले से बताया गया है कि इससे देश में सेना और ज्यादा ताकतवर हो जाएगी। एक्सपर्ट्स ने बताया कि संविधान में हो रहा संशोधन सेना के अधिकारों को स्थायी रूप से संविधान में दर्ज कर देगा।

यानी कि आगे कोई भी नागरिक सरकार इन बदलावों को आसानी से उलट नहीं पाएगी। यानी व्यवहार में 'राष्ट्रपति के सुप्रीम कमांडर' की भूमिका सिर्फ औपचारिक रह जाएगी।

'डायमंड गर्ल' की जिंदगी का द एंड

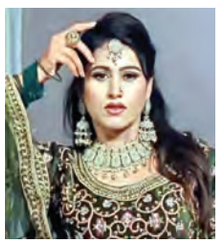

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भोपाल की मॉडल खुशबू अहिरवार की मौत हो गई है। वह उज्जैन के रहने वाले कासिम से प्यार करती थी। छोटी उम्र में उसने बड़े सपने देखे थे। गांव से निकलकर मॉडलिंग के क्षेत्र में अलग पहचान बनाई थी।

संदिग्ध परिस्थितियों में भोपाल की मॉडल खुशबू अहिरवार की मौत हो गई है। खुशबू प्राइवेट ब्रांड्स के लिए मॉडलिंग करती थी। उसी से उसका खर्चा चलता था। सोशल मीडिया पर डायमंड गर्ल के नाम से मशहूर थी। मां को हर दिन अपने बिग ड्रीम के बारे में बताती थी। इस ड्रीम को पूरा करने की राह में उज्जैन के कासिम से मुलाकात हुई और उससे दिल लगा बैठी और साथ रहने लगी। सोमवार को जब खुशबू की मौत हुई तो कई सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, खुशबू अहिरवार मध्य प्रदेश के विदिशा जिले की रहने वाली थी। बेहद साधारण परिवार से आती है। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। भोपाल आकर पार्ट टाइम जॉब करती थी और अपना खर्च चलाती थी। साथ ही मॉडलिंग भी करती थी।

बिहार चुनाव के सेकंड फेज में तेजस्वी को '17' का चक्कर!

नीतीश के पास भी निश्चिंत होने का नहीं है मौका

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव के दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर 11 नवंबर को मतदान है। भावी सरकार का भविष्य अब दूसरे चरण के मतदान पर निर्भर है। महिला वोटरों की सक्रिय भागीदारी और सात परसेंट वोट (पासवान+कुशवाहा) के सरप्लस होने के कारण पहले चरण में एनडीए को फायदा मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। 2020 के आधार पर पहले चरण में महागठबंधन को एनडीए पर सिर्फ दो सीटों की बढ़त थी। अब दूसरे चरण के होने वाले चुनाव में एनडीए के पास 67 सीटें हैं, जबकि महागठबंधन के पास 50 सीटें ही हैं। अगर 2025 की लड़ाई में महागठबंधन को बने रहना है तो उसे इन 17 सीटों के अंतर को पाट कर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर, महागठबंधन 17 सीटों की कमी की भरपाई नहीं कर सका तो एनडीए बाजी मार ले जाएगा।

सिक्के का दूसरा पहलू ये है कि अगर एनडीए को अपनी सत्ता बरकरार रखनी हो तो पहले चरण ने मोमेंटम को दूसरे चरण में भी कायम रखना होगा। मतदान के एक दिन पहले और मतदान के दिन का प्रभाव ही चुनाव में सबसे अहम माना जाता है। जरा-सी गलती के कारण महीने भर की मेहनत ऐन वक्त पर मुट्ठी से रेत की तरह फिसल जाती है। अगर, एनडीए को बेहतर प्रदर्शन करना है तो उसे अपने कमजोर पक्ष को ठीक करना होगा। एनडीए का कमजोर पक्ष है रोहतास और कैमूर की 11 सीटें साथ ही मगध क्षेत्र की 26 सीटें।

पिछले चुनाव में एनडीए को रोहतास और कैमूर में एक भी सीट नहीं मिली थी। राजद और कांग्रेस के विधायकों के एनडीए में आने के बाद स्थिति कुछ बदली है। पिछले चुनाव में मगध प्रमंडल के 5 जिलों की 26 सीटों में से एनडीए को सिर्फ 6 सीटें मिलीं थीं। 20 पर महागठबंधन ने कब्जा जमाया था। अगर 2025 में एनडीए को सत्ता सुनिश्चित करनी है तो रोहतास, कैमूर और मगध में महागठबंधन के किले को ढाहना होगा। एक दिन के घर-घर जनसम्पर्क से चुनाव में बहुत कुछ बदल जाता है। यही बात महागठबंधन पर लागू होती है।

एक दिन में वो भी अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है।

महागठबंधन को सबसे अधिक नुकसान और एनडीए को सबसे अधिक फायदा दरभंगा क्षेत्र में हुआ था। पिछले चुनाव में दरभंगा जिले की 10 विधानसभा सीटों में से 8 पर एनडीए को विजय मिली थी। महागठबंधन को सिर्फ दो सीटों पर संतोष करना पड़ा था। यहां ध्यान देने की बात है कि दरभंगा जिले में मुस्लिम वोटरों की अच्छी-खासी आबादी है। इसके बावजूद महागठबंधन के 4 मुस्लिम उम्मीदवार इस चुनाव में हार गए थे।

राजद के दिग्गज नेता में शुमार अब्दुल बारी सिद्दीकी केवटी में भाजपा के मुरारी मोहन झा से हार गए थे। इस चुनाव में राजद का मुस्लिम वोट बैंक बिखर गया था। राजद के अफजल अली खां गौराबौड़ाम सीट पर और फराज फातिमी दरभंगा ग्रामीण सीट पर हारे थे। जाले में कांग्रेस के मश्कूर रहमानी भाजपा से हार गए थे। लालू यादव के हनुमान कहे जाने वाले भोला यादव भी हायाघाट में भाजपा से मात का गए थे। इस बार अगर एनडीए ने इस क्षेत्र में अपने पुराने प्रदर्शन को दोहरा दिया तो महागठबंधन और पिछड़ जाएगा।

इसी तरह पिछले चुनाव में तिरहुत प्रमंडल के चार जिलों (मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, वैशाली) की 30 सीटों पर महागठबंधन को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। कुल 30 में उसे केवल 7 सीट पर विजय मिली थी। तिरहुत क्षेत्र एनडीए का मजबूत किला है। चिराग और उपेंद्र कुशवाहा के नहीं रहने के बाद भी एनडीए ने 23 सीटें जीती थी। मुजफ्फरपुर की 11 सीटों पर लगभग बराबर का मुकाबला था। एनडीए को 6 तो महागठबंधन को 5 सीटें मिली थी। वैशाली (8) में भी मुकाबला 4-4 से बराबर था। असल अंतर आया था पश्चिम चंपारण में। बेतिया की 9 सीटों में से 8 पर एनडीए को विजय मिली थी। एक सीट (सिकटा) भाकपा माले को मिली थी। पूर्वी चंपारण की 12 सीटों में से 9 पर एनडीए को और 3 पर राजद को जीत मिली थी।

भागलपुर में महागठबंधन के लिए विकट स्थिति

पिछले चुनाव में भागलपुर और बांका की 12 सीटों में से 10 पर एनडीए तो 2 पर महागठबंधन को जीत मिली थी। इस बार भागलपुर के कहलगांव और सुल्तानगंज में महागठबंधन के प्रत्याशी आपस में ही चुनाव लड़ रहे हैं। कहलगांव में राजद के रजनीश भारती और कांग्रेस के प्रवीण कुशवाहा की आपसी लड़ाई से जदयू उम्मीदवार शुभानंद मुकेश की स्थिति मजबूत बताई जा रही है। सुल्तानगंज में राजद के चंदन कुमार और कांग्रेस के ललन कुमार के बीच दोस्ताना लड़ाई चल रही है। इससे जदयू के ललित मंडल का रास्ता आसान हो गया है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 11 नवंबर- 2025

दुनिया देखेगी भारत की ताकत

भारतीय वायुसेना के जंगी जेट्स का जमावडा अब पूर्वोत्तर की ओर शुरू हो गया है। इससे पड़ोसियों को जहां क्लियर मैसेज देने की तैयारी चल रही है, वही पूरी दुनिया भी भारत की उभरती ताकत को देखे और महसूस करेगी। पूर्वोत्तर क्षेत्र में राफेल, तेजस जैसे जंगी जेट्स एयरबेस पर पहुंच कर पोजीशन संभाल लिए हैं। भारतीय वायुसेना 13 से 20 नवंबर तक वहां एक व्यापक सैन्य अभ्यास के लिए नोटम भी जारी कर दिया है। जहां अभ्यास होगा वह चीन, भूटान, म्यांमार और बांग्लादेश से लगी बेहद संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों के पास ही है । सुखोई-30एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, तेजस और जगुआर लड़ाकू विमान आसमान में गरजेंगे तो दुश्मन मुल्क की धडकनें तेज होना स्वाभाविक है। रविवार को असम की राजधानी गुवाहाटी में वायुसेना की 93वीं वर्षगांठ पर आयोजित एयर शो में तेजस और राफेल सहित भारतीय वायुसेना के विमानों ने ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर भव्य फ्लाईपास्ट ने जहां दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं पड़ोसी देशों की टेंशन शुरू हो गई है। गुवाहाटी के लाचित घाट पर तेजस, राफेल और सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के रोमांचक प्रदर्शनों के साथ दर्शकों की गर्जना और उत्साहपूर्ण जयकारे ने वातावरण को उत्तेजित बना दिया। डिफेंस एक्सपर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के अनुसार, भारत के लड़ाकू विमानों की यह दहाड़ तो महज एक ट्रेलर है। अभी तो करीब 8 दिन तक वायुसेना का युद्धाभ्यास शुरू होने वाला है। इससे बांग्लादेश, पाकिस्तान और चीन तीनों की टेंशन देखते ही बनेगी। देश के प्रति भारतीय वायुसेना के 93 वर्षों के अटूट समर्पण और अद्वितीय सेवा को श्रद्धांजलि देते हुए, इस शो में 58 विमानों ने भाग लिया, जिनमें लड़ाकू विमानों के साथ-साथ परिवहन विमानों की लगभग 25 फॉर्मेशन शामिल थीं। यह गर्जना चीन और पाकिस्तान से दोस्ती की पींगे बढ़ा रहे बांग्लादेश के लिए भी साफ संदेश है, हमारा आसमान सुरक्षित है, इधन आंख उठाने की भी हिम्मत मत करना। यह अभ्यास हाल ही में हुए कूटनीतिक बदलावों के बाद बांग्लादेश के साथ बढ़ते तनाव के बीच हो रहा है। अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तानी सेना के एक जनरल और तुर्की प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात के दौरान पूर्वोत्तर भारत का एक विवादास्पद नक्शा साझा किया था, जिसमें असम को उसका हिस्सा दिखाया गया था। भारत इसे एक रणनीतिक चुनौती मानता है। यूनुस ने चीन को न्यौता देते हुए भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को स्थलरुद्ध बताया, जिससे चिकननेक कहे जाने वाले 22 किलोमीटर लंबे सिलीगुड़ी कॉरिडोर ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। ऐसे में भारत का यह अभ्यास एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश देता है कि भारत किसी भी परिस्थिति में अपनी सीमाओं की सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। असम के आसमान में राफेल-तेजस की दहाड़ यूनुस के लिए सीधी चेतावनी है। पूर्वोत्तर सीमाओं पर पहली बार युद्धाभ्यास का मतलब है कि भारत टू-फ्रंट वॉर की तैयारी कर रहा है। 2030 के बाद चीन और पाकिस्तान भारत पर मिलकर हमला कर सकते हैं। भारत में चीन से सटी जो भी सीमा हैं, चाहे वो लेह-लद्दाख का इलाका हो या अरुणाचल प्रदेश का, सभी सुपर सेंसिटिव हैं। भारत इसीलिए इन इलाकों को ध्यान में रखते हुए ये युद्धाभ्यास कर रहा है। इसके अलावा, हाल में बांग्लादेश की तरफ से जो चुनौती मिल रही है, उसे देखते हुए भी भारत क्लियर मैसेज दे रहा है।

असम का विधान, नारी सम्मान का नया संविधान

आरके जैन

एक छोटा-सा राज्य, एक विराट फैसला। असम की मिट्टी में सदियों से जड़ जमाए बहुविवाह की प्रथा अब कानून की मजबूत दीवार से टकराने वाली है। रविवार की उस शांत शाम, जब गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी लहरों को समेटे चुपचाप बह रही थी, उसी क्षण मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा की कैबिनेट ने एक ऐसा बिल पारित किया जिसने पूरे पूर्वोत्तर को स्तब्ध कर दिया—'असम प्रोहिबिशन ऑफ पॉलिगैमी बिल 2025'। 25 नवंबर को विधानसभा में पेश होने वाला यह कानून न केवल एक व्यक्ति को एक से अधिक जीवित पत्नी रखने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएगा, बल्कि उल्लंघन करने वालों को सात वर्ष तक की कठोर कैद और पीड़ित महिलाओं को न्यायोचित मुआवजे का मजबूत अधिकार भी देगा। यह कोई साधारण विधेयक नहीं; यह एक सांस्कृतिक क्रांति का उद्घोष है-जहाँ एक ओर महिलाओं की गरिमा का प्रश्न है, तो दूसरी ओर सदियों पुरानी परंपराओं का अटूट किला। सबसे पहले समझना जरूरी है कि बहुविवाह असम में कोई दुर्लभ प्रथा नहीं रही। खासकर कुछ समुदायों में इसे सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता रहा है। जमीन-जायदाद बिखरने से बचाने के नाम पर, वंश-वृद्धि के नाम पर, या बस इसलिए कि 'हमारे पूर्वजों की यही रीति थी'—बहाने अनगिनत थे। किंतु इन बहानों के पीछे छिपी थीं हजारों महिलाओं की कुचली हुई आकांक्षाएँ, टूटे हुए सपने। दूसरी, तीसरी, चौथी पत्नी बनकर घर में प्रवेश करने वाली स्त्री न कानूनी अधिकार रखती थी, न सम्मान। बच्चे जन्म लेते थे, पर उनका भविष्य हमेशा अनिश्चय के अंधेरे में लटका रहता था। संपत्ति का हक? वह तो पहली पत्नी के बच्चों को भी दुर्लभ था। सरकार ने ठीक यहीं प्रहार किया है—उस जड़ पर, जो सदियों से महिलाओं को रौंदती आई है। कानून का मसौदा स्पष्ट है—कोई भी व्यक्ति, किसी भी धर्म या समुदाय का हो, एक जीवित पत्नी रहते दूसरा विवाह नहीं कर सकेगा। अपवाद सिर्फ उन मामलों में है जहाँ पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी हो या तलाक हो चुका हो। उल्लंघन पर सात वर्ष की सजा और जुर्माना। पर सबसे क्रांतिकारी है मुआवजे का प्रावधान। अगर कोई व्यक्ति छिपाकर दूसरा विवाह करता है, तो पीड़ित पत्नी को न्यायालय के माध्यम से मुआवजा मिलेगा। यह प्रावधान इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि अब तक ऐसी महिलाएँ न पुलिस के पास जाती थीं, न अदालत। शर्म, सामाजिक दबाव और आर्थिक मजबूरी उन्हें मौन रहने को बाध्य करती थी। अब कानून उन्हें सशक्त आवाज दे रहा है।

विरोध अपेक्षित था। बिल की खबर जैसे ही बाहर आई, कुछ संगठनों ने इसे 'सांस्कृतिक आक्रमण' करार दिया। उनका दावा है कि यह विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय को निशाना बना रहा है, क्योंकि इस्लाम में चार विवाह की अनुमति है। किंतु सरकार का उत्तर अडिग है-यह बिल किसी धर्म-विशेष के विरुद्ध नहीं। हिंदू, ईसाई, आदिवासी-सब पर समान रूप से लागू होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा, "हम किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं कर रहे; हम केवल महिलाओं को उनका जन्मसिद्ध अधिकार लौटा रहे हैं।" वास्तव में यह यूनिफॉर्म सिविल कोड की दिशा में असम का पहला दृढ़ कदम है। केरल, गोवा जैसे राज्य पहले से इस पथ पर हैं। असम अब गर्व से उस सूची में शामिल हो रहा है। दूसरी ओर सामाजिक कार्यकर्ता इसे युगांतकारी बता रहे हैं। गुवाहाटी की एक वकील कहती हैं, "मैंने सैकड़ों महिलाएँ देखीं जो दूसरी-तीसरी पत्नी बनकर नौकरानी से बदतर जीवन जीती हैं। उनके बच्चे स्कूल नहीं जा पाते क्योंकि पिता उनका नाम तक नहीं लिखाता। यह बिल उन्हें न्याय की किरण देगा।" उनके साथ असंख्य महिला संगठन खड़े हैं। पर प्रश्न यह भी है-क्या कानून बनते ही प्रथा समाप्त हो जाएगी? ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतें आज भी निकाह कराती हैं, बिना किसी रजिस्ट्रेशन के। सरकार ने सभी निकाहों का रजिस्ट्रार के पास पंजीकरण अनिवार्य किया है।

जातिवाद-विकास मॉडल की लड़ाई में छोटे दल बनेंगे किंगमेकर

सुरेश गांधी

फिरहाल, बिहार की राजनीति एक बार फिर उबल रही है। चुनावी सरगर्मी गांव से लेकर शहर तक फैल चुकी है। केंद्र की राजनीति से लेकर स्थानीय मुद्दों तक, हर बहस का केंद्र इस बार सिर्फ एक सवाल है, बिहार किस दिशा में जाएगा? क्या मतदाता जातीय पहचान के आधार पर अपने प्रतिनिधि चुनेंगे, या विकास, रोजगार, शिक्षा और सुशासन जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देंगे? और इस निर्णय में निर्णायक भूमिका छोटे दलों की होगी, जो इस बार महज सहयोगी नहीं, बल्कि किंगमेकर के रूप में उभरते दिखाई दे रहे हैं। बिहार का राजनीतिक इतिहास बताता है कि यहां सत्ता सिर्फ नीतियों से नहीं, बल्कि सामाजिक समीकरणों और जातीय पहचान के आधार पर तय होती रही है। मंडल राजनीति के दौर से लेकर आज तक : यादव बनाम कुर्मी, सवर्ण बनाम पिछड़ा, महादलित बनाम दलित, और अब ईबीसी (अति पिछड़ा वर्ग) बनाम ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) का संतुलन ही सरकारों का भविष्य तय करता रहा है। लेकिन एनबीटी (नया बिहार सोच) की नई पीढ़ी, खासकर महिलाएं, युवा और प्रथम बार वोटर, अब सिर्फ जाति के आधार पर राजनीति स्वीकार करने के पक्ष में नहीं हैं। वे पूछ रहे हैं, "डिग्री ली, नौकरी कहाँ है?" "सड़क बनी, पर उद्योग क्यों नहीं आया?" "शिक्षा सुधरी, पर शिक्षकों की भर्ती क्यों अटकी?" यही परिवर्तन इस चुनाव को सिर्फ जातीय मुकाबला नहीं रहने देता, बल्कि इसे विकास मॉडल बनाम जातीय समीकरण की सीधी लड़ाई बना देता है। महागठबंधन बनाम एनडीए की जंग में दो मॉडल, दो नैरेटिव साफ झलक रहा है. महागठबंधन का नैरेटिव यानी तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाला महागठबंधन इस चुनाव में नौकरी, बेरोज़गारी और आर्थिक विषमता को मुख्य मुद्दे के रूप में उठा रहा है। उनकी रैली का प्रमुख नारा रहा है, "रोजगार हमारा अधिकार है" महागठबंधन का मुख्य वोट आधार : यादव, मुस्लिम, कुरमी-कोइरी के कुछ हिस्से और गरीब व शहरी श्रमिक वर्ग. उनका दावा है कि विकास सिर्फ भाषणों का विषय बन गया है। सरकारी नौकरियों में देरी, शिक्षकों की बहाली, स्वास्थ्य ढांचे की स्थिति, इन मुद्दों पर वे जनता की नब्ज दबा रहे हैं। एनडीए का नैरेटिव यानी दूसरी ओर, एनडीए प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता और बदले हुए बिहार की छवि पर जोर दे रहा है। उनकी पिच है, "हमने सड़क दी, बिजली दी, पुलों का जाल बिछाया, बदला हुआ बिहार सिर्फ नारों से नहीं, धरातल पर है।" एनडीए का आधार : अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी), सवण, महिलाएं, लाभार्थी वर्ग (जिन्हें सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिला है) यानी महिला वोट बैंक और लाभार्थी मॉडल इस चुनाव में एनडीए की असली ताकत हैं। जातीय जनगणना ने राजनीति की जमीन बदल दी है, बिहार सरकार द्वारा जारी जातीय जनगणना के आंकड़ों ने जातीय समीकरणों को नया रंग दे दिया : ओबीसी $ ईबीसी मिलाकर लगभग 63 फीसदी, दलित लगभग 19 फीसदी, सवर्ण लगभग 15 फीसदी, इस जनगणना ने महागठबंधन को राजनीति का नैतिक आधार दिया कि बहुसंख्यक की हिस्सेदारी तय होनी चाहिए। वहीं एनडीए ने इसे विकास में सबकी भागीदारी के रूप में पेश किया। दोनों की रणनीति बिल्कुल साफ है, लेकिन निर्णायक मोर्चा वहीं पर फंसा है जहाँ छोटे दल खड़े हैं। छोटे दल : चुनाव की असली चाबी बनकर उभर रहे है. वैसे भी बिहार के चुनावों में छोटे दल हमेशा से भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन इस बार उनकी भूमिका सिर्फ सहयोगी की नहीं, सरकार बनाने वाले निर्णायक घटक की है। महत्वपूर्ण छोटे दल और उनका प्रभाव ज्यादा है. वीआईपी (मुकेश सहनी) निषाद / मल्लाह मिथिलांचल $ कोसी बोटों की संख्या निर्णायक, आरएलएसपी (उपेंद्र कुशवाहा) कुशवाहा, कोइरी, मगध $ शाहाबाद, ओबीसी विभाजन कर सकता है. एचएएम (जीतनराम मांझी) महादलित मगध $ गया, गठबंधन तय करेगा दलित वोटर, आज़ाद संगठन व स्थानीय जनाधार वाले क्षेत्रीय गुट विभिन्न सीमांचल, भोजपुर, मगध, सीट लेवल पर भारी असर है. ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्यों बनेंगे छोटे दल किंगमेकर? ईबीसी (अति पिछड़ा वर्ग) अब सबसे बड़ा वोटर समूह है, जो लगातार अपनी राजनीतिक पहचान तलाश रहा है। छोटे दल इन्हें प्रतिनिधित्व का वादा कर रहे हैं। अगर यह वोट महागठबंधन या एनडीए में एकमुश्त नहीं गया, तो चुनाव त्रिकोणीय हो जाएगा, और ऐसे में 30 से 40 सीटें सीधे छोटे दलों के प्रभाव में चली जाएँगी। महिलाओं का वोट यानी चुप्पी में छिपी शक्ति. वैसे भी बिहार के चुनावी इतिहास में महिलाओं का वोट बैंक अब सबसे परिपक्व और निर्णायक हो चुका है। नगालैंड और मध्यप्रदेश की तरह बिहार में भी महिला मतदान पुरुषों से अधिक हो रहा है। इसकी बड़ी वजह नल-जल योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन और सीधे खाते में आर्थिक मदद, शौचालय निर्माण, स्कूलों में लड़कियों को साइकिल और पोशाक योजना, इन योजनाओं का सीधा लाभ महिलाओं तक पहुंचा है। महिला वोट एनडीए के पक्ष में मजबूती से खड़ा माना जा रहा है। लेकिन बेरोज़गारी और महंगाई ने इस चुनाव में निर्णय को थोड़ा उलझा भी दिया है। यहीं पर छोटे दल और स्थानीय मुद्दों की भूमिका बढ़ जाती है। बिहार में बेरोज़गारी सबसे बड़ा मुद्दा है। हर परिवार में एक या दो बच्चे नौकरी की उम्मीद लिए कोचिंग कर रहे हैं, कभी पटना, कभी प्रयागराज, कभी दिल्ली में। शिक्षकों की लंबी लंबित बहालियां, पुलिस भर्ती की देरी, उद्योग और निवेश की कमी, और एक अवसर आधारित अर्थव्यवस्था का अभाव, युवाओं का धैर्य टूट रहा है। यही कारण है कि इस बार का चुनाव घोषणाओं की नहीं, भरोसे की परीक्षा है। तेजस्वी यादव युवाओं में नौकरी वाले वादे के कारण लोकप्रिय हैं। वहीं एनडीए युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और स्टार्टअप नीति का भविष्य दिखा रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है, क्या सच में छोटे दल किंगमेकर बनेंगे? क्योंकि बड़ा वोट बैंक बिखरा हुआ है, कोई भी गठबंधन एकतरफा बढ़त में नहीं दिखता, सीटें कई जगह 50 हजार से भी कम अंतर में तय होंगी, और 30 से 40 सीटों पर छोटे दलों की जमीनी पैठ निर्णायक होगी. मतलब साफ है, सरकार गठबंधन से बनेगी, लेकिन गठबंधन को दिशा छोटे दल देंगे। यानी बिहार की राजनीति एक बार फिर बहुमत नहीं, मैनेजमेंट के दौर में प्रवेश कर रही है। या यूं कहे बिहार की रणभूमि : जाति, जमीनी मुद्दे और बदलती राजनीतिक धुरी बन चुकी है. बदलता बिहार : नारा नहीं, नयी राजनीति की तलाश में मतदाता है. यानी जाति गणित से आगे बढ़कर मुद्दों पर आधारित हो चला है बिहार का चुनाव? युवा और महिलाएं बनीं किंगमेकर : नई शक्ति संरचना का उदय होने वाला है. बिहार चुनाव इस बार इस बार केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं है। यह उस सामाजिक-राजनीतिक संरचना का भी परीक्षण है, जहां मतदाता अब केवल नारों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि अपने अनुभव, स्थानीय मुद्दों, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और नेतृत्व की विश्वसनीयता को केंद्र में रखकर मतदान करता है। इस बार चुनाव का स्वरूप पारंपरिक से कहीं अधिक बदला हुआ है, एक ओर एनडीए (मुख्यतया जेडीयू-बीजेपी), दूसरी ओर महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस एवं सहयोगी), और तीसरी ओर उभरती ताकत जन सुराज (प्रशांत किशोर), इन तीनों के बीच प्रतियोगिता ने चुनाव को असामान्य रूप से जटिल, रोचक और अस्थिर बना दिया है। पहला चरण संपन्न हो चुका है, जिसमें ऐतिहासिक रूप से उच्च मतदान दर्ज हुआ। यह संकेत है कि जनता इस बार चुप बैठी नहीं है, बल्कि सक्रिय रूप से राजनीतिक परिवर्तन या पुनर्स्थापन, दोनों में से किसी एक दिशा में स्पष्ट मत देना चाहती है।

अजित पवार के बेटे का जमीन सौदे पर विवाद घहराया!

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार से जुड़े जमीन सौदे पर विवाद खड़ा हो गया है। इस एक घटना से जहां महाराष्ट्र में विपक्ष सत्तारुढ़ सरकार पर हमलावर है, वहीं भाजपा की अपनी सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से भी मतभेद शुरू हो गए हैं।मामला पुणे की सरकारी जमीन से जुड़ा है, जो दलितों के लिए आरक्षित है। पार्थ पवार के स्वामित्व वाली कंपनी अमेडिया होल्डिंग्स एलएलपी, जिसमें अजित पवार के भतीजे दिग्विजय पाटिल साझेदार है, पर जमीन घोटाले का आरोप लगा। आरोप ये भी है कि मंत्री का बेटा होने के कारण पार्थ पवार को अनुचित लाभ मिला।

40 एकड़ की यह जमीन पुणे के पॉश मुंधवा इलाके में है। इसका मार्केट रेट करीब 1804 करोड़ रुपये है, लेकिन पार्थ पवार की कंपनी ने इसे महज 300 करोड़ रुपये में खरीदा। डेटा सेंटर बनाने के नाम पर ली गई इस जमीन पर केवल 500 रुपये बतौर स्टांप ड्यूटी चुकाए गए। जिस जमीन का कौड़ियों के भाव सौदा हुआ, वह अनुसूचित जाति के महार समुदाय के लिए आरक्षित 'वतन' श्रेणी में आती थी।बॉम्बे अवर ग्राम वतन उन्मूलन अधिनियम, 1958 के तहत ऐसी जमीन सरकार की अनुमति के बिना नहीं बेची जा सकती। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि पार्थ पवार की कंपनी अमेडिया की पूंजी महज 1 लाख रुपये हैं, ऐसे में अनुभव की कमी के बावजूद इसे आईटी पार्क और डेटा सेंटर बनाने की मंजूरी कैसे मिल गई।

विवादास्पद भूमि सौदे में अपने बेटे का बचाव करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने रविवार को आश्चर्य जताया कि एक रुपये के लेन-देन के बिना कोई दस्तावेज कैसे पंजीकृत हो सकता है। राकांपा अध्यक्ष ने आरोपों को स्थानीय निकाय चुनावों से जोड़ने की कोशिश की। कहा कि मामले की जांच चल रही है। इससे भूमि सौदे की सच्चाई जल्द ही जनता के सामने आ जाएगी।पुणे के मुंधवा इलाके में 40 एकड़ जमीन 300 करोड़ रुपये में एक ऐसी कंपनी को बेचे जाने पर सवाल उठ रहे हैं, जिसमें अजित पवार के बेटे पार्थ पवार भी साझेदार हैं। अनियमितता और जरूरी मंजूरी नहीं मिलने के आरोपों के बीच यह भूमि सौदा जांच के घेरे में है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि जमीन का बाजार मूल्य 1800 करोड़ रुपये था। अजीत पवार ने पुणे जिले के बारामती में संवाददाताओं से कहा, इससे पहले भी मेरे खिलाफ 70 हजार करोड़ रुपये की अनियमितताओं के आरोप लगे थे। तब से 15-16 साल हो गए हैं। जब भी चुनाव का समय आता है, हमारे खिलाफ कई आरोप लगाए जाते हैं। हम पारदर्शी तरीके से काम करने की कोशिश करते हैं। लेकिन, जैसे ही हम ऐसा करते हैं, लोग जमीन सौदों को निकालकर आरोप लगाना शुरू कर देते हैं। बताते चलें, महाराष्ट्र में विभिन्न स्थानीय निकायों का चुनाव दो दिसंबर को होने वाला है।इस बीच पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने बावधन पुलिस स्टेशन से जांच का जिम्मा संभाल लिया है। एफआइआर में पुणे शहर के तहसीलदार सूर्यकांत येओले, धनंजय पाटिल, शीतल तेजवानी सहित नौ लोगों के नाम शामिल हैं। पुणे पुलिस प्रमुख अमितेश कुमार के अनुसार एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। हालांकि उन्होंने जांच पर कोई टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। यह एफआइआर पुणे के संयुक्त जिला रजिस्ट्रार संतोष हिंगाने ने दर्ज कराई थी।

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि हाल के नव-नैतिकतावादियों को इस बात पर कोई आपत्ति नहीं थी कि उनके दूसरे अच्छे बेटे को दिए गए शराब के अनुबंध निंदनीय नहीं थे। किसी न किसी आरोपों को लेकर सुर्खियों में रहे प्रताप सरनाइक को अभी तक इस्तीफा नहीं देना पड़ा है क्योंकि अजित दादा के सह-उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अपनी जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं, लेकिन सभी नैतिकतावादियों को पता है कि वह पल दूर नहीं है, दरअसल वे उस पल का इंतजार कर रहे हैं। दोनों मजबूत हैं। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि हाल के नव-नैतिकतावादी केवल नव-नैतिकतावादियों के आरोपों से भाग गए हैं, जिन्होंने किरीट सोमैयादी का कुमकुम अपने माथे पर लगाया है और किसी भी आरोप का संज्ञान न लेने की आदत का पालन किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शब्दों को उधार लेने के लिए, इस सब के पीछे के कालक्रम को समझें। जैसे ही भाजपा के मोहलों के खिलाफ आरोप शांत होते हैं, अजीत दादा-सुसंस घोटाला सामने आता है। ठाणे नगर निगम, जो अजीत दादा के सह-उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अधीन है, के वरिष्ठ अधिकारियों को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है, और उसी सल्तनत में एक अन्य नगर निगम के एक अन्य अधिकारी के घर पर छापा मारा जाता है। ठाणे में कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा नहीं की गई थी; मुंबई पुलिस करती है और आग बुझाने से पहले पुणे में मोहोल का मामला उठता है, इसे संन्यासी या मूर्ख लोग ही संयोग समझेंगे, भविष्य में भी ऐसा चलता रहेगा और गति पकड़ेगा, ये इस सरकार की सर्पिल संरचना के कारण है, पहले की पूंछ दूसरे के मुंह में और तीसरे की पूंछ मुंह में, लड़ाई एक के खिलाफ एक बनाम एक यानी अजित दादा के राष्ट्रवादी और एकनाथ के खिलाफ है। शिंदे की शिवसेना अगर हाथ मिला भी लेती है तो भी वह बीजेपी के एक भी मामले को नहीं झुका सकते. क्योंकि इन दोनों को बीजेपी से चुनौती मिल रही है। लेकिन अगर आप कहते हैं कि ये दोनों एक हैं, तो यह भी नहीं है। दोनों के बीच घर्षण एक दूसरे के खिलाफ जारी है। लेकिन इससे भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा. भाजपा यह जानती है। इसलिए वह एक ही समय में शिंदे-सेना और दादा-एनसीपी दोनों को आसानी से खेल सकते हैं। मैं नहीं खेलता। शिंदे को इस बात की जानकारी है और अजीत दादा को भी। लेकिन उनकी स्थिति असहनीय है और इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती है, और यह ऐसा ही रहेगा, इसलिए नहीं कि केवल उनके हाथ ही कई पत्थरों के नीचे फंसे हुए हैं; उधर, वही संजय राठौड़, जो उद्धव ठाकरे के मंत्रिमंडल में थे, अब उन्हें पाप से मुक्त कर दिया गया है और उसी भाजपा शासित मंत्रिमंडल में भाजपा और उसके नवसाम्राज्यवादियों ने स्वीकार कर लिया है, तो ऐसा ही होगा।

हालांकि, जब उन्होंने ऐसा किया, तो अजीत दादा ने कहा, मैंने अपने सार्वजनिक जीवन के वर्षों में एक भी गलती नहीं की है, यह सच है कि न केवल राज्य बल्कि देश को ऐसे 'गैर-गलती' राजनेताओं की जरूरत है, लेकिन फिर सवाल यह है कि 70,000 करोड़ रुपये का सिंचाई घोटाला क्या था? देवेंद्र फडणवीस का पूरा राजनीतिक करियर इसी सिंचाई घोटाले की नींव पर बना था। विपक्ष के नेता के रूप में फडणवीस ने 2014 में मुख्यमंत्री बनने तक पूरे महाराष्ट्र में इस मुद्दे को रोशन किया था और सिंचाई घोटाला जमीन पर उतर गया था।

सदैव प्रासंगिक रहेंगी मौलाना आजाद की शिक्षा नीतियां

योगेश कुमार गोयल

शिक्षा का मानव जीवन में विशेष महत्त्व है, जिसके बल पर इंसान अपने पूरे जीवन को बदल सकता है। वर्ष 2008 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 11 नवंबर को 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' के रूप में घोषित किया गया था, तभी से यह दिन राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में जाना जाता है, जिसका उद्देश्य सभी को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। यह दिन विशेष तौर पर लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में महत्व बताने के लिए समर्पित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, महान शिक्षाविद्, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में मौलाना आजाद के महत्ती योगदान के मद्देनजर ही उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस घोषित किया गया था। 11 नवंबर 1888 को मक्का में जन्मे मौलाना आजाद न केवल एक बड़े विद्वान थे बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी उन्होंने विशेष योगदान दिया। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने उर्दू भाषा में शायरी लिखना शुरू कर दिया था और शिक्षा क्षेत्र के अलावा पत्रकार के रूप में भी उन्होंने काफी लोकप्रियता हासिल की थी। मौलाना आजाद को भारत में शिक्षा के पुरोधा के रूप में स्मरण किया जाता है, जिन्होंने हमेशा शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख आधार माना।

मौलाना आजाद ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद कुरान शरीफ तथा इस्लामी शिक्षाओं का भी अध्ययन किया। बचपन से ही वे अरबी, फारसी और उर्दू भाषाओं पर महारत हासिल करने लगे थे। उनका बचपन और युवावस्था काफी उथल-पुथल भरा रहा। उनका असली नाम 'अबुल कलाम गुलाम मुहियुद्दीन' था जिन्हें बाद में मौलाना आजाद के नाम से जाने जाना लगा। उन्होंने 'आजाद' को अपने उपनाम के तौर पर अपनाया। मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और पत्रकारिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वे बचपन से ही धार्मिक व सामाजिक मुद्दों में गहन रूचि रखते थे और उन्होंने बहुत कम उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। उन्होंने अनेक कविताएं और लेख लिखे, जो उस समय के साहित्यिक जगत में काफी लोकप्रिय हुए। 'फना-ए-फना', 'नैराश्य', 'आशा', 'गुलामी', 'तजुर्बा' जैसी अपनी कई कालजयी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने साहित्य में अहम योगदान दिया। मक्का से भारत आने के बाद आजाद राष्ट्रीयता के विचार से प्रभावित हुए और उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी। बंगाल विभाजन के समय उन्होंने उस फैसले का कड़ा विरोध किया और राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे।

स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भागीदारी ने उन्हें एक महान स्वतंत्रता सेनानी बना दिया था, वहीं उनका पत्रकारिता के प्रति भी विशेष रूझान था। उन्होंने कई पत्रिकाओं का संपादन किया और अपने क्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। 1912 में मौलाना आजाद ने 'अल-हिलाल' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसके माध्यम से उन्होंने भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने का प्रयास किया। मौलाना आजाद ने न केवल स्वयं अंग्रेजी शासन के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई बल्कि हजारों लोगों को भी स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्हें कई बार ब्रिटिश सरकार ने जेल में बंद किया। स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना आजाद एक ऐसे दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने शिक्षा को ही राष्ट्र निर्माण का आधार माना। उनकी शिक्षा नीतियां न केवल भारत के शिक्षा क्षेत्र को नया आयाम देने वाली थी बल्कि उन्होंने एक ऐसे समाज का सपना देखा था, जहां शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो। इसीलिए उन्होंने प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया और देश में अनेक शिक्षण संस्थानों की स्थापना की। 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश साम्राज्य की क्रूरता भरी गुलामी के अंधेरे के बाद भारत की स्वतंत्रता का नया सवेरा निकला था लेकिन देश की आजादी के बाद भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती थी गरीबी मिटाना और देश को विकास के पथ की ओर अग्रसर करना। जिन स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के लिए संघर्षों के साथ-साथ स्वतंत्र भारत में भी देश के विकास में अपना अविस्मरणीय योगदान दिया, उन्हीं स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे मौलाना अबुल कलाम आजाद। मौलाना आजाद धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक थे, जिनका मानना था कि सभी धर्मों का सम्मान किया जाना चाहिए और सभी को समान अधिकार मिलने चाहिएं। उन्होंने भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने के लिए बहुत प्रयास किए। वह शिक्षा के महत्व को बहुत अच्छी तरह से समझते थे। वह मानते थे कि शिक्षा ही एक राष्ट्र को मजबूत बना सकती है, इसीलिए उन्होंने शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने का सपना देखा था और उसके लिए कड़ी मेहनत की। वह एक दूरगामी सोच वाले व्यक्ति थे, जिनका उद्देश्य भारतीय कला, साहित्य और संगीत को वैश्विक पटल पर ले जाना था, जिसके लिए उनके द्वारा साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी और संगीत नाटक अकादमी की स्थापना की गई।मौलाना आजाद का मानना था कि शिक्षा सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध होनी चाहिए।

गुम हुई ममता

डॉ. सुरेश कुमार

अरे साहब! यह जो नई पीढ़ी का 'फिलॉसफी' है न, 'जियो और जीने दो', यह बड़ा खतरनाक हथियार है। मालती जी ने जब से यह नारा पकड़ा, तब से उनके और बेटे दीपक के बीच की दूरी, मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे से भी तेज़ हो गई। बेटे ने शहर के दूसरे कोने में जब अलग आशियाना लिया, तो मालती ने खुद को समझा लिया-दीपक आत्मनिर्भर है, और मैं अब 'अति-आधुनिक माँ' हूँ। अति-आधुनिक माँ वह होती है, जो बेटे की ख़ुशी के नाम पर अपनी अकेली साँसों को गिनती है, और उसे 'आज़ादी' का नाम देती है। त्योहारों पर दीपक आता था, तो मालती जी ऐसा दिखाती थीं, जैसे उन्हें कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता, पर रसोई में छिपकर आँसू पोंछती थीं। उन्हें मालूम था, अब उनकी 'राय' का मूल्य, पुरानी रद्दी से भी कम है, क्योंकि वह 'अनचाही सलाह' है। सलाह अनचाही नहीं होती, बल्कि राय देने वाला व्यक्ति जब उपेक्षित हो जाता है, तो उसकी बात 'अनचाही' हो जाती है। मालती की आँखों की नमी को दीपक ने कभी नहीं देखा, क्योंकि वह बस 'चाय की चुस्कियाँ' लेने आता था। और फिर एक दिन जब वह मुस्कुराते हुए बोला-माँ, आज एक राय चाहिए। मालती की आँखें भर आईं। यह 'राय' नहीं थी, यह वर्षों से सूखी पड़ी ममता की ज़मीन पर अचानक बरसा हुआ पहला बूँद था। वह हड़बड़ा गईं। बेटा राय नहीं माँग रहा था, वह तो अपनी सुविधा के लिए माँ की ममता का 'प्रयोग' करने आया था। और माँ को लगा, अहा! आज मेरी उपयोगिता सिद्ध हो गई! दीपक ने जब सोने की बाली की कहानी सुनाई, तो मालती के मन में टीस उठी। बेटा चार महीने पहले सड़क पर सोना उठाता है, और माँ को बताता है, जब वह सोने को बेचकर नक़दी में बदल चुका है! यह कैसा भरोसा है, जहाँ माँ को जीवन की बड़ी घटनाओं में नहीं, बल्कि केवल 'पाप-बोध' की सफ़ाई में याद किया जाता है! दीपक ने कहा-माँ, किसी की गुम हो गई होगी, बेचारी परेशान होती होगी। हाँ, बेटा! तेरी माँ की तरह! तेरी माँ की 'ममता' भी तो गुम हो गई है, और वह भी यहाँ कोने में बैठकर परेशान होती होगी। पर तुझे तो सिर्फ़ उस अनजान औरत का दुःख याद आया, जिसकी बाली खोई, तेरी माँ का दुःख क्यों नहीं याद आया, जिसने अपना बेटा खो दिया? 'सोना मिलना अशुभ होता है', यह कैसी वाहियात नैतिकता है, जिसमें वस्तु को अशुभ बताकर, उस पर किए गए पाप को छोटा कर दिया जाता है! असली अशुभ तो वह मानसिकता है, जिसने चार महीने तक उस सोने को छुपाए रखा, मंदिर में रखा (ताकि भगवान भी इस पाप के साक्षी बनें), और फिर चुपचाप बेच दिया। 2400 रुपये मंदिर में रखे हैं! यह क्या है? यह लांच-पूंछ है, बेटा! नक़दी को छूने से डर लग रहा है, पर नक़दी से हाथ धोना भी नहीं चाहता। पत्नी के सामने इसलिए नहीं पूछा, क्योंकि वह व्यावहारिक है, वह तुरंत उन पैसों से मिक्सर या इंडक्शन ले आती। और दीपक को उन पैसों को खर्चने से डर लग रहा था, क्योंकि उसे मालूम था, इस पर उस अनजान औरत के आँसू चिपके हैं। इसलिए आया अपनी बूढ़ी माँ के पास, ताकि माँ अपनी अखंड ममता से उन आँसुओं को धो दे। मालती ने जब कहा-बेटा, जिस धन में किसी का दुःख जुड़ा हो, वो अपने पास नहीं रखना चाहिए। यह केवल सोना बेचने वाले बेटे के लिए सलाह नहीं थी, यह एक माँ की अपनी पीड़ा थी, जो उस बेटे से कह रही थी, बेटा, मेरे जीवन में भी तो मेरा दुःख जुड़ा है, अब मैं यह दुःख कहाँ रखूँ? माँ की आँखों में नमी थी, क्योंकि वह जानती थी कि दीपक उन पैसों से मुक्ति पाना चाहता है, और माँ की 'सलाह' उसके लिए एक नैतिक छूट-पत्र है। उसने कहा, तुम चाहो तो वो रुपये किसी जरूरतमंद को दे दो... या कन्या पूजन में छोटी-छोटी कन्याओं को। उनका आशीर्वाद सबसे बड़ा शुभ होता है।

नव ग्रहों को एक साथ इस मंदिर में कर सकते हैं संतुलित

जन्म कुंडली में ग्रहों की स्थिति बहुत मायने रखती है। नवग्रहों की स्थिति के आधार पर व्यक्ति का करियर, स्वास्थ्य, विवाह और बहुत कुछ प्रभावित होता है। हमेशा कहा जाता है कि जो भी ग्रह कमजोर है, उसकी पूजा करनी शुरू करो या रत्न धारण करो, लेकिन क्या आप जानते हैं कि असम में मौजूद एक मंदिर एक साथ नौ ग्रहों की स्थिति को सुधार सकता है और जीवन में आ रही बाधाओं को दूर कर सकता है? असम के गुवाहाटी में चित्रसाल पहाड़ियों के बीच नवग्रह मंदिर स्थापित है, जो एक साथ नौ ग्रहों को संतुलित करने का काम करता है। आइए जानते हैं नवग्रह मंदिर के बारे में खास बातें...

नवग्रह मंदिर का निर्माण 18वीं शताब्दी

नवग्रह मंदिर हमारे सौरमंडल के नौ ग्रहों को समर्पित है और इन सभी के अधिपति भगवान शिव हैं। मंदिर में नौ शिवलिंग हैं, जो सौरमंडल के नौ ग्रह (सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु) को दर्शाते हैं। मान्यता है कि ग्रहों के हिसाब से शिवलिंग पर कपड़ा अर्पित किया जाता है, जो ग्रहों की स्थिति में सुधार लाता है। नवग्रह मंदिर का निर्माण 18वीं शताब्दी में हुआ था, जिसका प्रमाण इस मंदिर की दीवारों पर मिले शिलालेखों और अभिलेखों से मिलता है। माना जाता है कि इसका निर्माण 18वीं शताब्दी के राजा सुखरुंगफा के पुत्र, अहोम राजा राजेश्वर सिंह ने कराया था। हालांकि प्राकृतिक आपदा के बाद मंदिर का कुछ हिस्सा ढह गया था, जिसके बाद मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया।

नवग्रह मंदिर खगोलीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण

नवग्रह मंदिर सिर्फ असम राज्य का धार्मिक स्थल नहीं है, यह खगोलीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। नवग्रहों की पूजा के लिए मंदिर के प्रत्येक शिवलिंग पर अलग रंग का वस्त्र अर्पित किया जाता है, जैसे शनि के लिए काला कपड़ा, सूर्य के लिए लाल या नारंगी कपड़ा, चंद्रमा के लिए सफेद कपड़ा, बुध के लिए हरा कपड़ा, गुरु के लिए पीला कपड़ा, शुक्र के लिए सफेद और गुलाबी कपड़ा, राहु के लिए काला और नीला कपड़ा और केतु के लिए स्लेटी या मटमैला रंग का कपड़ा अर्पित किया जाता है।

मंदिर से कुछ दूरी पर जादुई तालाब

भक्तों के बीच मान्यता है कि नवजात बच्चों की कुंडली इस मंदिर में बनवानी चाहिए क्योंकि यहां के ज्योतिषियों को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। अगर बच्चों की कुंडली में ग्रहों की स्थिति में कोई असंतुलन हो या कोई ग्रह दोष होता है तो मंदिर में पूजा करवाकर सारी परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगर कोई ग्रह हावी हो रहा हो, तो इस मंदिर में आकर विशेष प्रार्थना करने से सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। इसके अलावा, मंदिर से कुछ दूरी पर एक तालाब है जिसका नाम है सिलपुखुरी। इस तालाब में हर मौसम और सालों-साल पानी रहता है और इसे जादुई तालाब भी कहते हैं। इस तालाब में कभी भी जल की कमी नहीं होती है।

इस दिन होगा दुनिया का अंत
90 फीट गहरी गुफा में खुला राज

उत्तराखंड की गोद में बसे अनगिनत रहस्यमय स्थानों में से एक है पाताल भुवनेश्वर मंदिर। यह मंदिर ना सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि अपने रहस्यों और प्राकृतिक संरचना के कारण यहां आने वाले हर व्यक्ति को चौंका देता है। कहा जाता है कि इस गुफा मंदिर में दुनिया के खत्म होने का रहस्य छिपा हुआ है और यही बात इसे बाकी मंदिरों से अलग और विशेष बनाती है। जी हां, यह बात एकदम सत्य है। यह गुफा पाताल लोक की तरफ जाती है और इस गुफा में कई ऐसे रहस्य छिपे हुए हैं, जिसे आज तक वैज्ञानिक खोज रहे हैं। इस गुफा में एक शिवलिंग स्थापित हैं और इसी शिवलिंग से दुनिया के अंत के रहस्य भी छिपे हुए हैं। साथ ही यहां स्वर्ग और नरक के दरवाजे भी मौजूद हैं। आइए जानते हैं पाताल भुवनेश्वर मंदिर के बारे में...

दर्शन के लिए 90 फीट गहरी गुफा में नीचे उतरना पड़ेगा

पाताल भुवनेश्वर मंदिर में जाने के लिए आपको इसकी 90 फीट गहरी गुफा में नीचे उतरना पड़ेगा, तब जाकर आप मुख्य मंदिर तक पहुंच पाएंगे, लेकिन नीचे उतरने के लिए कोई आरामदायक सीढ़ियां नहीं हैं, बल्कि आपको पतली और ऊबड़-खाबड़ सुरंगों के जरिए बड़ी सावधानी से उतरना होगा। अंदर जाने के लिए दोनों तरफ लोहे की चेन लगी है ताकि भक्त सुरक्षित उतर सकें। कहा जाता है कि जितनी कठिनाई अंदर जाने में होती है, उतनी ही बाहर निकलने में भी होती है, लेकिन भक्तों की आस्था इतनी गहरी है कि वे हर मुश्किल को पार कर यहां तक पहुंचते हैं।

मंदिर के भीतर चार अद्भुत द्वार

गुफा में प्रवेश करते ही आपको शेषनाग की आकृति दिखाई देती है। मान्यता है कि धरती इन्हीं के फन पर टिकी हुई है। स्थानीय लोग मानते हैं कि यहीं भगवान महादेव शिव निवास करते थे। इसी कारण यह स्थान देवभूमि के सबसे रहस्यमय और पूजनीय स्थलों में गिना जाता है। मंदिर के भीतर स्वर्ग, नरक, मोक्ष और पाप के चार अद्भुत द्वार हैं। कहा जाता है कि यह द्वार जीवन के चार चरणों और कर्मों का प्रतीक हैं। इसके अलावा, यहां 33 करोड़ देवी-देवताओं के स्वरूप और भगवान गणेश के सिर के दर्शन एक साथ होते हैं।

इस दिन होगा दुनिया का अंत

इस रहस्यमय गुफा में स्थित शिवलिंग की एक विशेष मान्यता है। मान्यता है कि यह शिवलिंग लगातार बढ़ रहा है और जब यह गुफा की छत को छू लेगा, तो दुनिया का अंत हो जाएगा। पाताल भुवनेश्वर मंदिर उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में गंगोलीहाट से करीब 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। लगभग 160 मीटर लंबी और 90 फीट गहरी यह गुफा अपने आप में एक रहस्यलोक है।

गुलाम ने सिखाया ईश्वर को पाने का रास्ता

उस दौर में गुलामी प्रथा प्रचलित थी। एक बार उन्होंने भी अपनी मदद के लिए एक गुलाम खरीदा। उन्होंने गुलाम से पूछा, "बता तेरा नाम क्या है ?"

गुलाम ने उत्तर दिया, "जिस नाम से आप पुकारें।"

बादशाह ने फिर पूछा, "तू क्या खाएगा?" गुलाम ने कहा, "जो आप खिलाएंगे।"

बादशाह ने थोड़ी हैरत से पूछा, "तुझे कैसे कपड़े पसंद हैं?" उसने जवाब दिया, "जो आप पहनने को दें।"

बादशाह फिर बोले, "तू क्या काम करेगा ?" गुलाम ने विनम्रतापूर्वक कहा, "आप जो भी हुक्म करें।"

बादशाह दंग रह गए। उन्होंने इस तरह की बातें कभी नहीं सुनी थीं। उन्होंने पूछा, "आखिर तू चाहता क्या है ?"

गुलाम ने सिर झुकाकर जवाब दिया, "हुजूर। गुलाम की अपनी क्या चाह?" बादशाह गद्दी से उतरकर उसे गले लगाते हुए बोले, "आज से तुम मेरे उस्ताद हो। तुमने अनजाने में ही मुझे बहुत बड़ी सीख दी है।

किसी इंसान को यह हक नहीं कि दूसरे को गुलाम बनाए। तेरी बातों से पता चला कि ईश्वर के साथ हमारा रिश्ता कैसा होनी चाहिए। हमें ज्यादा पाने की चाह नहीं रखनी चाहिए। पूरी तरह से अपने आपको ईश्वर के हवाले कर देना चाहिए।"

महाभारत के युद्ध के बाद एक रात में सभी योद्धा जिंदा क्यों हो गए थे ?

महाभारत की मान्यता के अनुसार कुरुक्षेत्र के युद्ध में मारे गए सभी शूरवीर योद्धा जैसे कि भीष्म, द्रोणाचार्य, दुर्योधन, अभिमन्यु, द्रौपदी के पुत्र, कर्ण, शिखंडी आदि सभी एक रात के लिए पुनर्जीवित हुए थे। यह घटना महाभारत युद्ध खत्म होने के 15 साल बाद घटित हुई थी। यह उस समय की बात है जब धृतराष्ट्र, कुंती, विदुर, गांधारी और संजय वन में रहते थे। एक दिन वन में उनसे मिलने युधिष्ठिर पधारे तभी यह घटना घटी।

विदुरजी के प्राण त्यागने के बाद धृतराष्ट्र के आश्रम में महर्षि वेदव्यास आए। जब उन्हें पता चला कि विदुरजी ने शरीर त्याग दिया तब उन्होंने बताया कि विदुर धर्मराज के अवतार थे और युधिष्ठिर भी धर्मराज का ही अंश हैं इसलिए विदुरजी के प्राण युधिष्ठिर के शरीर में समा गए। महर्षि वेदव्यास ने धृतराष्ट्र, गांधारी और कुंती से कहा कि आज मैं तुम्हें अपनी तपस्या का प्रभाव दिखाऊंगा। तुम्हारी जो इच्छा हो वह मांग लो।

तब धृतराष्ट्र व गांधारी ने युद्ध में मृत अपने पुत्रों तथा कुंती ने कर्ण को देखने की इच्छा प्रकट की। द्रौपदी आदि ने कहा कि वे भी अपने परिजनों को देखना चाहते हैं। महर्षि वेदव्यास ने कहा कि ऐसा ही होगा। युद्ध में मारे गए जितने भी वीर हैं, उन्हें आज रात तुम सभी देख पाओगे। ऐसा कहकर महर्षि वेदव्यास ने सभी को गंगा तट पर चलने के लिए कहा। महर्षि वेदव्यास के कहने पर सभी गंगा तट पर एकत्रित हो गए और रात होने का इंतजार करने लगे।

रात होने पर महर्षि वेदव्यास ने गंगा नदी में प्रवेश किया और पांडव व कौरव पक्ष के सभी मृत योद्धाओं का आवाहन किया।

थोड़ी ही देर में भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण, दुर्योधन, दुःशासन, अभिमन्यु, धृतराष्ट्र के सभी पुत्र, घटोत्कच, द्रौपदी के पांचों पुत्र, राजा द्रुपद, धृष्टद्युम्न, शकुनि, शिखंडी आदि वीर जल से बाहर निकल आए। उन सभी के मन में किसी भी प्रकार का अहंकार व क्रोध नहीं था।

महर्षि वेदव्यास ने धृतराष्ट्र व गांधारी को दिव्य नेत्र प्रदान किए। अपने मृत परिजनों को देख सभी के मन में हर्ष छा गया। सारी रात अपने मृत परिजनों के साथ बिताकर सभी के मन में संतोष हुआ। अपने मृत पुत्र, भाई, पतियों और अन्य संबंधियों से मिलकर सभी का संताप दूर हो गया। इस प्रकार वह अद्भुत रात समाप्त हो गई।

समय का मान करिए, समय आपका खूब सम्मान करेगा

आजकल कोई भी काम करने जाओ, दबाव जरूर बनेगा। लेकिन दबाव तनाव में ना बदल जाए, यह जिम्मेदारी हमारी होनी चाहिए। क्योंकि हर काम में हमारे साथ और भी व्यक्ति होते हैं, परिस्थिति होती है, जिस पर आपका नियंत्रण नहीं।

आजकल जिससे मिलो, वो यह कहता हुआ दिखेगा कि काम करने वाले लोग मिलते ही नहीं। सरकारें पैसा बांट रही हैं, लेकिन पुरुषार्थ भी बांटना चाहिए। ये बात सरकार को जब समझ में आएगी, तब आएगी। हम पुरुषार्थ कैसे बांट सकते हैं, यह देखना पड़ेगा।

जब भी कोई काम करने जाएं, उसकी समय-सीमा- जिसको डेडलाइन कहते हैं- तय करें। श्रीराम की सफलता के पीछे डेडलाइन थी 14 वर्ष की। यह केवल मंथरा या कैकेयी के मुंह से निकला हुआ समय का आंकड़ा नहीं था।

यह राम के लिए डेडलाइन थी कि मुझे 14 वर्ष में राजकुमार से लोकनायक तक की यात्रा करनी है। मनुष्य का मस्तिष्क प्रेशर अर्जेंसी में- आवश्यक दबाव में बहुत अच्छे से सक्रिय होता है और परिणाम देता है। जो भी काम करें, समयबद्ध होकर करें। समय का मान करें, समय आपका सम्मान करेगा।

छतरपुर के 5 चमत्कारी मंदिर, जहां शादी, संतान और स्वास्थ्य तीनों का मिलता है वरदान, दूर-दूर से आते हैं लोग

अगर आप ठंड सीजन में एमपी के छतरपुर में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां आप 5 ऐसे मंदिर भी घूम सकते हैं, जो दर्शनीय स्थल, तो हैं ही, साथ ही अपने चमत्कार के लिए भी जाने जाते हैं।

खजुराहो में स्थित भगवान शिव का ये मंदिर कुंवर मठ के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर को दूल्हा देव मंदिर के नाम से भी जाना जाता हैं। मंदिर के गर्भगृह में एक सुंदर शिवलिंग स्थापित है। लोकमान्यता है कि मंदिर के द्वार से बारात के लिए जो दूल्हा निकलता है वह इस मंदिर में आकर आशीर्वाद जरूर लेता है। क्योंकि इस मंदिर में भगवान शिव दूल्हा देव के रुप में विराजमान हैं। मान्यता है कि शिवलिंग की एक परिक्रमा

छतरपुर के बिजावर तहसील में स्थित जटाशंकर धाम जिसे केदारनाथ मंदिर भी कहा जाता है। यह धाम भगवान शिव की अनूठी कृपा और कई अलौकिक शक्तियों के लिए जाना जाता है। इस धाम के अंदर तीन कुंड मौजूद हैं, जिसमें से ठंडा, गर्म और साधारण पानी आता है। ऐसा माना जाता है कि इन कुंडों में स्नान करने से बड़े से बड़ा चर्म रोग दूर हो जाता है। यही वजह है कि लोग यहां से जल लेकर अपने-अपने घर ले जाते हैं।

खजुराहो में स्थित मंतगेश्वर महादेव मंदिर अपने आप में अनोखा है। यह मंदिर खजुराहो में सबसे पहले बना था। इस मंदिर का निर्माण 8-9वीं शताब्दी में बना था।शिवलिंग को हांथ से स्पर्श करने पर यहां श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी हो जाती है। हांथ से स्पर्श करने पर श्रद्धालुओं को एहसास होता है कि उनकी मनोकामना पूरी होती है।

छतरपुर जिले के लवकुश नगर मां बंबरबैनी माता मंदिर में एक ऐसा चमत्कारिक कुंड है, जहां संतान के रूप में बेटी की इच्छा पूरी होती है। दरअसल, इस चमत्कारिक कुंड में माता साक्षात विराजमान हैं। इस कुंड में पानी-दूध चढ़ाने के बाद मनोकामना मांगते समय बतासे डालने की परंपरा है। अगर एक बतासा भी ऊपर आ जाता है, तो आपकी मनोकामना पूरी हो जाती है।

शनि मंदिर मऊ सहानिया, छतरपुर जिले के नौगाँव और धुवेला क्षेत्र में प्राचीन शनि मंदिर स्थित है। ये तालाब के बीचों-बीच स्थित है। हालांकि, यहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क बनी हुई है। इस मंदिर में शनि के साथ 9 ग्रह भी विराजमान हैं। इसलिए इसे शनि नवग्रह मंदिर भी कहते हैं। यहां शनिवार को दूर-दूर से भक्त दर्शन के लिए आते हैं। यहां शनि देव की प्रतिमा पर तिल का तेल, काली तिल और उड़द चढ़ाने की परंपरा है। मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा से पूजा करने पर शनिदेव कृपा बरसाते हैं।

अगर आप मप्र के छतरपुर घूमना चाहते हैं तो यहां के चमत्कारी मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं। हवाई मार्ग से आप खजुराहो आ सकते हैं। साथ ही रेल मार्ग से छतरपुर और खजुराहो रेलवे स्टेशन आ सकते हैं। यहां से आप कार में खजुराहो के मंदिर, बिजावर के जटाशंकर धाम, मऊ सहानिया और लवकुश नगर जा सकते हैं।

घर के मंदिर में कितनी होनी चाहिए मूर्तियों की ऊंचाई ?

घर के मंदिर में भगवान की मूर्तियां रखना आम बात है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मूर्तियों की ऊंचाई के लिए कुछ खास नियम होते हैं? वास्तु शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मूर्तियों की ऊंचाई और उनकी स्थापना का तरीका सही होना चाहिए। यह न केवल ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित करता है बल्कि घर में सकारात्मकता भी लाता है।

मूर्तियों की ऊंचाई का महत्व

मूर्तियों की ऊंचाई का सीधा संबंध पूजा में ध्यान केंद्रित करने और सकारात्मक ऊर्जा से होता है। जब मूर्ति सही ऊंचाई पर रखी जाती है, तो पूजा करते समय आंखों का सीधा संपर्क भगवान की मूर्ति से होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार मूर्तियों की ऊंचाई

छोटी मूर्तियां

अगर घर का मंदिर छोटा है, तो 3 से 6 इंच की मूर्तियां उपयुक्त मानी जाती हैं। छोटी मूर्तियां कम जगह में भी उचित ऊर्जा का संचार करती हैं।

मध्यम आकार की मूर्तियां

घर के बड़े मंदिरों के लिए 12 से 18 इंच की मूर्तियां आदर्श मानी जाती हैं। यह ऊंचाई पूजा स्थल को भव्यता देती है और भक्तिभाव बढ़ाती है।

बड़ी मूर्तियां

घरों में 24 इंच से बड़ी मूर्तियां रखने की सलाह नहीं दी जाती है। यदि आप बड़ी मूर्तियां रखना चाहते हैं, तो उन्हें किसी मंदिर या सार्वजनिक स्थान पर रखना बेहतर होता है।

कैसा हो शिवलिंग का आकार

कुछ लोग घर के मंदिर में शिवलिंग रखने का शौक रखते हैं। ऐसे में घर के मंदिर में शिवलिंग का आकार भी अंगूठे के बराबर ही होना चाहिए। इससे बड़ा शिवलिंग घर में नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग बहुत ही संवेदनशील होता है. इसी वजह से घर में के मंदिर में छोटा सा शिवलिंग रखने का नियम है।

मूर्ति रखने के अन्य नियम

मूर्ति का स्थान: मूर्तियां हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करनी चाहिए।

दीवार से दूरी: मूर्तियों को दीवार से थोड़ा दूर रखें ताकि उनकी चारों ओर से ऊर्जा प्रवाहित हो सके।

टूटी मूर्तियां: घर में टूटी हुई मूर्तियां रखने से बचें। यह अशुभ माना जाता है।

मूर्ति की स्थिति: मूर्तियां हमेशा बैठी हुई या स्थिर मुद्रा में होनी चाहिए।

मूर्ति स्थापना के समय ध्यान देने योग्य बातें

पूजा स्थल हमेशा साफ और शांत होना चाहिए।

पूजा के समय दीपक और अगरबत्ती का उपयोग करें।

मूर्तियों को नियमित रूप से साफ करें और पूजा सामग्री से सुसज्जित रखें।

घर के मंदिर में मूर्तियां रखने का सही तरीका और उनकी ऊंचाई पर ध्यान देना न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन के लिए भी जरूरी है। सही दिशा-निर्देशों का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार को सुख-समृद्धि मिलती है।

कौन हैं मलाइका अरोड़ा का पहला क्रश, रूम में लगाती थीं एक्टर का पोस्टर, अभी भी संभाल रखी है तस्वीर

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने पुराने क्रश के लिए अपनी प्रशंसा जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके पुराने क्रश का खुलासा हुआ।

मलाइका का पोस्ट

मलाइका अरोड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चंकी की बेटी अनन्या पांडे की एक वीडियो क्लिप शेयर की, जिसमें अनन्या टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' में अपने माता-पिता चंकी और भावना की प्रेम कहानी बताती दिखीं। अनन्या ने बताया कि मलाइका के पास पहले चंकी का एक पोस्टर हुआ करता था, जो उनके रूम में था। मलाइका ने क्लिप शेयर करते हुए लिखा, '@chunkypanday मेरे पास अभी भी आपका पोस्टर है, चिंता मत करो।' दरअसल, मलाइका को एक समय चंकी पर क्रश था।

मलाइका पहले भी बता चुकी हैं पहले क्रश के बारे में

यह पहली बार नहीं है जब मलाइका ने चंकी के लिए अपने प्यार का इजहार किया हो। पहले 'झलक दिखला जा' शो में जज के रूप में मलाइका और फराह खान ने बताया था कि दोनों को चंकी पर क्रश था। 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' में फराह ने मजाक में कहा कि अनन्या उनकी बेटी हो सकती थी, क्योंकि उन्हें भी चंकी बहुत पसंद थे। अनन्या यह सुनकर शरमा गईं।

फराह का मजाक

वहीं, फराह ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में चंकी को बॉलीवुड का सबसे कंजूस व्यक्ति बताया था। जब कपिल शर्मा ने पूछा कि फराह और अनिल कपूर में कौन ज्यादा कंजूस है, तो फराह ने कहा कि वे दोनों उदार हैं, लेकिन चंकी सबसे कंजूस हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि वह चंकी से 500 रुपये मांगकर दिखा सकती हैं।

जिंदगी में कुछ भी हो सकता है

शहनाज गिल इन दिनों अपनी पंजाबी फिल्म 'इक कुड़ी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। हाल ही में उसने शादी को लेकर अपने विचार साझा करते हुए अपनी बातों से सबको हैरान कर दिया है। रियलिटी शो 'बिग बॉस' से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज का कहना है कि आज के दौर में शादी कोई जरूरी नहीं रह गई है लेकिन साथ ही यह भी कहा कि जिंदगी में कभी भी कुछ भी हो सकता है, इसलिए कभी न मत कहो ।

उसने साफ कहा, अगर जरूरत न हो तो शादी करना कोई मजबूरी नहीं है। कई लोग शादी करते हैं, यह उनकी पसंद है, लेकिन मैं अभी उस रास्ते पर नहीं जाना चाहती। हां, भविष्य में क्या होगा, यह कौन जानता शहनाज ने आगे कहा, शादी केवल दो लोगों का रिश्ता नहीं होता, बल्कि यह जिंदगी का बहुत बड़ा फैसला है। जब एक लड़की अपने माता-पिता का घर छोड़कर किसी लड़के के साथ पूरी जिंदगी बिताने का फैसला करती है, तो वह बहुत बड़ी बात होती है। आपको नहीं पता कि सामने वाला इंसान कैसा होगा, इसलिए सोच- समझकर फैसला लेना चाहिए ।

क्या दिया है किसी को धोखा

शहनाज से पूछा गया कि क्या उसने कभी किसी को धोखा दिया है तो उसने सच स्वीकार करते हुए कहा कि उसने रोमांटिक रिश्ते में ऐसा किया है। हालांकि, सफाई देते हुए उसने कहा, मैंने ऐसा सिर्फ इसलिए किया क्योंकि हमारी वाइब्स मैच नहीं हो रही थीं । जब आप किसी से कुछ उम्मीद करते हैं और वे उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते हैं.... तो मेरी भी वही उम्मीदें थीं। मैं बस देती नहीं रह सकती। मैं देने और लेने दोनों में यकीन करती हूं, इसलिए जब ऐसी चीजें होती हैं तो मैं इसे बंद कर देती हूं क्योंकि आप किसी और पर इतना अधिक इन्वैस्ट नहीं कर सकते । तब आप अपना बस समय बर्बाद कर रहे होते हैं ।

कैसा पार्टनर चाहती हैं

उसने प्यार को लेकर विचार भी शेयर करते हुए कहा, 'एक औरत प्यार के बदले प्यार पाना चाहती है। अगर कोई आपसे प्यार नहीं कर सकता तो फिर क्या मतलब ?

शहनाज से पार्टनर से उसकी उम्मीदों के बारे में पूछा गया तो उसका कहना था, ₹ मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर समझदार, खुले विचारों वाला और स्वतंत्र हो । उसे मुझे स्पेस देना चाहिए। साथी ऐसा हो कि हम एक-दूसरे को अपना काम दिखा सकें, साथ मिलकर एक-दूसरे की तारीफ कर सकें। बिना फोन के एक-दूसरे से बात कर सकें, हम साथ में ट्रैवल कर सकें।₹

'मैं जितने भी रिश्तों में रही हूं, मैंने हमेशा वित्तीय जिम्मेदारी को भी शेयर करने में यकीन किया है। जैसे अगर हम छुट्टियों पर होते हैं तो हम बिल आधे-आधे बांट लेते हैं। शहनाज ने कहा कि कुछ पुरुषों को यह आपत्तिजनक लगता है। उसने कहा, "पुरुषों को इससे समस्या है। उन्हें लगता है- तुम्हारा पैसा क्यों? मैं बस अपना पैसा खर्च कर सकता हूं। मुझे आश्चर्य है कि क्यों ? क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि वे इनसिक्यॉर हैं कि एक महिला अपने खर्चे खुद उठा सकती है? मैं इन चीजों को लेकर बहुत स्पष्ट हूं।

थलपति विजय के बेटे जेसन की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म का एलान

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय के बेटे जेसन संजय तमिल फिल्म इंडस्ट्री में बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली फिल्म के टाइटल की घोषणा हो गई है। फिल्म के शीर्षक के साथ अभिनेता संदीप किशन का पहला लुक भी जारी कर दिया गया है।

क्या है फिल्म का टाइटल?

लाइका प्रोडक्शन हाउस के तहत निर्माण हो रही जेसन संजय द्वारा निर्देशित डेब्यू फिल्म का शीर्षक 'सिग्मा' है। इस फिल्म में संदीप किशन मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता का पहला लुक भी सामने आ गया है। पोस्टर में एक्टर संदीप को सोने की ईंटों और पैसों के ढेर पर बैठे हुए दिखाया गया है। साथ ही वह अपने हाथ पर लगे घाव पर पट्टी बांधते दिख रहे हैं।

संदीप किशन ने बताया शीर्षक का अर्थ

अभिनेता संदीप किशन ने अपने एक्स अकाउंट पर इस टाइटल अनाउंसमेंट पोस्टर को साझा किया है। एक्टर ने शीर्षक के अर्थ को समझाया है।

उन्होंने ट्वीट किया, 'जेसन संजय के निर्देशन की पहली फिल्म 'सिग्मा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है। जब आप खुद पर कभी हार नहीं मानते, खासकर इस अन्यायपूर्ण दुनिया में, तो आप एक सिग्मा हैं। जेसन संजय आपको शानदार अनुभव देंगे।'

फिल्म के बारे में

फिल्म 'सिग्मा' को लाइका प्रोडक्शंस का समर्थन प्राप्त है। यह एक्शन-एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म है, जो छिपे हुए खजाने का पता लगाने का काम करेगी। फिल्म में संदीप किशन के अलावा फारिया अब्दुल्ला, राजू सुंदरम, अंबू थासन, योग जपी, संपत राज, किरण कोंडा और मगालक्ष्मी सुधारसनन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

उम्र का फासला मायने नहीं रखता : फातिमा

फातिमा सना शेख के लिए यह साल काफी अच्छा जा रहा है। इस साल रिलीज अपनी दोनों फिल्मों 'आप जैसा कोई' और 'मैट्रो इन दिनों' में उसके अभिनय को काफी पसंद किया गया और अब जल्द ही उसकी तीसरी फिल्म 'गुस्ताख इश्क' भी रिलीज होगी । इस फिल्म के अब तक रिलीज हुए तीन गाने ' गुस्ताख _इश्क', 'उल जलूल इश्क' और 'आप इस धूप और शहर तेरे' को काफी पसंद किया गया है। संगीत के मोर्चे पर फिल्म और भी खास है, क्योंकि गुलजार और विशाल भारद्वाज की जोड़ी एक बार फिर साथ आई है। इन दोनों ने पहले भी कई यादगार गीत दिए हैं और इस बार भी फैन्स को पुराने दौर की नजाकत और नए जमाने की तरंगों का अनोखा मेल देखने मिलेगा। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह और शारिब हाशमी जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

खास बात है कि इस साल फातिमा की ये तीनों ही फिल्में रोमांस तथा रिश्तों पर आधारित हैं। 'गुस्ताख इश्क' में पहली बार फातिमा और विजय वर्मा की जोड़ी एक साथ रोमांस करती नजर आएगी। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री पहले से ही चर्चा है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से रियल लाइफ में भी फातिमा और विजय के रोमांस की अफवाहें चर्चा में रही हैं।

दोनों को अक्सर साथ में देखा गया है। दोनों मनीष मल्होत्रा की दीवाली पार्टी में भी एक साथ पोज देते हुए नजर आए थे, जिसके बाद तो दोनों के बीच कुछ न कुछ होने की चर्चा ने और भी जोर पकड़ लिया था । वैसे विजय और फातिमा में से किसी ने भी अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा है। अपनी पिछली रिलीज फिल्म 'आप जैसा कोई' में वह आर. माधवन के साथ नजर आई थी। तब फातिमा से प्यार और रिश्तों के बारे में पूछे जाने पर उसने कहा था, "प्यार में समानता का मतलब है दो लोग एक- दूसरे का सम्मान करें, एक-दूसरे की बात सुनें और इन्कार न करें। मुझे लगता है कि अब यह एक बराबरी का रिश्ता है।

फिल्म 'आप जैसा कोई' में फातिमा ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया था जो अपने से बड़े उम्र के व्यक्ति के साथ प्यार में पड़ जाती है । उम्र फासले के मामले पर बोलते हुए फातिमा का कहना था, अगर रिश्ते में दोनों की भावनाएं मेल खाती हैं तो इससे फर्क नहीं पड़ता कि कोई लड़का मुझसे 10 साल बड़ा है। भावनाओं का स्तर एक जैसा होना चाहिए। उम्र में फर्क वाली चीज तो सदियों से होती आ रही है ।

बचपन से कर रही है एक्टिंग

गौरतलब है कि फातिमा बचपन से ही अभिनय जगत में सक्रिय है । कमल हासन निर्देशित फिल्म 'चाची 420' भारतीय सिनेमा की सबसे शानदार कॉमेडी फिल्मों में से एक मानी जाती है। फिल्म में, फातिमा ने हासन और तब्बू के किरदारों की बेटी भारती का किरदार निभाया था । यह फिल्म 1993 की हॉलीवुड क्लासिक 'मिसेज डाउटफायर' का हिंदी वर्जन थी ।

बचपन की इस फिल्म के कई साल बाद, फातिमा साल 2016 में नितेश तिवारी की फिल्म 'दंगल' में काम किया, जिससे उसे लोकप्रियता मिली जिसमें उसने आमिर खान के साथ अभिनय किया था ।

उर्वशी रौतेला ने खुद को बताया प्राकृतिक, राखी सावंत ने किया पलटवार, प्लास्टिक सर्जरी को लेकर कह दी बड़ी बात

राखी सावंत अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी प्लास्टिक सर्जरी को लेकर हमेशा से ही खुलकर बात की है। हाल ही में उन्होंने उर्वशी रौतेला पर बयानबाजी की है, जिन्होंने खुद को 'पूरी तरह से प्राकृतिक' बताते हुए 'पहाड़ी लड़की' बताया था। राखी ने उन पर निशाना साधते हुए कहा कि सभी ने उनकी पुरानी तस्वीरें देखी हैं, जो उनकी सर्जरी की ओर इशारा करती हैं।

राखी ने की उर्वशी पर बयानबाजी

राखी सावंत ने कहा 'कुछ लोग नहीं बोलते, फिर उर्वशी की तरह सब बोलते हैं 'मैं तो पैदाइशी ऐसी हूं!' उर्वशी हमने तुम्हारे पुराने फोटो देखे हैं बहन। प्लीज सबके पुराने फोटो देखो! देखो भाई एक बात बोलूं- सर्जरी करो या ना करो, वो आपकी मर्जी है, आपका अधिकार है। आपको अच्छा दिखना है, आपकी दाल-रोटी चल रही है, सर्जरी से आपको काम मिल रहा है, तो करना चाहिए! उसमें कोई बुरी बात नहीं है। आपकी बॉडी है, किसी और के शरीर पर थोड़े ना करवा रही हो।'

सर्जरी कराना खुद का फैसला

राखी सावंत ने आगे कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में सर्जरी करवाना अक्सर जरूरी होता है। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई भी सर्जरी करवाना चाहेगा, तो यह उनका अपना फैसला होगा और उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

सर्जरी को लेकर राखी का दावा

राखी सावंत ने आगे कहा 'इंडस्ट्री के सभी लोगों ने सर्जरी कराई है। किसी ने ए कराया, किसी ने बी कराया किसी ने तो पूरा कराया है। हर किसी की अपनी मर्जी है। उनको भी तो अच्छा दिखना है। तभी तो काम मिलेगा।'

राखी का पुराना डायलॉग

राखी ने कहा 'मेरा तो पुराना डायलॉग है 'जो खुदा ने पैदा करके नहीं भेजा, वो डॉक्टर ने दे दिया। नकली लगा दिया, हर चीज नकली लगा दी।'

मुझे अक्सर गलत समझा गया : जैनिफर लोपेज

जैनिफर लोपेज हॉलीवुड में एक सशक्त हस्ती रही है। चाहे अभिनय हो या गायन कौशल, , उसने हमेशा अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता के साथ प्रदर्शन करने का प्रयास किया है।

गया । इस वजह से, उसके लिए अभिनय कौशल दिखाने के अवसर बहुत कम हो गए। यह बात 56 वर्षीय जैनिफर को परेशान करती है ।

हाल ही में एक साक्षात्कार

उसने इंडस्ट्री में अपनी स्थिति और कितनी बार उसे और उसकी राय को

'गलत समझा 'गया, इस बारे में खुलकर बात की। हॉलीवुड के बारे में अपनी भावनाओं पर गहराई से बातचीत के दौरान उसने बताया कि उसे अक्सर काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है और गायन और नृत्य तक में उसे सीमित किया उसने कहा, लोग, जब आपको पहली नजर में किसी एक चीज से जोड़ कर देखने लगते हैं, तो उनके लिए आपको किसी और के रूप में देखना मुश्किल होता है। आपको बस उन्हें करके दिखाना होता है। आप इससे हतोत्साहित नहीं हो सकते।

अपने संघर्षों के बारे में की बात

पूछा गया कि क्या उसे अपने करियर की शुरुआत में एक अभिनेत्री के रूप में संघर्ष करना पड़ा, तो उसने स्वीकार किया कि कई कठिन दौर आए और उसको हमेशा कमजोर समझा गया। गौरतलब है कि जैनिफर ने गायन में सफलता के बाद ड्रामा फिल्म 'माई लिटिल गर्ल' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

छोटी-छोटी गलतियां बढ़ा सकती हैं बड़ी समस्या इन वजहों से होता है माइग्रेन अटैक

सिर में दर्द होना बहुत आम है। तनाव-चिंता, काम के दबाव या फिर कुछ प्रकार की प्रतिकूल परिस्थितियां सिर में दर्द का कारण बन सकती हैं। आमतौर पर सिरदर्द की दिक्कत अपने आप या फिर कुछ सामान्य से उपाय करके ठीक हो जाती है। हालांकि अगर आपको बार-बार ये दिक्कत हो रही है तो सावधान हो जाने की जरूरत है। यहां ये समझना भी जरूरी है कि हर बार सिरदर्द साधारण नहीं होता है। कुछ मामलों में सिरदर्द की समस्या माइग्रेन जैसी गंभीर स्थितियों का संकेत भी हो सकता है। वहीं जिन लोगों को पहले से माइग्रेन की दिक्कत बनी हुई है उन्हें अपनी सेहत को लेकर और भी सर्तकता बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

हर सिरदर्द माइग्रेन नहीं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आमतौर पर सिर, गर्दन या मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं या मांसपेशियों में तनाव की समस्या के कारण सिर में दर्द होता है। जबकि माइग्रेन की स्थिति इससे कुछ अलग होती है।

सामान्य सिरदर्द में दर्द हल्का से मध्यम होता है और सिर के दोनों ओर महसूस होता है। वहीं माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल या साइकोसोमेटिक समस्या मानी जाती है जिसमें सिर के एक तरफ तेज दर्द के साथ मितली जैसी दिक्कत भी बनी रह सकती है। माइग्रेन का दर्द कई घंटों से लेकर 2-3 दिन तक रह सकता है।

कहीं ट्रिगर न हो जाए माइग्रेन?

डॉक्टर कहते हैं, माइग्रेन सिर्फ सिरदर्द नहीं है, बल्कि यह मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं और नसों पर असर डालता है। लंबे समय तक इसे अनदेखा करने पर यह न्यूरोलॉजिकल समस्याओं जैसे नींद की गड़बड़ी, चक्कर, दृष्टि संबंधी समस्या और डिप्रेशन तक का कारण बन सकता है। अध्ययन बताते हैं कि गंभीर माइग्रेन वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ सकता है।

क्या आप जानते हैं कि कुछ स्थितियां माइग्रेन की समस्या को ट्रिगर करने वाली होती हैं? इनसे बचाव करते रहना बहुत जरूरी है।

ज्यादा तनाव लेना ठीक नहीं

तनाव माइग्रेन का सबसे आम कारण है। जब हम मानसिक दबाव में होते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन बढ़ जाते हैं, जिससे दिमाग की रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती और फैलती हैं। यह असंतुलन माइग्रेन को ट्रिगर कर सकता है।

नींद की कमी

रात में पर्याप्त नींद न लेना भी माइग्रेन का कारण बन सकते हैं। नींद के दौरान मस्तिष्क अपनी कार्यप्रणाली को मैनेज करता है, लेकिन जब नींद पूरी नहीं होती, तो मस्तिष्क में कुछ हार्मोन्स का स्तर प्रभावित हो जाता है इससे माइग्रेन अटैक का खतरा हो सकता है।

तेज रोशनी या शोर

लंबे समय तक मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन देखना, तेज रोशनी या बहुत ज्यादा आवाज के कारण भी माइग्रेन अटैक होने का जोखिम बढ़ सकता है। इस तरह की स्थितियां मस्तिष्क की नसों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ाने वाली हो सकती हैं। इससे आंखों में तनाव और सिरदर्द दोनों बढ़ने लगता हैं, जिससे माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है। माइग्रेन वाले लोगों में ये स्थितियां सबसे आम ट्रिगर वाली मानी जाती हैं।

ये ब्लड टेस्ट समय से पहले ही बता देते हैं हार्ट अटैक का जोखिम

क्या आपको हार्ट अटैक आ सकता है? अक्सर लोगों के मन में इसको लेकर कई सवाल रहते हैं। अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि कुछ लोगों को बेसिक मेडिकल रिपोर्ट अच्छा रहता है उसके बाद भी उन्हें हार्ट अटैक आ जाता है।

मशहूर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए बताया है कि हार्ट हेल्थ के खतरों को अब महीनों पहले ही पता लगाया जा सकता है। उनका कहना है कि कई लोगों के साथ ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हार्ट हेल्थ के बारे में गहराई से बताने वाले कुछ महत्वपूर्ण टेस्ट रेगुलर चेकअप में अक्सर छूट जाते हैं।

ये एडवांस टेस्ट दिल की दीवारों में हो रही सूजन, जेनेटिक जोखिम, और ब्लड वेसेल्स में जमा हो रहे फैट के पैटर्न का पता करते हैं। डॉक्टर सोलंकी ने ऐसे पांच ब्लड टेस्ट के बारे में बताया है जिसे आप अपने दिल को 'डेंजर जोन' में जाने से पहले ही पहचान सकते हैं और समय रहते आवश्यक बचाव के कदम उठा सकते हैं। आइए एक-एक करके जानते हैं।

HsCRP टेस्ट

डॉक्टर सोलंकी के मुताबिक पहला महत्वपूर्ण टेस्ट है HsCRP (हाई-सेंसिटिविटी सी-रिएक्टिव प्रोटीन)। यह हृदय की दीवारों या रक्त वाहिकाओं में हो रही सूजन को मापता है। डॉक्टर के अनुसार अगर आपके खून में इसका स्तर 2 से ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि आपका हृदय खतरे में है। यह सूजन ही आगे चलकर ब्लॉकेज और हार्ट अटैक का कारण बनती है।

Lip(a) और ApoB

दूसरा है Lip A (लाइपोप्रोटीन-ए), जो एक जेनेटिक कोलेस्ट्रॉल मार्कर है। अगर इसका स्तर 50 से ऊपर है, तो इसका मतलब आपको स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा है। तीसरा टेस्ट है ApoB (एपोबी), अगर यह 130 से ऊपर है, तो आपकी रक्त वाहिकाओं में फैट (वसा) जमा होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है।

LDL Particle Size और घनत्व

भले ही आपका सामान्य कोलेस्ट्रॉल लेवल नॉर्मल क्यों न हो, पर यह टेस्ट महत्वपूर्ण है। LDL Particle Size और घनत्व बताता है कि आपके बैड कोलेस्ट्रॉल के कण कितने छोटे और चिपचिपे हैं। यदि छोटे और घने LDL कण ज्यादा हैं, तो ये नस की दीवार पर चिपककर क्लॉट (थक्का) बनाने का खतरा अधिक रहता है।

HOMA-IR टेस्ट

पांचवा टेस्ट है HOMA-IR। अगर इस टेस्ट का स्तर 2.5 से ज्यादा है, तो इसका मतलब आपको इंसुलिन रेजिस्टेंस होने का खतरा ज्यादा है। इंसुलिन रेजिस्टेंस न केवल डायबिटीज बल्कि हार्ट अटैक के खतरे को भी बढ़ाता है। डॉक्टर सोलंकी के मुताबिक इन पांच ब्लड टेस्ट कराकर आप अपने हार्ट के स्वास्थ्य के बारे में अच्छे से जान सकते हैं। इन रिपोर्ट को किसी हृदय रोग विशेषज्ञ से दिखाकर आप अपने हार्ट हेल्थ के बारे अच्छे से जान सकते हैं।

डायबिटीज के बारे में ये चार चीजें अक्सर लोगों को करती हैं कंफ्यूज, जान लीजिए क्या है सच्चाई

डायबिटीज, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। भारत में इसके 80 मिलियन (8 करोड़) से अधिक रोगी हैं, शोधकर्ताओं का कहना है कि जिस गति से हर साल इसके मरीज बढ़ते जा रहे हैं ऐसे में आशंका है कि साल 2050 तक यह आंकड़ा 135 मिलियन (13.5 करोड़) को भी पार कर जाएगा। डायबिटीज के लिए लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। अक्सर इसे उम्र बढ़ने से संबंधित बीमारी के रूप में देखा जाता है, पर मधुमेह की समस्या बहुत कम आयु वालों को भी हो सकती है।

यदि आप शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहते हैं, आहार में प्रोसेस्ड-फास्ट फूड्स की मात्रा अधिक है या फिर परिवार में पहले भी कुछ लोगों को मधुमेह की समस्या रही है तो इसका जोखिम आपमें भी हो सकता है। हालांकि अक्सर लोगों का मानना रहा है कि डायबिटीज सिर्फ उन्हीं को होता है जो अधिक मीठा खाते हैं।

अधिक मीठा खाते हैं तो डायबिटीज हो सकता है।

मीठी चीजें या आहार में कार्बोहाइड्रेट की अधिकता डायबिटीज के खतरे को बढ़ाने वाली मानी जाती है। हालांकि सिर्फ यही मधुमेह का कारण नहीं है। कई जोखिम कारक और भी हैं जो आपमें टाइप-2 मधुमेह के खतरे को बढ़ा देते हैं। यदि आपका वजन अधिक है, शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहते हैं, प्रीडायबिटीज की समस्या है या मधुमेह का पारिवारिक इतिहास रहा है तो ये स्थितियां भी आपमें डायबिटीज का कारण हो सकती हैं।

सिर्फ उम्र बढ़ने पर ही होता है डायबिटीज

डायबिटीज से जुड़ा एक मिथ यह भी रहा है कि यह सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या है। पर

डॉक्टर्स बताते हैं जिस तरह से लोगों में लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी देखी जा रही है, उसने कम उम्र वालों में भी इसका जोखिम बढ़ा दिया है। 30 से कम आयु वालों को भी डायबिटीज की समस्या हो सकती है।

परिवार में किसी को डायबिटीज नहीं है तो इसका खतरा नहीं

यह सच है कि मधुमेह के लिए पारिवारिक इतिहास होना एक प्रमुख जोखिम कारक रहा है, पर बिना फैमिली हिस्ट्री वालों में भी यह बीमारी हो सकती है।

यदि आपकी अस्वास्थ्यकर जीवनशैली की आदतें हैं, भले ही परिवार में किसी को डायबिटीज नहीं रहा है तो इसका जोखिम आपको भी हो सकता है। सभी उम्र को लोगों को इस बीमारी से बचाव के लिए लगातार प्रयास करते रहने की सलाह दी जाती है।

डायबिटीज हो गया है तो फल नहीं खा सकते।

अक्सर फल, स्वाद में मीठे होते हैं और यह अवधारणा रही है कि मधुमेह से पीड़ित लोगों को मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचना चाहिए। मधुमेह वाले लोग फल नहीं खा सकते हैं, असल में यह पूरी तरह से सही नहीं है। फलों में प्राकृतिक शर्करा होती है, पर ये फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और आवश्यक खनिजों से भरपूर भी होते हैं। इसलिए जिन फलों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 50 से कम हो उनका सेवन किया जा सकता है। खट्टे फल, डायबिटीज में खाए जा सकते हैं।

रोज सुबह चाय के बजाय पी सकते हैं ये चार ड्रिंक्स, दिनभर रहेंगे एनर्जेटिक

हमारे देश में बहुत से लोगों को बिस्तर से उठते ही चाय की चुस्की लेने की आदत होती है। इस आदत को बहुत से लोग 'बेड टी' के नाम से जानते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार खाली पेट कैफीन और टेनिन वाली चाय पीने से पेट में एसिडिटी बढ़ती है और कई आवश्यक पोषक तत्वों का अवशोषण रुक जाता है। यह छोटी-सी आदत आपको लंबे समय में, पोषण की कमी और पाचन समस्याओं को जन्म दे सकती है।

ग्रीन टी

सुबह में दूध की चाय की जगह ग्रीन टी पीना एक शानदार विकल्प है। इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स (कैटेचिन) आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। ग्रीन टी दिमाग को हल्का करता है, जिससे अपकी एकाग्रता बढ़ती है और साथ आपका वजन कम करने में भी मदद करता है।

नींबू पानी

सुबह खाली पेट गुनगुने नींबू पानी से शुरुआत करना शरीर को डिटॉक्स करने का एक बेहतरीन तरीका है। यह विटामिन-सी का बड़ा स्रोत है, जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करता है। नींबू पानी पाचन तंत्र को सक्रिय करता है, लिवर को टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है, और आंतों की सफाई करता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर होती है।

नारियल पानी

नारियल पानी दिन की शुरुआत करने के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक पेय है। यह प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स (जैसे पोटैशियम) से भरपूर होता है, जो शरीर को तुरंत हाइड्रेट करता है और एनर्जी देता है। यह पेट के लिए बहुत हल्का होता है और एसिडिटी या अपच की समस्या पैदा नहीं करता। यह हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी सहायक है।

हर्बल टी

अदरक, तुलसी, पुदीना या कैमोमाइल से बनी हर्बल टी आपके पाचन को मजबूत बनाती है। कैमोमाइल चाय तनाव कम करने में सहायक है, जबकि अदरक और तुलसी पाचन को मजबूत बनाते हैं। ये चायें कैफीन-मुक्त होती हैं, इसलिए ये आपकी नींद की गुणवत्ता को खराब किए बिना शरीर को गर्माहट देती है और अंदरूनी आराम प्रदान करती हैं।

मसूढे और दांतों के लिए आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है। मेरे मसूढों में सूजन रहती है और खून आता है। नियम से ब्रश करने के बाद भी मुंह से बदबू आती है। ऐसा उपाय बताएं कि मेरे मसूढे और दांत स्वस्थ बन सके।

- आदर्श शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : लगता है आपको पायोरिया हो गया है। यह समस्या लापरवाही के कारण ही पनपती है। क्या आप सोने से पहले मसूढों और दांत को साफ करने पर पूरा ध्यान देते हैं? अगर रात्री भोजन के बाद आप दांत साफ नहीं करते - तब भोजन के कण दांतों में फंसे होने के कारण वहां जीवाणु पनपते हैं और धीरे-धीरे वह मसूढों और दांतों को खराब करने लगते हैं। सही ढंग से मुख की सफाई नहीं होने के कारण ही मसूढों में सूजन और खून आने लगता है। यदि यहां भी आप नहीं चेते तब दांत हिलने लगते हैं, उसमें कीड़े भी लग सकते हैं और वह समय से पहले गिर भी सकते हैं।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। आप ऊंझा दशनसंस्कार मंजन में इरिमेदादी तेल मिलाकर सुबह और रात सोने से पहले दांत मांजे। इसी तेल से मसूढों की मालिश करें। हर बार भोजन करने और चाय कॉफी या कोई भी पेय पदार्थ लेने के बाद गरारे करें ,कुल्ली करें। भोजन के बाद ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी, गंधक रसायन टिकिया व कांचनार गुग्गुलु लेवें। थोड़े ही दिनों में चलदंत , कृमिदंत, पायोरिया, मुख की दुर्गंध पूरी तरह से ठीक हो जाएगी.। चॉकलेट, टॉफी, मीठे पदार्थ आदि खाने से बचें । आइसक्रीम, व ठंडे पेय भी न खाएं । ऐसा करने से आपको राहत जल्दी ही मिलेगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले तीन वर्षों से एक्जिमा रोग से परेशान हूं। उपचार बताएं ।

- दामोदर राव जड़चर्ला

उत्तर : एग्जिमा को आयुर्वेद में ₹विचर्चिका₹ और सामान्य बोली में ₹छाजन₹ कहते हैं। यह त्वचा की ऊपरी परत की कोशिकाओं की शोथ की अवस्था है। यह त्वचा पर जीवाणु, विषाणु, फफूंद आदि के संक्रमण और दूसरे प्रतिक्रिया स्वरूप यानी अनुर्जता के कारण आ सकती है । यह सूखे और गीले रूप से दो प्रकार की होती है। सूखी दाद वर्षों पुरानी भी हो सकती है। यह ज्यादातर कांखों व जननेंद्रिय के आसपास ही पनपती है। आयुर्वेद में इसकी शमन व शुद्धि चिकित्सा की जाती है। स्नेहपान,स्वेदन, विरेचन, बस्ति,नस्य और रक्तमोक्षण जैसे कर्म करने से शरीर की पूरी शुद्धी हो जाती है। इसके बाद पंचतिक्त घृत 2 से 5 ग्राम की मात्रा में पिलाया जाता है। इसके बाद पंचनिंबादि चूर्ण, चोपचिन्यादी चूर्ण, गिलोय सत्व और मंजिष्ठादि चूर्ण को मिलाकर दिया जाता है। योगों में औरा एलेक्झी टिकिया, ऊंझा महामंजिष्ठादिघन टिकिया, ऊंझा गंधक रसायन टिकिया अति उपयोगी है । रस माणिक्य भी दिया जाता है। भोजन के बाद ऊंझा

,सारीवाद्यारिष्ट वह ऊंझा महामंजिष्ठादि क्वाथ प्रत्येक 10 -10 मिलीलीटर को दोगुने गुनगुने जल में भोजन के बाद कम से कम 3 महीने प्रयोग करें। चटपटे खाद्य पदार्थ, नमकीन, बासी भोजन का त्याग करें। कपड़े केवल सूती- काटन के ही पहने । अंतर्वस्त्र काटन के ही होना चाहिए।

प्रश्न : पिछले वर्ष से मुझे सियाटिका सता रहा है। कमर से सीधे पैर तक दर्द बना रहता है। धीरे-धीरे पैर की तीन उंगलियों में नंबनेस आ गया है। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है?

- के श्रीपति राव, करीमनगर

उत्तर : जो पीड़ा कमर के अधो पृष्ठ भाग से प्रारंभ होकर जंघा के अग्रभाग से गुजरती है तथा पैर के मध्य अधोभाग एवं पाद के मध्य भाग तक जाती है उसे ₹गृध्रसीवात₹ याने सियाटिका कहते हैं। पैर की तीन उंगलियों में नंबनेस यानी सूनापन आने का कारण है गृध्रसी नाड़ी का शोथग्रस्त होना ।आयुर्वेद में स्थिति का उपचार है ।

एकौषधि में

* निर्गुडी (संभालू) के पत्तों का काढ़ा 14 से 28 मिलीलीटर दिन में तीन बार प्रयोग करें राहत मिलेगी।

* रसोन पिंड (लहसुन का पेस्ट) एक ग्राम की मात्रा में 250 मिली लीटर दूध के साथ दिन में तीन बार लेने से गृध्रसी में बहुत आराम मिलता है।

* ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु दो से चार गोली, ऊंझा वात गजांकुश रस के साथ गुनगुने पानी से दिन में तीन बार लेने से राहत मिलती है।

*ऊंझा महारास्नादि क्वाथ 20 मिलीलीटर दवा दिन में दो आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर, भोजन के बाद पीने से काफी आराम मिलता है।

* औरा का रुमाटाइज तैल या ऊंझा महानारायण तेल का अभ्यंग याने मालिश करने से तुरंत लाभ मिलता है।

कष्ट के समय आराम बेहद जरूरी है। वातवर्धक आहार-विहार से बचना आवश्यक है। सीधी ठंडी हवा, ज्यादा हलचल, रात्रि जागरण से बचें। गरिष्ठ भोजन से बचे। कंदमूल जैसे आलू, रतालू ,अरवी आदि न खाएं। चिकित्सा योग्य वैद्य के संरक्षण में कराएं - अवश्य लाभ होगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

लंग्स कैंसर में सबसे पहले दिखते हैं ये लक्षण समय पर हो गई पहचान तो बच सकती है जान

फेफड़ों का कैंसर, दुनियाभर में बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी का अनुमान है कि हर साल 2.38 लाख से अधिक लोगों में फेफड़ों के कैंसर का निदान होता है, 50-60 हजार लोगों की इस कारण से मौत हो जाती है। आमतौर पर माना जाता है कि धूम्रपान करने वालों में इस कैंसर का जोखिम अधिक होता है, पर यह उन लोगों को भी प्रभावित कर सकता है जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया है। धूम्रपान फेफड़ों को लाइन करने वाली कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। भारत में इसका जोखिम अधिक देखा गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु का प्रमुख कारण, इस समस्या का समय रहते निदान न हो पाना है। अधिकांश मामलों में फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती लक्षण नहीं दिखाते हैं, पर कुछ संकेतों पर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है। समय पर निदान और इलाज हो जाने पर

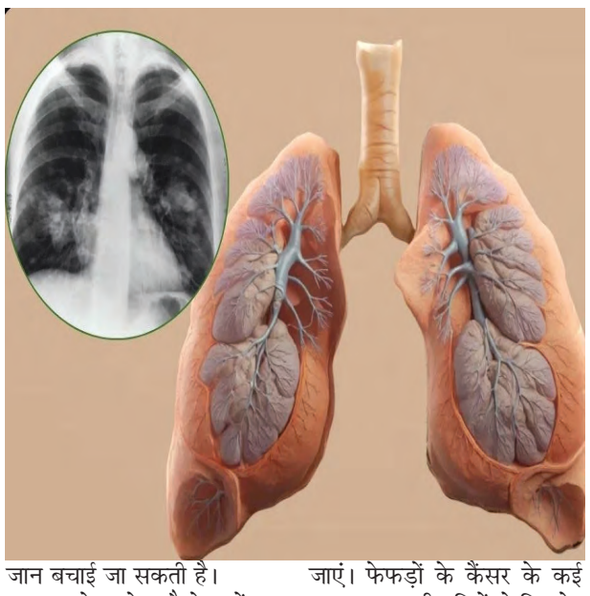

जान बचाई जा सकती है।

जानलेवा होता है फेफड़ों का कैंसर

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के मुताबिक फेफड़ों का कैंसर काफी गंभीर होता है, जिसको लेकर सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। ज्यादातर मामलों में फेफड़े के कैंसर तब तक कोई लक्षण पैदा नहीं करते जब तक कि वे फैल न जाएं। फेफड़ों के कैंसर के कई लक्षण अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते भी हो सकते हैं, यही कारण है कि लोगों में समय रहते इसका निदान नहीं हो पाता है। हालांकि अपने जोखिम कारकों को समझते हुए सभी लोगों को इससे बचाव करते रहना जरूरी है।

ऐसे शुरुआती संकेतों पर गंभीरता से दें ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, यदि आपको लंबे समय से कुछ प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं बनी हुई हैं और सामान्य उपचार से इसमें लाभ नहीं मिल रहा है तो इस बारे में अलर्ट हो जाने की आवश्यकता है।

खांसी जो ठीक न हो रही हो या इसकी समस्या बढ़ रही हो।

खांसी से खून आने की दिक्कत।

सीने में दर्द जो अक्सर गहरी सांस लेने, खांसने या हंसने से बढ़ जाता है।

आवाज में कर्कशता।

अस्पष्टीकृत वजन घटाने की समस्या।

सांस लेने में कठिनाई।

थकान या कमजोरी महसूस होना।

ब्रोंकाइटिस और निमोनिया जैसे संक्रमण जो ठीक नहीं होते हैं या बार-बार हो जाते हैं।

कैंसर बढ़ने पर होने वाले लक्षण

यदि फेफड़ों का कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलता है, तो इस स्थिति में आपको कई गंभीर समस्याओं का अनुभव हो सकता है।

हड्डी में दर्द (जैसे पीठ या कूल्हों में दर्द)

तंत्रिका तंत्र की समस्या जैसे सिरदर्द, कमजोरी या हाथ या पैर की सुन्नता, चक्कर आना, संतुलन की समस्याएं।

त्वचा और आंखों में पीलापन बढ़ना।

लिम्फ नोड्स में सूजन।

बचाव के उपाय करना सभी के लिए जरूरी

फेफड़ों के कैंसर से बचाव करना सभी के लिए जरूरी है, भले ही आपमें इसकी फैमिली हिस्ट्री रही हो या नहीं। यह कैंसर किसी को भी हो सकता है, ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखते हुए इससे बचाव करते रहना बहुत आवश्यक है। धूम्रपान बिल्कुल न करें और सेकेंडहैंड धूम्रपान से बचें। यदि आप धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के साथ रहते हैं या काम करते हैं, तो इससे आपको भी खतरा हो सकता है।

फलों और सब्जियों से भरपूर आहार लें और व्यायाम जरूर करें। कुछ प्रकार के योग-अभ्यास फेफड़ों को स्वस्थ रखने और इसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

अमेरिका की मार से चीन पस्त... टैरिफ ने डुबोया, क्या भारत के लिए बनेगा चांस?

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के निर्यात में अमेरिका के टैरिफ के कारण भारी गिरावट आई है। अक्टूबर में चीन के निर्यात में 1.1% की कमी देखी गई। यह फरवरी के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। इस स्थिति को विश्लेषक भारत के लिए एक अवसर के तौर पर देख रहे हैं ताकि इस गैप को भरा जा सके।

यह गिरावट अमेरिका की ओर से लगाए गए 45% टैरिफ का सीधा असर है। इसने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। यह गिरावट इस बात की याद दिलाती है कि चीन की अर्थव्यवस्था अमेरिकी उपभोक्ताओं पर कितनी निर्भर है। रॉयटर्स के अनुसार, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से होने वाले निर्यात में पिछले महीने अप्रत्याशित रूप से गिरावट आई। अक्टूबर में चीन से होने वाले निर्यात में 1.1% की कमी आई। यह फरवरी के बाद का सबसे खराब प्रदर्शन था, जो सितंबर में 8.3% की बढ़ोतरी से उलट गया। वहीं, 3% के ग्रोथ अनुमान से काफी कम रहा।

अमेरिका को होने वाले सालाना निर्यात में भारी गिरावट

चीन से अमेरिका को होने वाले निर्यात में साल-दर-साल 25.17% की गिरावट आई। हालांकि, यूरोपीय संघ और दक्षिण पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को होने वाले निर्यात में मामूली बढ़ोतरी हुई। यह सिर्फ 0.9% और 8.9% रही। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अमेरिकी बाजार के नुकसान ने एक्सपोर्ट ग्रोथ को लगभग 2% या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 0.3% तक कम कर दिया है। इस भारी गिरावट के बावजूद अमेरिका को चीन के 400 अरब डॉलर से अधिक के वार्षिक निर्यात से मेल खाने वाला कोई अन्य देश करीब भी नहीं है।

अब सवाल यह उठता है कि क्या भारत इस संकट का फायदा उठा सकता है और चीन की जगह ले सकता है, कम से कम आंशिक रूप से? हालांकि, भारत खुद भी 50% अमेरिकी टैरिफ के भारी बोझ तले दबा है। फिर भी वह कुछ ऐसे उत्पादों को बेचकर लाभ उठा सकता है जो पहले चीन से सप्लाई होते थे। दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि नई दिल्ली अपनी निर्यात नीति को कैसे एडजस्ट करती है ताकि बीजिंग के छोड़े गए गैप को भरा जा सके।

क्या कह रहे हैं जानकार?

विश्लेषकों का मानना है कि चीन पहले ही अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुका है। वह अमेरिका को और अधिक सामान नहीं बेच सकता क्योंकि उसने पहले ही पर्याप्त मात्रा में सामान भेज दिया है। नैटिक्सिस की एशिया-प्रशांत क्षेत्र की मुख्य अर्थशास्त्री एलिसिया गार्सिया-हेर्रेरो ने रॉयटर्स से कहा, 'मुझे लगता है कि पीएमआई हमें पहले से ही चेतावनी दे रहा था कि चीनी निर्यात हमेशा के लिए नहीं बढ़ सकता है और यह केवल अमेरिका के कारण नहीं है, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'वियतनाम के माध्यम से अमेरिका को होने वाला निर्यात फ्रंट-लोडिंग (सामान को पहले ही भेज देना) खत्म होने के बाद धीमा हो जाएगा और हम वहीं हैं।

दत्ता से कोई कनेक्शन नहीं... यह कहते ही अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर झूम उठे, कई दिनों बाद आई तेजी

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को झूम उठे। सोमवार को इसमें दोपहर 12 बजे तक करीब 8 फीसदी की तेजी आ चुकी थी। हालांकि इस तेजी के बाद इसमें कुछ गिरावट भी दिखी, लेकिन फिर भी यह शेयर दोपहर 12:30 बजे 5.63% की तेजी के साथ 41.45 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इस शेयर में तेजी इसलिए आई क्योंकि कंपनी ने साफ किया कि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से एक फर्जी बैंक गारंटी मामले में गिरफ्तार किया गया व्यक्ति कंपनी या उसकी सहायक कंपनियों से किसी भी तरह से जुड़ा नहीं है।

रिलायंस पावर ने शनिवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा था कि अमर नाथ दत्ता की गिरफ्तारी का कंपनी के कारोबारी संचालन, वित्तीय प्रदर्शन या हितधारकों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि रिलायंस पावर और उसकी सहायक कंपनी, रिलायंस एनयूबीईएसएस लिमिटेड, दोनों ही धोखाधड़ी, जालसाजी और धोखाधड़ी की साजिश का शिकार हैं।

क्या हैं दत्ता पर आरोप?

प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को कोलकाता के एक कंसल्टेंट दत्ता को गिरफ्तार किया था। एजेंसी का आरोप है कि दत्ता ने सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के एक टेंडर में रिलायंस पावर की सहायक कंपनी को योग्य बनाने के लिए 68 करोड़ रुपये से अधिक की फर्जी बैंक गारंटी की व्यवस्था करने और जमा करने में सक्रिय भूमिका निभाई थी। एजेंसी के अनुसार दत्ता ने कंपनी के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी अशोक पाल और ओडिशा स्थित बिसवाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल के साथ मिलकर काम किया था। इन दोनों को इसी मामले में पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। दत्ता को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें चार दिनों की ईडी हिरासत में भेज दिया गया।

रिलायंस ग्रुप पर लोन धोखाधड़ी का आरोप

यह फर्जी बैंक गारंटी मामला अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग और लोन धोखाधड़ी की ईडी की व्यापक जांच का हिस्सा है। एजेंसी ने भारतीय स्टेट बैंक में एक अलग कथित बैंक लोन धोखाधड़ी के संबंध में अंबानी को 14 नवंबर को पूछताछ के लिए तलब किया है। इस महीने की शुरुआत में ईडी ने 7,500 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की थी।

इसमें नवी मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी में 132 एकड़ से अधिक जमीन भी शामिल है, जिसका मूल्य 4,462.81 करोड़ रुपये है। यह कदम रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस जैसी समूह की संस्थाओं द्वारा कथित तौर पर सार्वजनिक धन के डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) की चल रही जांच का हिस्सा है।

कई दिनों बाद तेजी

रिलायंस पावर के शेयर में सोमवार को कई दिनों बाद तेजी आई। इस महीने यह पहली बार है जब शेयर ने छलांग लगाई है। इस महीने यानी 1 नवंबर से लेकर अब तक इस शेयर में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इस गिरावट का कारण ग्रुप के खिलाफ चल रही जांच है। यह शेयर अपने 52 हफ्ते की ऊंचाई के मुकाबले अब तक करीब 45 फीसदी गिर गया है।

शेयर बाजार में बढ़त के साथ क्लोजिंग

सेंसेक्स 319 अंक चढ़ा, निफ्टी 25550 के पार

मुंबई,10 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में तीन दिनों की गिरावट के बाद सोमवार को फिर से तेजी लौटी। आईटी और वित्तीय शेयरों में खरीदारी तथा वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के चलते बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में बढ़त दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 319.07 अंक या 0.38% की बढ़त के साथ 83,535.35 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 538.21 अंक चढ़कर 83,754.49 के उच्चतम स्तर तक गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 82.05 अंक या 0.32% की तेजी के साथ 25,574.35 पर बंद हुआ, यह दिन के कारोबार के दौरान 161.15 अंक चढ़कर 25,653.45 तक पहुंचा। सेंसेक्स की प्रमुख लाभकारी कंपनियों में इंफोसिस, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, टीसीएस, भारती एयरटेल, टाइटन, बजाज फिनसर्व, रिलायंस और एलएंडटी शामिल रहीं। दूसरी ओर ट्रेंट लिमिटेड, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एसबीआई, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एनटीपीसी में गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बताया कि अमेरिका में शटडाउन के समाधान और दूसरी तिमाही की सकारात्मक आय रिपोर्टों ने विदेशी निवेशकों को फिर से बाजार में लौटने के लिए प्रेरित किया। अमेरिका में 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि और सरकारी कामकाज की बहाली से जोखिम लेने की प्रवृत्ति में सुधार हुआ है। घरेलू स्तर पर मजबूत आर्थिक संकेतकों के चलते वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में कंपनियों के आय अनुमानों में वृद्धि की उम्मीद है। इससे बाजार में मूल्यांकन को समर्थन मिलने और लिक्विडिटी में इजाफा होने की उम्मीद है। एशियाई बाजारों में भी तेजी रही। कोस्पी 3.02%, हैंगसेंग 1.55%, निक्केई 1.33% और शंघाई कंपोजिट 0.53% की बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में भी सकारात्मक रुख देखा गया, जबकि शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों ने भी मजबूती दिखाई। शुक्रवार को एफआईआई ने 4,581.34 करोड़ के शेयर खरीदे, जबकि डीआईआई ने 6,674.77 करोड़ की खरीदारी कर उन्हें पीछे छोड़ दिया था। अमेरिका में सीनेट की ओर से शटडाउन को समाप्त करने की हुई पहल के बाद सोमवार को यूरोप और एशिया में शेयरों में तेजी आई। सीनेट ने रविवार देर रात एक परीक्षण मतदान में संघीय सरकार को वित्तपोषित करने के लिए समझौता विधेयक पारित करने की दिशा में आगे बढ़ने की प्रक्रिया शुरू की।

केंद्रीय बजट की तैयारी शुरू, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अर्थशास्त्रियों के साथ की बैठक

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारियों के तहत देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली पूर्व-बजट परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी। बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस बैठक के माध्यम से सरकार ने आर्थिक विशेषज्ञों से बजट से जुड़ी नीतिगत प्राथमिकताओं, विकास की रणनीतियों और वित्तीय स्थिरता पर सुझाव आमंत्रित किए।

पूर्व चर्चाओं की श्रृंखला की शुरुआत

अर्थशास्त्रियों के साथ बजट - पूर्व परामर्श सुबह 10 बजे शुरू हुआ और दोपहर 12 बजे तक चला। इसके बाद दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक प्रख्यात कृषिविदों और किसान संगठनों के साथ परामर्श का एक और दौर होगा। ये बैठकें बजट- पूर्व चर्चाओं की श्रृंखला की शुरुआत का प्रतीक हैं, जिसे वित्त मंत्रालय हर साल बजट तैयार करने की प्रक्रिया के हिस्से के रूप में आयोजित करता है।

क्यों की जाती हैं ये बैठकें?

बजट- पूर्व बैठक, अंतिम वार्षिक बजट तैयार करने और उसे विधानमंडल में प्रस्तुत करने से पहले, सरकारी वित्त अधिकारियों और वित्त मंत्री की विभिन्न हितधारकों के साथ आयोजित परामर्श और चर्चा की प्रक्रिया है।

ये बैठकें वित्त मंत्री के लिए उद्योग संघों, ट्रेड यूनियनों, अर्थशास्त्रियों, राज्य सरकार के अधिकारियों और सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न प्रकार के प्रतिभागियों से सुझाव, मांगें और इनपुट एकत्र करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करती हैं। इन चर्चाओं के माध्यम से वित्त मंत्रालय का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि केंद्रीय बजट विविध दृष्टिकोणों को प्रतिबिंबित करे और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करे। अर्थशास्त्रियों और कृषिविदों के साथ आज का परामर्श सरकार की व्यापक सहभागिता प्रक्रिया का पहला चरण है, जो केंद्रीय बजट 2026-27 की प्रस्तुति तक ले जाएगा।

1 फरवरी को पेश होगा बजट

केंद्रीय बजट आमतौर पर हर साल 1 फरवरी को पेश किया जाता है। इस साल भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) सहित विभिन्न चैंबर ऑफ कॉमर्स ने केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए अपना बजट पूर्व ज्ञापन मंत्रालय को सौंप दिया है। उन्होंने सरकार से प्रत्यक्ष कर सुधारों की एक श्रृंखला अपनाने, कर आधार बढ़ाने, विनिर्माण, नवाचार और कर अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है।

डिजिटल गोल्ड में खतरा ही खतरा, सेबी ने दी चेतावनी

कहा– कुछ गलत हुआ तो हम जिम्मेदार नहीं

नई दिल्ली,10 नवंबर (एजेंसियां)। अगर आप डिजिटल गोल्ड में निवेश करने हैं सावधान हो जाइए। इसे लेकर शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी ने चेतावनी जारी की है। सेबी ने आम लोगों को डिजिटल गोल्ड या ई-गोल्ड जैसे उत्पादों में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से निवेश करने के खिलाफ चेतावनी दी है। सेबी का कहना है कि ये उत्पाद सरकारी मंजूरी वाले 'सिक्योरिटीज' नहीं हैं और इसलिए सेबी के दायरे में नहीं आते। सेबी ने यह भी साफ किया है कि अगर इन डिजिटल गोल्ड उत्पादों में निवेश करने वाले किसी निवेशक को कोई शिकायत होती है, तो सेबी के तहत मिलने वाली कोई भी निवेशक सुरक्षा सुविधा उन्हें नहीं मिलेगी। सेबी की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब सोने की कीमतें दुनिया भर में अपने उच्चतम स्तर के करीब हैं। हाल ही में, भारत में सोने की खूब खरीदारी हुई थी।

इन प्रोडक्ट पर सेबी का कंट्रोल

सेबी ने बताया है कि उसने सोने और सोने से जुड़े अन्य साधनों में निवेश को आसान बनाया है। ये सेबी द्वारा नियंत्रित गोल्ड प्रोडक्ट हैं। इनमें एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स, म्यूचुअल फंड की ओर से पेश किए जाने वाले गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड और स्टॉक एक्सचेंजों पर ट्रेड होने वाली इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स शामिल हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक इन सेबी-विनियमित गोल्ड उत्पादों में निवेश सेबी के पंजीकृत मध्यस्थों के माध्यम से किया जा सकता है और ये सेबी द्वारा निर्धारित नियामक ढांचे के तहत आते हैं।

इस मामले में भी चेताया

सेबी ने यह भी ध्यान दिया है कि कई कंपनियां फिजिकल गोल्ड के विकल्प के तौर पर ई-गोल्ड और डिजिटल गोल्ड उत्पाद बेच रही हैं। सेबी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद सेबी-विनियमित गोल्ड उत्पादों से अलग हैं क्योंकि वे न तो सिक्योरिटीज के रूप में अधिसूचित हैं और न ही कमोडिटी डेरिवेटिव के रूप में विनियमित हैं। वे पूरी तरह से सेबी के दायरे से बाहर काम करते हैं। सेबी ने आगे कहा कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पादों में निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण जोखिम हो सकते हैं और ये निवेशकों को काउंटरपार्टी और परिचालन जोखिमों के संपर्क में ला सकते हैं।

सोना 2,341 बढ़कर 1.22 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

इस साल 46,279 महंगा हुआ; चांदी में 3,368 बढ़ोतरी, 1.52 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 10 नवंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 2,341 रुपए बढ़कर 1,22,441 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,20,100 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी 3,368 रुपए बढ़कर 1,51,643 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,48,275 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 46,279 और चांदी 65,626 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 46,279 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,22,441 रुपए हो गया है।चांदी का भाव भी इस दौरान 65,626 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,51,643 रुपए प्रति किलो हो गई है।

पाकिस्तान पर 19%, भारत पर 50%...आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने ट्रंप-मोदी दोस्ती पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोस्ती पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है जबकि पाकिस्तान पर केवल 19% टैरिफ लगाया गया है। ऐसे में ट्रंप और मोदी की दोस्ती का क्या मतलब है? राजन ने साफ कहा कि अमेरिका भरोसे के लायक नहीं है और टैरिफ का यह पूरा मामला भारत के लिए काफी निराशाजनक रहा है। अमेरिका ने भारत पर 25% टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। बिजनेस टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक राजन ने शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स द्वारा आयोजित एक बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले 20 साल में भारत अमेरिका के करीब आ रहा था और अब उसे बहुत निराशा हुई है। मैं नेताओं की बात नहीं कर रहा बल्कि मैं उन लोगों की बात कर रहा हूं जिन पर यह टैरिफ लगा है। मैं घाव पर नमक छिड़कना नहीं चाहता। लेकिन एक तरफ पाकिस्तान पर 19% टैरिफ है और दूसरी तरफ भारत पर 50%। मोदी और ट्रंप की दोस्ती का क्या हुआ जिसका इतना बखान किया गया था? यह मोदी के लिए एक झटके जैसा है क्योंकि भारत का विपक्ष उनसे पूछ रहा है 'आपकी दोस्ती कहां है?'

अमेरिका पर भरोसा

मोदी सरकार की नीतियों के धुर आलोचक रहे राजन ने कहा कि यह नहीं हो सकता है कि अमेरिका भारत पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाए और फिर सैन्य दोस्ती, गठजोड़ और संयुक्त युद्धाभ्यास जैसी बातें करे। राजन ने कहा, 'अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर था। अमेरिका ने पाकिस्तान की मदद के लिए अपना सातवां बेड़ा भेजा था। भारतीय इससे बहुत नाराज थे और सोवियत संघ ने भारत की मदद की। इसने भारत को 25 साल के लिए सोवियत खेमे में डाल दिया।' उन्होंने आगे कहा कि भारत को उस खेमे से बाहर निकालने में बहुत समय लगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं। उसकी सीमा चीन से लगती है जिसके साथ भारत के रिश्ते ठीक नहीं हैं। भारत चीन पर भरोसा नहीं करता है। भारत के बाजार चीनी माल से भरे पड़े हैं जो सरकार के लिए चिंता की बात है। भारत चीनी निवेश का स्वागत करता है लेकिन चीन पर निर्भर होने को लेकर थोड़ा सावधान रहना चाहता है। जापान, ऑस्ट्रेलिया और अन्य ट्रैक्टर देशों के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं, लेकिन वह अमेरिका के साथ भी एक रिश्ता बनाना चाहता था और उसे बहुत निराशा हुई। राजन ने कहा कि भारत पर 50% टैरिफ से विभिन्न उद्योगों को अलग-अलग तरह से प्रभावित किया है। ऐपल जैसी बड़ी कंपनियों पर भले ही कोई असर न हो लेकिन छोटी कंपनियों को 50% टैरिफ के साथ अमेरिका में अपने उत्पाद बेचना टिकाऊ नहीं लग रहा है। उन्होंने कहा, 'एक बार जब ये रिश्ते टूट जाते हैं तो उन्हें वापस बनाना मुश्किल होता है। आमतौर पर छोटे और मझोली कंपनियां ही इससे प्रभावित होंगी। यह मामला जितना लंबा चलेगा, उतनी मुश्किल बढ़ती जाएगी।'

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - तुला में		तुला	04-36 बजे
चंद्र - कर्क में		वृश्चिक	06-45 बजे
मंगल- वृश्चिक में		धनु	08-59 बजे
बुध - वृश्चिक में		मकर	11-06 बजे
गुरु कर्क में		कुंभ	13-05 बजे
शुक्र - तुला में		मीन	14-34 बजे
शनि मीन में		मेष	16-10 बजे
राहु कुंभ में		वृष	17-55 बजे
केतु सिंह में		मिथुन	19-54 बजे
		कर्क	22-10 बजे
		सिंह	00-20 बजे
		कन्या	02-26 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-18**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-41**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष मंगलवार **11 Nov**
तिथि - सप्तमी **23-09** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र -पुष्य **18-17** तक आश्लेषा
योग - शुभ **09-44** तक शुक्ल
करण - विष्टी (भद्रा) **11-32** तक उप बव
व्रत त्योहार भद्रा काल **11-32** तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 14-50 से 16-15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया			रात का चौघडिया		
रोग	06-19 - 07-45	अशुभ	काल	17-39 - 19-15	अशुभ
उत्पात	07-45 - 09-10	अशुभ	लाभ	19-15 - 20-50	शुभ
चंचल	09-10 - 10-35	शुभ	उत्पात	20-50 - 22-25	अशुभ
लाभ	10-35 - 12-00	शुभ	शुभ	22-25 - 00-00	शुभ
अमृत	12-00 - 13-25	शुभ	अमृत.	00-00 - 01-35	शुभ
काल	13-25 - 14-50	अशुभ	चंचल	01-35 - 03-10	शुभ
शुभ	14-50 - 16-15	शुभ	रोग	03-10 - 04-46	अशुभ
रोग	16-15 - 17-39	अशुभ	काल	04-46 - 06-19	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । आप अपने व्यस्त जीवन में भी सही तरीके से व्यवस्था बनाये रखने की अपनी काबिलियत को तभी तक बनाये रख सकते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें ।दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आज आप ख़ुशी मनाने के मूड में अधिक रहेंगे लेकिन आपको यह भी समझना चाहिए।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

घाटशिला उप चुनाव आज, 300 बूथों पर मतदान

34 दिनों से चला आ रहा चुनाव प्रचार थमा बूथों में 12 सौ मतदान कर्मी रवाना

जमशेदपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। जेएमएम के गद्दावर नेता और प्रदेश के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के आकस्मिक निधन के बाद खाली हुए घाटशिला विधानसभा में उपचुनाव होना है। घाटशिला विधानसभा के 300 बूथों में कल मतदान होंगे। इस तरह उप चुनाव को लेकर 34 दिनों से चला आ रहा चुनाव प्रचार अभियान भी रविवार को समाप्त हो गया।

अब मंगलवार को सुबह सात बजे से घाटशिला उप चुनाव को लेकर 300 मतदान केंद्रों में मतदाता अपने अधिकार का प्रयोग ईवीएम का बटन दबाकर करेंगे। मतदान की प्रक्रिया शाम पांच बजे तक जारी रहेगी। इसके लिए आज 12 सौ मतदानकर्मियों को बूथों पर भेजा जा रहा है। वहीं 120 कर्मियों को रिजर्व रखा गया है। बिष्टुपुर के को-ऑपरेटिव कॉलेज से कर्मियों को भेजा जा रहा है।

सभी मतदान केंद्रों पर सुबह साढ़े पांच बजे राजनीतिक दल के एजेंटों की उपस्थिति में मॉक पोल कराया जाएगा। विधानसभा उपचुनाव में रविवार की शाम पांच बजे से मतदान के पहले का साइलेंस पीरियड शुरू हो गया है। यह साइलेंस पीरियड मतदान का समय शुरू होने से पहले 48 घंटे का है।

इस दौरान अगर कोई रोड शो करता है, रैली निकालता है या माइक पर प्रचार करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने इससे संबंधित तमाम जानकारी साझा की है।

बताया कि चुनाव के शांति दौरान विधि-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए 300 पोलिंग स्टेशनों पर 10 कंपनी अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक 300 बूथों पर 2,56,352 मतदाताओं के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। जहां 1,25,114 पुरुष, 1,31,235 महिलाएं और 372 सर्विस वोटर अपने मतों का प्रयोग करेंगे।

आंकड़ों में देखें तो इस उप चुनाव में 18–19 वर्ष आयु वर्ग के 16,601 नए मतदाता शामिल हो रहे हैं। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 2,738 है। जबकि 1 एनआरआई वोटर का नाम भी सूची में दर्ज है। सबसे खास बात है कि इस बार वरिष्ठ महिला मतदाताओं की मौजूदगी भी खासा है। मतदाता सूची में 100 से 109 साल आयु वर्ग की 3, 90–99 वर्ष की 129 महिलाएं, 80–89 साल की 934 और 70–79 वर्ष की 4,021 महिला मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए 5 पिंक बूथों का संचालन केवल महिला कर्मियों द्वारा किया जाएगा।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव इस बार पूरी तरह नए समीकरण गढ़ रहा है। चुनावी मैदान में कुल 13 प्रत्याशी हैं, जिनमें से नौ पहली बार जनता के बीच हैं। करीब 70 फीसदी नए चेहरों की मौजूदगी से मुकाबला और दिलचस्प हो गया है।

पहली बार चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों में ज्यादातर सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं।

7 महीने की प्रेग्नेंट प्रेमिका को पीट-पीटकर मार-डाला

नवजात की भी मौत, शरीर पर डंडे के 40–50 निशान, ढुकू प्रथा के तहत घर लाया था

सरगुजा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में लिव इन रिलेशन में रह रही 7 महीने की गर्भवती प्रेमिका की उसके प्रेमी ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मां के पेट में पल रहे नवजात की भी मौत हो गई। युवक के शराब पीने से परेशान होकर युवती उसे बिना बताए मायके चली गई थी। जिससे वह नाराज था। आरोपी युवती को ढुकू प्रथा के तहत घर लाया था।

अब पिटाई करते हुए वीडियो भी सामने आया है। जिसमें वह डंडे से प्रेमिका को पीटते दिख रहा है। घटना के दौरान लोगों ने मारपीट करते देखा। उसका वीडियो भी बनाया, लेकिन कोई भी उसे बचाने नहीं आया। पंचनामा के दौरान शरीर पर 40 से ज्यादा डंडे के निशान मिले हैं। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक ग्राम जजगा निवासी राजीव दास महंत (30) का गांव की ही युवती मनबसिया माझी (28) से प्रेम संबंध था। इस क्षेत्र में ढुकू प्रथा प्रचलित है। ढुकु का आदिवासी समाज में अर्थ घर में प्रवेश करना होता है।

दोनों करीब 2 सालों पहले साथ रहने लगे। परिजनों से अलग रहते हुए राजीव दास ने एक किराना की दुकान खोली थी। राजीव की अनुपस्थिति में दुकान का संचालन मनबसिया करती थी। मनबसिया 7 महीने की प्रेग्नेंट थी। राजीव दास के शराब पीने को लेकर दोनों के बीच विवाद होता था। शुक्रवार 7 नवंबर को राजीव दास गांव की ओर गया था। वह दोपहर करीब 2 बजे घर लौटा तो दुकान और घर का दरवाजा खुला था।

घर में मनबसिया नहीं थी। पूछताछ में पता चला कि वह मायके चली गई है। उसे पड़ोसी पर भी शक था कि वह मनबसिया को उसके खिलाफ भड़काता है। इससे नाराज होकर राजीव दास 2 किलोमीटर दूर अपने ससुराल पहुंचा और उसे बहला-फुसलाकर घर ले आया।

घर वापस आने पर पहले तो राजीव दास ने महिला को कमरे के बाहर डंडे से पीटा। फिर बंद कमरे में उसकी बेरहमी से पिटाई की। जब मनबसिया बेहोश हो गई तो उसे कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगाकर राजीव भाग गया। जब देर रात तक घर से कोई आवाज नहीं आई तो पड़ोसियों ने 112 डायल को सूचना दी।

मौके पर पहुंची 112 और 108 की टीम ने ताला तोड़कर घर में अंदर प्रवेश किया तो मनबसिया मृत पड़ी थी। आरोपी ने युवती को इतना पीटा था कि गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दूसरे दिन जब शव का पोस्टमॉर्टम कराया। डॉक्टरों ने मृत बच्चे को मां के गर्भ से बाहर निकाला। इस मामले में पुलिस ने आरोपी राजीव दास को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था। जिसे कोर्ट से जेल भेज दिया गया है।

ढुकु का अर्थ आदिवासी समाज में घर में प्रवेश करना है।

शादीशुदा पुरुष एक पत्नी के रहते हुए, दूसरी महिला को पत्नी के रूप में ढुकू ले आता है। शादीशुदा महिला भी पति के रहते हुए दूसरे पुरुष को पति मानकर पत्नी के रूप में ढुकू चली जाती है। ढुकू भी 2 तरह के होते हैं। जैसे- अविवाहित महिला या पुरुष किसी, किसी अविवाहित महिला या पुरुष से शादी करता है, यह सिंगल ढुकू कहलाता है।

नगर निकाय चुनाव पर झारखंड हाईकोर्ट सख्त

रांची, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य में नगर निगम और नगर निकाय चुनाव लंबे समय से लंबित हैं। इसी मामले में दायर अवमानना याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से कोर्ट को बताया कि सरकार ने नगर निकाय चुनाव के लिए कराए गए ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि सीटों के आरक्षण, जनसंख्या सूची सहित कुछ बिंदुओं पर आयोग ने अतिरिक्त जानकारी मांगी है, जिसे जल्द ही उपलब्ध करा दिया जाएगा।

पानी भरे गड्ढे में डूबे 2 भाई, मौत

बिल्डर ने खुदवाया, भरा नहीं, परिजन–ग्रामीणों ने चक्काजाम किया, 3किमी तक जाम में फंसे रहे लोग

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर के सरकारी स्कूल के पास दो बच्चे खेलते-खेलते सड़क किनारे बने पानी से भरे गड्ढे में गिर गए।

दोनों बच्चे मौसेरे भाई थे। गड्ढे की गहराई ज्यादा होने के कारण वे बाहर नहीं निकल पाए और डूबने से उनकी मौत हो गई। मृतकों में सत्यम (8 साल) और आलोक (7 साल) शामिल थे। ये दोनों बच्चे अपनी मौसी के बेटे के जन्मदिन के मौके पर यहां आए थे।

यह गड्ढा एक प्राइवेट बिल्डर द्वारा खुदवाया गया था, लेकिन उसे भरा नहीं गया था। हादसा कल दोपहर 3:00 बजे हुआ। देर शाम जब बच्चे वापस नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।

हादसे के बाद गुस्साए परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर चक्काजाम कर दिया। इसके चलते रिंग रोड नंबर-3 पर करीब 3 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। आमानाका और कबीर नगर पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाइश दी तब जाकर लोग शांत हुए। हादसा कबीर नगर थाना क्षेत्र के हीरापुर में हुआ।

जानकारी के मुताबिक, प्राइवेट बिल्डर ने गड्ढे को खुदवाया था, लेकिन उसे भरा नहीं गया। जिसके चलते उसमें बारिश का पानी भर गया। रविवार की रात दो बच्चे खेलते-खेलते सड़क किनारे बने इसी पानी से भरे गड्ढे में गिर गए। आसपास मौजूद लोगों ने बच्चों को पानी में देखा, तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं।

दिनदहाड़े 10 लाख रुपए की लूट

जमशेदपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर स्थित बिरसानगर में सोमवार को दिनदहाड़े पीके कंस्ट्रक्शन कंपनी के ऑफिस में 10 लाख रुपए की लूट हुई। तीन सशस्त्र अपराधियों ने कंपनी मालिक से नगदी छीनी और फरार हो गए। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

तीनों आरोपी बाइक से आए थे। इधर, घटना की सूचना मिलते ही बिरसानगर थाना पुलिस और सिटी डीएसपी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल इलाके की नाकेबंदी कर अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है।

डीएसपी सुनील चौधरी ने बताया कि पीके कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक पंकज कुमार सिंह अपने कार्यालय में मजदूरों के भुगतान के लिए कैश गिन रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद तीन युवक ऑफिस में घुस आए।

बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर पंकज कुमार और उनके कर्मचारियों को धमकाया। इसके बाद मेज पर रखे 10 लाख रुपए से भरे बैग को लूट लिया।

वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी कार्यालय से बाहर निकले और कॉम्प्लेक्स के बाहर खड़ी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। भागते समय उन्होंने दो राउंड हवाई फायरिंग भी की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों अपराधियों के हुलिए की पहचान करने का प्रयास कर रही है। साथ ही, कंपनी मालिक और अन्य कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि अपराधियों को नगदी की जानकारी पहले से कैसे मिली।

पत्नी ने पति को मारकर लाश ट्रॉली बैग में डाला

बेटी को कॉल कर बोली-तुम्हारे पिता को मार-डाला, कुछ दिन पहले मुंबई से लौटी थी

जशपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मुंबई से लौटी पत्नी ने अपने पति को मार डाला। मर्डर के बाद लाश को कंबल से लपेटा और ट्रॉली बैग में डाल दिया। बैग को घर में छिपा दिया। मर्डर के बाद रातभर में घर में रही, फिर अपनी बेटी कॉल कर कहा कि मैंने तुम्हारे पिता को मार दिया। मामला दुलदुला थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम संतोष भगत (43) है, जो भिंजपुर गांव का रहने वाला था। संतोष भगत के मुंह और हाथों में खून लगा है। आशंका है कि किसी धारदार हथियार से पत्नी ने हत्या की है। मर्डर के बाद मुंबई भाग गई। पुलिस की टीम पकड़ने के लिए महाराष्ट्र गई है।

दरअसल, 7 नवंबर को संतोष भगत और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान संतोष भगत की पत्नी ने कोरबा में रहने वाली अपनी मंझली बेटी को फोन किया। बेटी ने अपनी मां का फोन उठाया तो माता-पिता की लड़ाई झगड़े की आवाज आ रही थी।

बेटी ने हेल्लो-हेल्लो बोला, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। इसके कुछ देर बाद फोन कट गया। संतोष भगत की मंझली बेटी ने विवाद को लेकर ज्यादा गौर नहीं किया। सोचा कि हमेशा माता-पिता के बीच लड़ाई होती है।

इसके दूसरे दिन यानी 8 नवंबर को आरोपी मां ने फिर अपनी मंझली बेटी को फोन किया। मां ने फोन से बताया कि मैंने तुम्हारे पिता की हत्या कर दी है। शव को ट्रॉली बैग में डालकर घर पर रख दिया है। इसके बाद मां ने फोन काट दिया।

मंझली बेटी ने पुलिस से बताया कि मां की बातों को सुनकर वह घबरा गई। वह अपने पति के साथ 9 नवंबर को भिंजपुर गांव अपने मायके आई। अपने बड़े पिता विनोद मिंज को मामले की जानकारी दी। विनोद मिंज ने फौरन मर्डर की बात सुनते ही दुलदुला पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और संतोष भगत के घर की तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को घर में लाल रंग का ट्रॉली बैग मिला। बैग को पुलिस ने खोलकर देखा तो संतोष भगत की लाश मिली। शव को कंबल से ढंककर बंद कर दिया गया था। लाश मिलने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की।

सड़क हादसा शिक्षक की मौत

स्कूल जाते वक्त बालू लदे ट्रैक्टर ने कुचला, लोगों ने की चालक की गिरफ्तारी की मांग

गिरिडीह, 10 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र के परसिया में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में डीएवी स्कूल के शिक्षक गणेश कुमार सिन्हा (30) की मौत हो गई। वह सरिया डीएवी स्कूल में शिक्षक थे। गणेश सिन्हा प्रतिदिन की तरह सुबह अपनी बाइक से स्कूल जा रहे थे। परसिया रोड के पास सामने से आ रहे एक बालू लदे ट्रैक्टर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर तेज रफ्तार में था और चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और आक्रोश व्यक्त किया।

दंपती के बीच विवाद, पत्नी ने कुत्ते से कटवाया

ज्वेलरी पहनने को लेकर हुई बहस, डॉग बाइट से पति की हालत गंभीर, इलाजरत

हजारीबाग, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग में त्रिवेणी सैनिक कोल माइंस में अकाउंटेंट पद पर कार्यरत रोहित जैन ने अपनी पत्नी रूपा अग्रवाल पर पालतू कुत्ते से हमला करवाने का गंभीर आरोप लगाया है। दोनों का विवाह इसी वर्ष 24 जनवरी को हुआ था। दोनों के बीच शुरुआत से ही दांपत्य जीवन में खटपट हो रही थी।

पुलिस के अनुसार, 8 नवंबर को रोहित कुछ मेहमानों से मिलने अपनी पत्नी के मायके पहुंचे थे और वहीं रात रुके। अगले दिन सुबह नाश्ते के दौरान एक सामान्य सी सलाह को लेकर दोनों के बीच तनातनी बढ़ गई। रोहित ने रूपा को सोने के जेवर की जगह आर्टिफिशियल ज्वेलरी पहनने की सलाह दी थी, जिसके बाद विवाद ने तूल पकड़ लिया।

रोहित ने पुलिस को बताया कि बहस के दौरान अचानक रूपा ने अपने पालतू जर्मन शेफर्ड कुत्ते को हमला करने के लिए उकसाया। आरोप है कि आदेश मिलते ही कुत्ता उन पर झपट पड़ा और उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया। उसके बाद घर में मौजूद लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह रोहित को कुत्ते से छुड़ाया। उन्हें तत्काल शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, रोहित के शरीर पर कई गहरे घाव मिले हैं, जिनका उपचार जारी है। घटना के बाद रूपा और उसके परिवार की भूमिका को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट और बयान के आधार पर मामले को संज्ञान में ले लिया है। थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा ने पुष्टि की है कि रोहित जैन के बयान पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण तथ्यों को इकट्ठा किया है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में जल्दबाजी में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना ठीक नहीं होगा।

दुर्ग पासिंग-स्कॉर्पियो ने बाप-बेटी समेत 4 को कुचला, मौत

टक्कर से 20–30 फीट दूर फेंकाया पिता, सड़क पर पड़ी रहीं बेटियां, यूपी जाते वक्त एमपी में एक्सीडेंट

दुर्ग-भिलाई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग पासिंग तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एमपी के रीवा जिले में 2 बच्चियां समेत 4 लोगों को कुचल दिया। हादसे में चारों की मौके पर मौत हो गई। मरने वालों में 3 लोग एक ही परिवार के थे। टक्कर इतनी भयंकर थी कि एक शख्स सड़क से 20-30 फीट दूर जाकर गिरा। मामला गढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मरने वालों में रामनरेश साकेत, रुचि साकेत, रचना साकेत और कमलेश सिंह शामिल हैं। रामनरेश, रुचि और रचना एक ही परिवार के थे। रुचि रामनरेश की बेटी थी, जबकि रचना रामनरेश के भाई की बेटी थी। वहीं हादसे में सुलेखा साकेत और सौम्या साकेत घायल हुए हैं। दरअसल, 9 नवंबर को सुबह 7 बजे दुर्ग के रहने वाले बृजेंद्र सिंह का साला और साढ़ू का बेटा स्कॉर्पियो लेकर भिलाई से UP के कानपुर के लिए निकले थे। करीब शाम 4 बजे वह रीवा के गढ़ थाना क्षेत्र में पहुंचे थे, तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पार कर रहे चार लोगों को कुचल दिया।

जानकारी के मुताबिक हादसे से पहले तीन लोग पैदल सड़क पार कर रहे थे, जबकि एक व्यक्ति बाइक पर जा रहा था। इसी दौरान स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मारी। गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि बिजली खंभे से टकराने से खंभा टूटकर रोड किनारे गिर गया।

वहीं स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी रोड से बाहर जाकर रुक गई। हादसे में 3 लोगों की लाशें सड़क पर ही दूर-दूर बिखरी पड़ीं थीं, जबकि एक व्यक्ति की लाश एक्सीडेंट स्पॉट से 20-30 फीट दूर उछलकर खेल में जा गिरी।

चारों को गंभीर चोटें आई थी, जिससे मौके पर मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्कॉर्पियो के एयर बैग खुल गए थे, जिसकी वजह से ड्राइवर और साथ में बैठे युवक की जान बच गई। हादसे के बाद दोनों युवक गाड़ी छोड़कर भाग निकले। हादसे के बाद तीन शव काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रहे। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। हादसे के बाद काफी देर तक रीवा-प्रयागराज हाईवे पर जाम की स्थिति रही।

रेलवे अफसर पर महिला-क्लर्क ने लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

बोली-जिम की सेल्फी मांगते, कंफर्टेबल होकर मिलने और बॉयफ्रेंड के बारे में पूछते, जीएम से शिकायत

बिलासपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर के डिप्टी चीफ कमर्शियल मैनेजर कौशिक मित्रा पर चांपा में पदस्थ महिला कमर्शियल क्लर्क ने छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पीड़िता ने रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) को लिखित शिकायत की है। जिसमें 12 बिंदुओं में पूरा घटनाक्रम दर्ज किया गया है।

शिकायत में महिला ने बताया कि अधिकारी वॉट्सऐप चैट के जरिए लगातार परेशान करता था। वह रोज़ाना महिला को जिम की सेल्फी भेजने के लिए कहता, उसके बॉयफ्रेंड के बारे में पूछता और अशोभनीय बातें लिखता था। यहां तक कि चैट में "कहां कंफर्टेबल होकर मिल सकते हैं" जैसी बातें भी लिखी गईं।

जीएम को दी लिखित शिकायत

पीड़िता ने इन सबका स्क्रीनशॉट सबूत के रूप में जीएम को दिया है। हालांकि शिकायत के बाद जोनल स्तर पर जांच समिति गठित की गई, लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई है। महिला का आरोप है कि रेलवे के कुछ अधिकारी फाइल दबाए बैठे हैं। मामले को जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है।

धनबाद कृषि बाजार परिसर में फायरिंग, 4 लाख लूटे

धनबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। धनबाद के बरवाअड्डा स्थित कृषि बाजार परिसर में रविवार की रात बाइक सवार तीन अपराधियों ने बड़ी लूट को अंजाम दिया। तेल व्यवसायी श्याम देव दुकान बंद कर गाड़ी में रुपए रखने जा रहे थे, तभी अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू की। चार राउंड फायरिंग से पूरा बाजार परिसर दहशत में आ गया। अपराधियों ने श्याम के हाथ से रुपए से भरा झोला छीन लिया। झोले में करीब चार लाख रुपए थे।

विरोध करने पर अपराधियों ने पिस्टल की बट से वार कर श्याम को घायल कर दिया। गोली भले व्यापारी को नहीं लगी, लेकिन सिर और कान के पास गंभीर चोटें आईं। श्याम को स्थानीय लोग तत्काल भाऊराड़ी स्थित निजी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे।

वारदात के बाद कृषि बाजार परिसर के व्यापारियों में भारी आक्रोश है। बाजार समिति चैनल के अध्यक्ष जीतेंद्र साव ने बताया कि अपराधियों के बढ़ते हौसले चिंताजनक हैं।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार मांगें उठ रही थीं, लेकिन पुलिस की सतर्कता केवल कागजों तक सीमित दिख रही है। उन्होंने कहा कि घटना के विरोध में आज बाजार समिति की सभी दुकानें बंद रहेंगी।

अन्य व्यापारियों ने कहा कि व्यापारी श्याम भीमसरिया पर घात लगाकर हमला किया गया और फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की गई।

व्यापारी संघ ने वारदात की कड़ी निंदा की है और पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि जब तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती, परिसर में भय का वातावरण बना रहेगा। घटना की जानकारी मिलते ही बरवाअड्डा थाना प्रभारी रंजनमीत और नयाडीह थाना प्रभारी मनोज कुमार अस्पताल पहुंचे और घायल श्याम से पूछताछ की। श्याम ने बताया कि दुकान बंद करने के दौरान अपराधियों ने पिस्टल तानकर झोला छीनने का प्रयास किया और विरोध पर बट से मार दिया। पुलिस टीम कृषि बाजार परिसर समेत आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। कई स्थानों पर छापेमारी भी शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फायरिंग और छिनतई से जुड़े कुछ अहम सुराग मिले हैं। सिटी एसपी ऋतिक श्रीवास्तव ने कहा कि घटना को गंभीरता से लिया गया है। पुलिस टीम लगातार काम कर रही है, अपराधियों को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की वारदात करने वालों को कड़ी सजा भुगतनी पड़ेगी।

अमित बघेल की तलाश में परिचितों के घर रेड

रायपुर में शिवेंद्र वर्मा और अजय यादव के घर छापा, पुलिस बोली– लुक–छिप रहे

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अपने परिचित के घरों में छिप रहे हैं। पुलिस का दावा है कि अमित बघेल की जल्द गिरफ्तारी करेगी। इसी आधार पर छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के शिवेंद्र वर्मा (निवासी सड्डू) और अजय यादव के धरमनगर टिकरापारा स्थित निवास पर पुलिस ने छापा मारा है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। जबकि कई टीमें राज्य के अलग-अलग जगहों पर उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ने को लेकर 27 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने अग्रसेन महाराज, सिंधी समाज के ईष्ट देवता झूलेलाल जी पर टिप्पणी की थी। अमित बघेल के बयान के बाद अग्रवाल समाज और सिंधी समाज ने प्रदेशभर और देशभर में प्रदर्शन किया।

अमित बघेल के खिलाफ रायपुर के अलावा छत्तीसगढ़ और देश के अलग-अलग थानों में एफआईआर दर्ज है। इनमें रायपुर, दुर्ग, धमतरी, इंदौर, ग्वालियर, नोएडा, महाराष्ट्र और प्रयागराज शामिल है। अग्रवाल समाज और सिंधी समाज ने रायपुर के अलग-अलग थानों में एफआईआर दर्ज कराई है।

इससे पहले 'बिग बॉस 13' में नजर आ चुके विकास पाठक उर्फ हिंदुस्तानी भाऊ ने सिंधी समाज को लेकर अमित बघेल के विवादित बयान पर जमकर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि अमित बघेल जैसे लोगों की वजह से पूरा हिंदू धर्म बदनाम होता है।

शेख हसीना के तख्तापलट के पीछे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का परिवार

पूर्व बांग्लादेशी मंत्री का दावा, बाइडन-ट्रंप नहीं है नाम

ढाका, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पूर्व मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी ने दावा किया है कि शेख हसीना को सत्ता से हटाने के पीछे अमेरिकी साजिश थी। हालांकि उन्होंने शेख हसीना को सत्ता से हटाने के साजिशकर्ता के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप या जो बाइडन का नाम नहीं लिया है। उन्होंने इसके लिए अमेरिका की अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के परिवार को जिम्मेदार कहा है। 79 साल के क्लिंटन 1993 से 2011 तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे हैं।

चौधरी ने रूस टुडे को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि अगस्त, 2024 में शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के लिए क्लिंटन परिवार की साजिश और अमेरिकी एजेंसी यूएसएआईडी के फंड का गठजोड़ जिम्मेदार था। मोहिबुल हसन चौधरी के आरोप ध्यान खींचते हैं क्योंकि वह हसीना सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। हसीना के कार्यकाल के अंतिम महीनों में संकट वार्ता में चौधरी सीधेतौर पर शामिल थे।

मोहिबुल हसन चौधरी ने अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूएसएआईडी और कुछ पश्चिमी समर्थित एनजीओ 2018 से हसीना सरकार के खिलाफ अभियान चला रहे थे। खासतौर से अमेरिका के यूएसएआईडी की कार्रवाइयां हमारी सरकार के खिलाफ थीं।

चौधरी ने मौजूदा अंतरिम सरकार के हेड मोहम्मद यूनुस और क्लिंटन परिवार के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि बिल क्लिंटन फाउंडेशन और मोहम्मद यूनुस के विकास को बढ़ावा देने की आड़ में बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन को बढ़ावा देने के एक गहरी साजिश रची गई।

चौधरी ने कहा कि क्लिंटन परिवार और यूनुस के बीच बहुत लंबे समय से सांठगांठ है। इसी सांठगांठ के तहत हसीना सरकार को अस्थिर करने के लिए फंडिंग चल रही थी। इस फंडिंग में सबसे अहम रोल यूएसएआईडी ने निभाया। इस एजेंसी ने बांग्लादेश में विकास कार्यों के नाम पर हसीना विरोधियों तक पैसा पहुंचाया और सरकार के खिलाफ लोगों को भड़काया।

बांग्लादेश में बीते साल जून-जुलाई में शेख हसीना को खिलाफ ढाका में विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के हिंसक होने और सेना के कार्रवाई से इनकार करने के बाद 5 अगस्त को तत्कालीन पीएम हसीना को देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी थी। ढाका में इस नाटकीय घटनाक्रम के बाद यूनुस को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी गई थी।

अमेरिका-साउथ अफ्रीका में तनातनी

ट्रंप ने जी20 सम्मेलन का किया बहिष्कार, अफ्रीकी नेताओं ने दिया करारा जवाब

जोहानसबर्ग, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के बहिष्कार की घोषणा कर दी है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि दक्षिण अफ्रीका में गोरे (अफ्रिकानर) किसानों पर अत्याचार हो रहा है, इसलिए कोई भी अमेरिकी अधिकारी इस सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा। ऐसे में अमेरिका इन आरोपों पर दक्षिण अफ्रीका की सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। एएनसी के महासचिव फिकिले मबालुला ने ट्रंप और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयानों को झूठा और साम्राज्यवादी दखल बताया। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में नस्लभेद जैसी कोई बात नहीं है, बल्कि यहां समानता सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाए गए हैं।

फिलीपींस में फंग-वोंग तूफान का कहर

अब तक चार लोगों की मौत, 14 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित

मनीला, 10 नवंबर (एजेंसियां)। फिलीपींस में आया शक्तिशाली तूफान फंग-वोंग उत्तर-पश्चिमी हिस्से से गुजरते हुए भारी तबाही मचा गया। तेज हवाओं और लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन हुए, जिनमें कम से कम चार लोगों की मौत और 14 लाख से अधिक लोग बेघर हो गए। मौसम विभाग के अनुसार, तूफान अब उत्तर-पश्चिम दिशा में ताइवान की ओर बढ़ रहा है।

भूस्खलन में दो बच्चों की मौत, सैकड़ों घर तबाह

अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी कैटानडुआनेस प्रांत में एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई, जबकि सामर प्रांत में एक महिला की घर ढहने से जान चली गई। उत्तरी पहाड़ी इलाके नुएवा विजकाया में हुए भूस्खलन में दो बच्चों की मौत हो गई और उनके माता-पिता व एक अन्य बच्चा घायल हो गए। लगभग 1,000 घरों को नुकसान पहुंचा है और 132 से अधिक गांव जलमग्न हो गए। कई लोग अपने घरों की छतों पर फंसे रहे जब पानी अचानक बढ़ गया।

बिजली गुल, सड़कें बंद और उड़ानें रद्द

185 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं और भारी बारिश से कई प्रांतों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 325 घरेलू और 61 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि करीब 6,600 लोग बंदरगाहों पर फंसे रहे क्योंकि कोस्ट गार्ड ने जहाजों को समुद्र में उतरने से मना कर दिया।

राहत कार्य जारी, राष्ट्रपति ने लगाई आपात स्थिति

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने हाल ही में आए टाइफून कल्मैगी से हुई तबाही और फंग-वोंग के प्रभाव को देखते हुए आपात स्थिति घोषित की है। राहत और बचाव अभियान तेजी से जारी है, जबकि सरकार ने स्कूलों और सरकारी दफ्तरों को दो दिनों के लिए बंद रखने का आदेश दिया है।

फिलीपींस हर साल करीब 20 तूफानों की चपेट में आता है, साथ ही यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट भी होते रहते हैं। यह दुनिया के सबसे अधिक आपदा-प्रवण देशों में से एक माना जाता है।

पूर्व राष्ट्रपति यून की बढ़ीं मुश्किलें

उत्तर कोरिया के ऊपर ड्रोन्स उड़ाने के मामले में चलेगा मुकदमा

सिओल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। दरअसल पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ उत्तर कोरिया के ऊपर ड्रोन्स उड़ाने के आरोप में मुकदमा चलेगा।

आरोप है कि यून सुक योल ने दोनों देशों के बीच तनाव भड़काने और देश में मार्शल लॉ लगाने के फैसले को सही ठहराने के मकसद से उत्तर कोरिया के ऊपर ड्रोन्स उड़वाए थे। यून सुक योल ने राष्ट्रपति रहते हुए बीते साल दिसंबर में दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगाने की कोशिश की थी। इसके तहत उन्होंने संसद में सैनिक भेज दिए थे। हालांकि वे इसमें सफल नहीं हो सके और महाभियोग की प्रक्रिया के बाद उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया था।

फिलहाल पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल जेल में बंद हैं और देश में मार्शल लॉ लगाने और बगावत की साजिश रचने के आरोपों में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। अब मौजूदा राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने यून सुक योल के खिलाफ उत्तर कोरिया के ऊपर ड्रोन्स उड़ाने और दोनों देशों के बीच तनाव भड़काने के आरोप में भी मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। यून के साथ ही उनकी सरकार के दो शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ भी मुकदमा चलाया जाएगा, जिनमें यून की सरकार में रक्षा मंत्री रहे किम योंग ह्यून, मिलिट्री खुफिया सर्विस के पूर्व कमांडर यिओ इन ह्युंग का नाम शामिल है।

दोषी पाए गए तो उम्रकैद या मौत की सजा तक हो सकती है

आरोप है कि यून सुक योल और दो अन्य अधिकारियों पर सत्ता के दुरुपयोग, दुश्मन को मदद पहुंचाने के आरोपों में मुकदमा चलाया जाएगा। उत्तर कोरिया ने अक्तूबर 2024 में दक्षिण कोरिया पर उनकी राजधानी प्योंगयांग के ऊपर ड्रोन्स उड़ाने के आरोप लगाए थे। इसके चलते दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। हालांकि हालात बिगड़े नहीं और धीरे-धीरे तनाव कम हो गया। जिन आरोपों के तहत पूर्व राष्ट्रपति और उनकी सरकार के अधिकारियों पर मुकदमा चल रहा है, उनमें दोषी पाए जाने पर मौत की सजा या उम्रकैद तक हो सकती है।

आंध्र की छात्रा की खांसी और सीने में दर्द के बाद मौत

पढ़ाई के बाद नौकरी तलाश रही थी युवती

न्यूयॉर्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में हाल ही में स्नातक की उपाधि हासिल करने वाली और नौकरी की तलाश कर रही एक 23 वर्षीय भारतीय छात्रा की कथित तौर पर गंभीर खांसी और सीने में दर्द के बाद मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, आंध्र प्रदेश की राजलक्ष्मी यार्लागड्डा उर्फ राजी ने हाल ही में टेक्सास एएंडएम यूनिवर्सिटी कॉर्पस क्रिस्टी से स्नातक की उपाधि हासिल की थी, यह जानकारी टेक्सास के डेंटन शहर में उनके चचेरे भाई चैतन्य वाईवीके की तरफ से शुरू किए गए गोफंडमी अभियान से मिली। राजी ने हाल ही में टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, कॉर्पस क्रिस्टी से स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी और अपने करियर की शुरुआत करने की तैयारी कर रही थीं।

हाफिज सईद बांग्लादेश से भारत पर हमले की तैयारी में

लश्कर कमांडर ने बताया- लड़ाकों को ट्रेनिंग दे रहे, ऑपरेशन सिंदूर का बदला लेंगे

इस्लामाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सरगना हाफिज सईद भारत पर नए हमलों की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह बांग्लादेश को इन हमलों के लिए लॉन्चपैड के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है।

यह खुलासा पाकिस्तान के खैरपुर तामेवाली में 30 अक्टूबर को हुई एक रैली के वीडियो से हुआ है। इसमें लश्कर-ए-तैयबा के सीनियर कमांडर सैफुल्लाह सैफ ने कहा, 'हाफिज सईद खाली नहीं बैठे हैं, वे बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमला करने की तैयारी कर रहे हैं।'

सैफ ने कहा- भारत हम पर चढ़ा हुआ था, अमेरिका उनके साथ था। लेकिन आज उनका साथ कोई नहीं दे रहा। सैफ ने दावा किया कि लश्कर के आतंकी पहले से ही बांग्लादेश में सक्रिय हैं और 'ऑपरेशन सिंदूर' का बदला लेने को तैयार हैं। सूत्रों के अनुसार, हाफिज सईद ने अपने करीबी साथी को बांग्लादेश भेजा है, जो वहां के युवाओं को ट्रेनिंग दे रहा है।

रैली में आतंकवादी सैफ ने लोगों को भारत के खिलाफ जंग छेड़ने के लिए उकसाया। इस रैली में बच्चे भी मौजूद थे। आतंकी संगठन नाबालिगों को भी भड़काकर भारत के खिलाफ इस्तेमाल करना चाहते हैं।

सैफ ने पाकिस्तानी सेना की तारीफ करते हुए झूठा दावा किया कि 9-10 मई की रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में कार्रवाई हुई। उसने कहा, 'अब अमेरिका हमारे साथ है। बांग्लादेश भी फिर से पाकिस्तान के करीब आ रहा है।' लश्कर डिप्टी चीफ ने हिंदुओं का सफाया करने की धमकी दी थी हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी का भी एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो भारत से हिंदुओं का सफाया करने की धमकी दे रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये वीडियो 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले से पहले का था। कसूरी इस हमले के मास्टरमाइंड में से एक है।

वीडियो में वह कहता है, 'हमारे काफिले न रुकेंगे, न थमेंगे और तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक पूरे हिंदुस्तान पर 'ला इलाहा इलल्लाह' (अल्लाह के अलावा कोई दूसरा नहीं) के परचम लहरा नहीं देते।' कसूरी आगे कहता है, 'ये वक्त आने वाला है, कोई नाउम्मीदी नहीं। हम जिस मैदान में खड़े हुए हैं, अपने दुश्मन को चारो खाने चित्त किया है। ये हिंदू हमारे सामने क्या है। हिंदुस्तान का हिंदू मिट जाएगा और इस्लाम का राज आने वाला है।'

कसूरी वीडियो में कहता है कि ये भाषण वो लश्कर के मुरीदके हेडक्वार्टर से दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लश्कर के इस हेडक्वार्टर पर हमला बोला था। बाद में पाकिस्तानी सेना ने झूठा दावा किया था कि यह आतंकवादी अड्डा नहीं, बल्कि एक मस्जिद है। कसूरी ने पाकिस्तान को 'अल्लाह की दी हुई पनाहगार' बताया। उसने कहा- पाकिस्तान सलामती और अमन की सरजमीं है, ये दुनियाभर के मुस्लिमों का हमदर्द और मददगार है।

इसके अलावा कसूरी ने दुनिया से पाकिस्तान की कद्र करने और जुड़ने को कहा।

पीओके, चीन पर रहती थी नजर

भारत के ताजिकिस्तान में सैन्य अड्डे को खाली करने से ड्रैगन और पाकिस्तान खुश

दुशांबे, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने अपने एकमात्र पूर्ण विकसित विदेशी एयरबेस को खाली कर दिया है। यह ताजिकिस्तान स्थित आयनी एयरबेस है, जहां से करीब तीन साल चली प्रक्रिया के तहत भारत ने वापसी की है। इससे भारत की मध्य एशिया में दो दशकों की रणनीतिक सैन्य उपस्थिति खत्म हो गई है। भारत की वापसी 2022 में शुरू हो गई थी लेकिन इसके बारे में ज्यादा जानकारी पिछले महीने सामने आई। इसने भारत के दीर्घकालिक क्षेत्रीय प्रभाव और सुरक्षा स्थिति पर सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में भारत के अगले कदम पर भी नजर होगी।

द बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक, ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे के पास स्थित आयनी एयरबेस सोवियत काल के दौरान बनाया गया था। सोवियत संघ के पतन के बाद यह जीर्ण-शीर्ण हो गया था। भारत ने 2002 के एक द्विपक्षीय समझौते के तहत इसे फिर से बनाया और बेस के आधुनिकीकरण के लिए करीब 80 मिलियन डॉलर खर्च किए।

भारत ने बनाए नए रनवे, हैंगर

आयनी बेस पर भारत के सीमा सड़क संगठन ने 3,200 मीटर लंबे रनवे का पुनर्निर्माण किया। इसके अलावा हैंगर और ईंधन डिपो बनाए। साथ ही हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली स्थापित की। इससे यह बेस लड़ाकू जेट और भारी परिवहन विमानों, दोनों के लिए उपयुक्त हो गया। आयनी में एक समय 200 से ज्यादा भारतीय सैन्यकर्मी और सुखोई-30एमकेआइ जैसे लड़ाकू विमान तैनात थे। आयनी की अहमियत को इसकी भौगोलिक स्थिति से समझा जा सकता है। यह अफगानिस्तान के वाखान कॉरिडोर से 20 किलोमीटर दूर स्थित है, जो पीओके और चीन के शिनजियांग प्रांत की सीमा से लगी एक संकरी जमीनी पट्टी है। ऐसे में यह भारत को भूराजनीतिक रूप से संवेदनशील इस क्षेत्र तक दुर्लभ रणनीतिक पहुंच प्रदान करता है। कहा जा रहा है कि आयनी में भारत की उपस्थिति ताजिकिस्तान के साथ हवाई अड्डों के पुनर्स्थापन और विकास के लिए एक सीमित द्विपक्षीय समझौते का हिस्सा थी। यह समझौता 2022 में समाप्त हो गया। ऐसे में समझौता खत्म होने के बाद भारत ने औपचारिक रूप से यह सुविधा ताजिक सरकार को वापस सौंप दी।

ईरान और अफगानिस्तान ने क्या किया कि परेशान होगा पाकिस्तान

मध्य पूर्व में भारत की बल्ले-बल्ले तय

तेहरान, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के तालिबान शासित इस्लामिक अमीरात और ईरान ने चाबहार बंदरगाह के विकास को लेकर बैठक की है। इस बैठक में ईरान में अफगानिस्तान के राजदूत मौलवी फजल मोहम्मद हक्कानी और चाबहार बंदरगाह के डायरेक्टर डॉ मोहम्मद सईद अरबाबी शामिल हुए। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने चाबहार बंदरगाह के जरिए व्यापार बढ़ाने पर चर्चा की। यह एक ऐसी पहल है, जिससे पाकिस्तान का परेशान होना स्वाभाविक है। अभी तक अफगानिस्तान समुद्री रास्ते से व्यापार के लिए पाकिस्तान पर निर्भर था। पाकिस्तान इसका बेवजह फायदा भी उठाता था। लेकिन, चाबहार बंदरगाह का रास्ता खुल जाने से अफगानिस्तान की पाकिस्तान पर निर्भरता कम हो जाएगी। ईरान स्थित अफगान दूतावास ने बताया कि बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने, चाबहार बंदरगाह के भीतर अफगान उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय का कार्यालय स्थापित करने, वित्तीय लेनदेन को सुगम बनाने के लिए अफगानिस्तान-ईरान संयुक्त बैंक की स्थापना, अफगान व्यापारियों को दीर्घकालिक भूमि आवंटित करने और चाबहार-मिलक रेलवे परियोजना को अंतिम रूप देने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने अफगान व्यापारियों को विस्तारित वीजा प्रदान करने और उनके सामने आने वाली किसी भी समस्या का समाधान करने के महत्व पर जोर दिया। यह बैठक हाल ही में अफगानिस्तान और भारत में ईरानी राजदूतों की एक सामूहिक बैठक के दौरान हुई, जिन्होंने चाबहार में अफगान व्यापारियों के साथ बैठक की और क्षेत्रीय व्यापार गतिशीलता के लिए इन बातचीत के महत्व को रेखांकित किया।

दरअसल, भारत ने पिछले साल ही ईरान के चाबहार बंदरगाह का ऑपरेशन संभाला है। ऐसे में अगर अफगानिस्तान समुद्री व्यापार के लिए चाबहार का इस्तेमाल करता है, तो उसकी निर्भरता पाकिस्तान के बजाए भारत पर बढ़ेगी। चाबहार से भारत को भी कमाई होगी और व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे। भारत इस रास्ते से न सिर्फ अफगानिस्तान, बल्कि मध्य एशियाई देशों और यूरोप में भी व्यापार को बढ़ा सकता है।

गाजा के बंकर में फंसे 200 लड़ाके नहीं करेंगे सरेंडर

हमास का बयान, इजरायल ने सुरंग को कंक्रीट से भरना शुरू किया

तेल अवीव/गाजा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हमास ने कहा है कि गाजा के राफा क्षेत्र में एक बंकर में फंसे उसके 200 लड़ाके इजरायली सेना के आगे सरेंडर नहीं करेंगे। हमास के सशस्त्र शाखा ने रविवार को इसकी घोषणा की है। हमास ने मध्यस्थों से एक महीने पहले लागू हुए युद्धविराम को खतरे में डालने वाले इस संकट का कोई और समाधान खोजने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ रिपोर्ट है कि इजरायली सेना ने बंकर को बंद करना शुरू कर दिया है, जिससे हमास के 200 लड़ाकों की जिंदगी खतरे में पड़ गई है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में बंकर में फंसे लड़ाकों को बाहर निकालने के लिए मध्यस्थता कर रहे सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्यस्थ, एक प्रस्ताव के तहत सूरंग में फंसे हमास के लड़ाकों से हथियार सरेंडर करने के बदले उन्हें गाजा के किसी और क्षेत्र में जाने के लिए कह रहे हैं। लेकिन हमास ने कहा है कि उसके लड़ाके हथियार नहीं डालेंगे। दूसरी तरफ, तुर्की के एक सीनियर अधिकारी ने कहा है कि तुर्की, गाजा में सुरंगों में फंसे लगभग 200 'नागरिकों' की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है। अधिकारी ने कहा है कि तुर्की ने करीब 10 साल पहले गाजा में मारे गये एक इजरायली सैनिक के शव की वापसी के दौरान मदद की है। तुर्की के सीनियर अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा है कि तुर्की ने हमास की युद्धविराम के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए गहन प्रयासों के बाद 11 साल बाद हदर गोल्डिन के अवशेषों को इजरायल वापस लाने में सफलता हासिल की है। अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया, साथ ही, हम सुरंगों में फंसे लगभग 200 गाजा नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रहे हैं। वहीं, मिस्र के मध्यस्थों ने प्रस्ताव दिया है कि सुरक्षित मार्ग के बदले, राफा में मौजूद आतंकवादी मिस्र को अपने हथियार सौंप दें और वहां मौजूद सुरंगों की जानकारी दें, ताकि उन्हें नष्ट किया जा सके।

वहीं, हमास के सैन्य शाखा इज़्ज़ेदिन अल-क़स्साम ब्रिगेड ने रविवार को जारी अपने बयान में इस स्थिति के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि उसके लड़ाके अपना बचाव कर रहे हैं।

हमास ने कहा, दुश्मन को यह पता होना चाहिए कि आत्मसमर्पण और खुद को सौंपने की अवधारणा अल-क़स्साम ब्रिगेड के डिक्शनरी में मौजूद ही नहीं है।

क्या फिर हिंसा की तरफ बढ़ा बांग्लादेश?

अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के बैंक के बाहर धमाका

ढाका, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सोमवार तड़के अज्ञात हमलावरों ने अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस के ग्रामीण बैंक के मुख्यालय के बाहर कच्चे बम फोड़ दिए। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब देश में राजनीतिक तनाव लगातार बढ़ रहा है और राजधानी में छिटपुट हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। बता दें कि यूनुस ने 1983 में ग्रामीण बैंक की स्थापना की थी और गरीबी उन्मूलन व महिलाओं को सशक्त करने के प्रयासों के लिए उन्हें 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सोमवार सुबह मोहम्मदपुर क्षेत्र में यूनुस की एक सलाहकार फरीदा अख्तर के स्वामित्व वाले व्यवसायिक प्रतिष्ठान 'प्रबर्तना' के सामने भी दो मोटरसाइकिल सवारों ने बम फेंके।

इजरायल पर एक साथ 2000 एडवांस बैलिस्टिक मिसाइल दागने की तैयारी

ईरान में 24 घंटे चल रहे कारखाने, नेतन्याहू करेंगे हमले की हिम्मत?

तेहरान, 10 नवंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप भले ही बार बार दावे कर रहे हों, लेकिन जून में अमेरिका के हमले में ईरान के परमाणु भंडार को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा है कि नुकसान तो हुआ है, लेकिन इतना नहीं कि ईरान परमाणु बम ना बना पाए। इसीलिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह नष्ट' करने के दावों पर शक गहराता जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्रीय अधिकारियों का मानना है कि ईरान के पास अभी भी पर्याप्त मात्रा में समृद्ध यूरेनियम है, जिससे करीब 11 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं।

ईरान के साथ 2015 में किया गया परमाणु समझौता पिछले महीने खत्म हो चुका है और उसको लेकर अब कोई नई बातचीत नहीं हो रही है। लिहाजा मिडिल ईस्ट में एक बार फिर से नये युद्ध की आशंका गहराती जा रही है। एक्सपर्ट्स के हवाले से इजरायली मीडिया ने कहा है कि 'अगला युद्ध अब सिर्फ वक्त की बात है।' इजरायली खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान ने अपने परमाणु भंडार को अमेरिका और इजरायल के हमले से पहले ही किसी गुप्त स्थान पर छिपा लिया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने 'पिकऐक्स माउंटेन' नाम से एक नये यूरेनियम संवर्धन केंद्र का निर्माण करना शुरू कर दिया है, जिसे इंटरनेशनल ऑब्जर्वर्स से छिपाकर रखा गया है। जबकि अब ईरान ने कहना शुरू कर दिया है कि उसका परमाणु भंडार अमेरिकी और इजरायली हमलों के दौरान नष्ट हो गया है।

इस बीच, इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के एक्सपर्ट अली वाएज ने कहा है, कि ईरान की मिसाइल फैक्टरियां दिन रात, यानि 24 घंटे मिसाइलों का निर्माण कर रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर अब अगला युद्ध होता है तो ईरान, इजरायल पर एक साथ 2000 मिसाइलें दागने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा है कि ईरान, इजरायल के तमाम एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह से खत्म करने की तैयारी में हैं और अगर एक साथ इतनी मिसाइलें दाग दी जाएं तो दुनिया का कोई भी एयर डिफेंस उसे इंटरसेप्ट नहीं कर सकता, ये जून महीने की लड़ाई में पहले ही देखा जा सका है। रिपोर्ट के मुताबिक, जून महीने की लड़ाई में ईरान ने इजरायल पर करीब 500 मिसाइलें दागी थी, जिनमें से करीब 50 मिसाइलों को जमीन पर गिरने से रोकने में इजरायली एयर डिफेंस सिस्टम नाकाम रहे थे। सीएनएन की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने ईरान को हाल के महीनों में 2000 टन सोडियम पर्क्लोरेट की 10 से 12 खेपें भेजी हैं।

अशोक गहलोत ने नरेश मीणा को बताया 'मिसगाइड'; क्या हैं इसके मायने

बारां, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में प्रचार का शोर थम गया। ठीक उसी दिन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा पर ऐसा बयान दिया जो अब पूरे प्रदेश की राजनीतिक गलियारों में गूंज रहा है। इस दौरान कांग्रेस के बड़े नेता मंच पर मौजूद थे।

भाषण में अशोक गहलोत ने कहा कि पता नहीं नरेश किनके हाथों में खेल रहा है। जो इसे गाइड कर रहा है, वो इसका दुश्मन है, हितैशी नहीं। गहलोत यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि मुझे दुख होता है कि नरेश जैसा नौजवान लड़का मिसगाइड होकर राजनीति कर रहा है। बेवजह मीणा समाज को क्यों

परेशान कर रहा है? मैं मीणा समाज से अपील करता हूं कि समझदारी से काम लें।

गहलोत का यह बयान किसी साधारण टिप्पणी से कहीं ज्यादा है। गहलोत के राजनीतिक करियर में उनके हर शब्द का वजन होता है और इस बार भी उन्होंने बिना नाम लिए कई नेताओं पर निशाना साध दिया।

किन नेताओं की ओर इशारा?

नरेश मीणा निर्दलीय उम्मीदवार हैं, लेकिन उनकी सभाओं में जो चेहरे नजर आ रहे हैं, वे किसी से छिपे नहीं। खुद नरेश ने मंच से पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा, रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की खुलकर तारीफ की। गुढ़ा तो उनके साथ लगातार मंच साझा कर रहे हैं। बेनीवाल ने भी खुला समर्थन दिया है। आप ने भी परोक्ष रूप से नरेश को बैकअप दिया है।

दूसरी तरफ नरेश मीणा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर लगातार हमलावर हैं। अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, अशोक चांदना सहित हर बड़े कांग्रेसी चेहरे को वे निशाना बना रहे हैं। उनकी हर सभा में कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी की जा रही है।

सरकार के मंत्रिमंडल फेरबदल के बीच किरोड़ी ने फिर छेड़ा इस्तीफा का राग

बोले- पद पर रहने की इच्छा नहीं

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अंता विधानसभा उपचुनाव के बाद भजन लाल सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल होने की काफी सियासी चर्चाएं हैं। माना जा रहा है कि इस चुनाव के बाद सरकार और पार्टी में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते है। इन चर्चाओं के बीच एक बार फिर कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि अगले साल उन्हें पार्टी नियमों के अनुसार मंत्री पद छोड़ना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि वह मंत्री पद पर बने रहने की बहुत ज्यादा इच्छा भी नहीं रखते हैं। इधर, एक बार फिर उनके मंत्री पद छोड़ने की चर्चाएं गर्म हो गई है। वहीं इसके कई सियासी मतलब भी निकाले जा

रहे है।

किरोड़ी क्यों बोले, मेरे मंत्री पद पर रहने की ज्यादा इच्छा नहीं है

पिछले साल लोकसभा चुनाव में दौसा समेत कुछ सीटों पर हार के बाद किरोड़ी लाल मीणा ने जिम्मेदारी लेते हुए मंत्री पद त्याग दिया था। बाद में बीजेपी हाई कमान के आदेश के बाद उन्होंने इसे फिर से संभाला, लेकिन फिर से किरोड़ी लाल के बयानों से सि या सी गलियारों में उनको लेकर चर्चाएं शुरू हो गई है। इसमें उन्होंने कहा कि उनमें मंत्री पद पर बने रहने की बहुत ज्यादा इच्छा नहीं है, वह अपने विभाग के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। अब मंत्रिमंडल में फेर बदल या विस्तार करना पार्टी और मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। इसलिए इसमें मेरी कोई ज्यादा दिलचस्पी नहीं है। पार्टी जो भी निर्णय करेगी। वह उसके लिए तैयार है। इस दौरान उन्होंने मंत्रिमंडल में नए लोगों और युवाओं को अवसर देने की बात भी कही है।

किरोड़ी लाल ने आगे बोलते हुए कहा कि उन्हें शुरू से मंत्री पद का कोई मोह नहीं रहा है। वह अपना काम ईमानदारी से करते है। उन्होंने संकेत दिए कि शायद उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़े। इसके पीछे की वजह बताते हुए बोला कि वह अगले वर्ष 75 साल के हो जाएंगे, तो क्या पता पार्टी के नियमों के अनुसार उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़े। उनकी मंत्री पद कोई लालसा नहीं है। सीएम और पार्टी को जो भी निर्णय है, उसे वह स्वीकार करेंगे। अंता विधानसभा उपचुनाव के बीच किरोड़ी लाल मीणा का यह बयान सियासी गलियारों में जमकर हलचल पैदा कर रहा है।

फलौदी हादसा: 15 लोगों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एनएचएआई और राजस्थान सरकार से स्थिति रिपोर्ट तलब

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजस्थान के फलौदी में हुए दर्दनाक सड़क हादसे, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए, पर स्वतः संज्ञान लिया।

न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय विश्नोई की पीठ ने राजमार्गों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह दो सप्ताह के भीतर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसमें राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित ढाबों और अन्य स्थापनाओं की संख्या एवं स्थिति का ब्योरा दिया जाए। इसके साथ ही अदालत ने सड़क की स्थिति के संबंध में भी रिपोर्ट तलब की।

पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता ए.एस. नाडकर्णी को मामले में न्याय मित्र नियुक्त किया और निर्देश दिया कि राजस्थान के मुख्य सचिव को पक्षकार के रूप में शामिल किया जाए, ताकि वे मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें। राजस्थान सरकार की ओर से उपस्थित अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने अदालत को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार पूर्ण सहयोग करेगी और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर न्यायालय की हर प्रकार से सहायता करेगी।

अदालत ने इसके अतिरिक्त आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में हुए समान सड़क हादसे का भी संज्ञान लिया और निर्देश दिया कि आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव को भी पक्षकार बनाया जाए, ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग सुरक्षा और सड़क किनारे ढांचों के नियमन के लिए एक समन्वित नीति और दृष्टिकोण अपनाया जा सके।

वरिष्ठ रंगकर्मी पवन शर्मा का निधन

देहदान कर छोड़ी अनूठी मिसाल मेडिकल कॉलेज को सौंपी गई देह

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के रंगमंच जगत को गहरा आघात लगा है। शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी, ख्यातनाम अभिनेता, कुशल निर्देशक, मधुर गायक तथा प्रकाश-संचालक पवन शर्मा का रविवार देर रात निधन हो गया। दिल्ली रोड स्थित निम्स अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। एक नवंबर को उन्हें अचानक ब्रेन स्ट्रोक हुआ था, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लगातार नौ दिन तक चले उपचार के बावजूद चिकित्सकों की सारी कोशिशें नाकाम रहीं और वे इस दुनिया-ए-फानी से विदा हो गए।

पवन शर्मा का जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं है, बल्कि जयपुर रंगमंच की एक पूरी पीढ़ी के संरक्षक का चले जाना है। पिछले कई दशकों से वे जयपुर के रंगमंच को अपनी ऊर्जा, समर्पण और बहुमुखी प्रतिभा से सींचते रहे थे। उनके निधन की खबर जैसे ही रंगकर्मियों के बीच पहुंची, पूरे शहर का थिएटर समुदाय शोक-सागर में डूब गया। मृत्यु के बाद भी पवन शर्मा ने जीवंत मिसाल कायम की है। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार परिवार ने उनकी देह को पूर्ण रूप से दान करने का निर्णय लिया। यह देहदान समाजसेवा और चिकित्सा शिक्षा के लिए किया गया है।

मंदिर-स्कूल से 500 मीटर तक खनन और विस्फोट बैन, सीमेंट फैक्ट्री केस में एनजीटी सख्त

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने मंदिर और स्कूल के 500 मीटर के दायरे में खनन और विस्फोट पर रोक लगा दी है। एनजीटी ने कहा कि जहां पर्यावरण संरक्षण व आर्थिक विकास में टकराव की स्थिति हो, वहां पर्यावरण को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही संदेश दिया कि पर्यावरण और इंसान व पशुओं के जीने का अधिकार है, इसके बाद उद्योग।

एनजीटी ने खान निदेशालय व जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि उद्योगों से सामाजिक हितों के लिए जमा होने वाली कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) राशि को प्रभावित ग्रामीणों के स्वास्थ्य व सुविधाओं पर खर्च किया जाए। प्रदूषण व स्थानीय भवनों में आई दरारों के लिए सीमेंट कंपनी को

जिम्मेदार मानते हुए कहा कि पर्यावरण व प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए जिला प्रशासन को 50 हजार रुपए क्षतिपूर्ति जमा कराई जाए, जिसमें 20 हजार रुपए चिन्हित प्रभावित परिवारों को दिए जाएं।

संघर्ष समिति की याचिका पर निर्देश

एनजीटी ने सीमेंट कंपनी की गतिविधियों के विरोध में कोटपूतली जिले के जोधपुरा गांव की संघर्ष समिति की ओर से दायर याचिकाओं को निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाओं में खनन के लिए किए जा रहे विस्फोट से स्थानीय भवनों में आई दरारों व क्रशर संचालन से प्रदूषण पर विरोध जताते हुए ग्रामीणों को राहत दिलाने का आग्रह किया गया था।

प्रेमिका के वियोग में प्रेमी का खौफनाक कदम

कार में लगाई आग, जिंदा जलकर मौत

श्रीगंगानगर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में पावनधाम कॉलोनी में सोमवार सुबह करीब 11 बजे उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक युवक ने अपनी कार में आग लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके पर जोरदार धमाका हुआ और कार आग के गोले में तब्दील हो गई।

घटना जस्सासिंह मार्ग स्थित पावनधाम मंदिर के पास हुई। पुलिस ने मृतक की पहचान पंजाब निवासी सुरजीत सिंह के रूप में की है।

जानकारी के अनुसार, सुरजीत सिंह पिछले तीन साल से हनुमानगढ़ में अपनी प्रेमिका के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। दोनों के बीच कुछ समय से अनबन चल रही थी। एक सप्ताह पहले प्रेमिका अपने परिजनों के पास श्रीगंगानगर लौट आई थी और उसने हनुमानगढ़ की सुरेसिया पुलिस चौकी में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि सुरजीत उसे परेशान करता है।

सुरजीत श्रीगंगानगर आया और सेतिया पुलिस चौकी में जाकर प्रेमिका को वापस ले जाने की जिद की, लेकिन मामला शांत नहीं हुआ। सोमवार सुबह सुरजीत ने अपनी कार में पेट्रोल डाला और प्रेमिका के घर के पास ही आग लगा ली।

कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। राहगीरों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाकर युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

मृतक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया।

शादी नहीं हो रही थी, इसलिए बेटे ने मां-बाप को बेरहमी से मार डाला

अलवर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। बड़ौदामेव थाना क्षेत्र के हादरहेड़ा गांव में 22 साल के युवक ने अपने ही माता-पिता की कुल्हाड़ी से काट कर बेरहमी से हत्या कर दी। ग्रामीणों की मानें तो हत्यारा ओमप्रकाश जाटव अपनी शादी नहीं होने के चलते घरवालों से नाराज था। वह आए दिन शादी की बात को लेकर माता-पिता से झगड़ा भी करता था।

पुलिस के मुताबिक बुजुर्ग पिता हरियाराम जाटव (65) और मां शांति जाटव (62) की हत्या के बाद आरोपी ने शवों को रजाई से ढक दिया और मौके से फरार हो गया। वह अपनी मां के पैर से चांदी का कड़ा भी उतार कर ले गया। बड़ौदामेव थानाधिकारी विजयपाल सिंह ने बताया कि ओमप्रकाश शनिवार रात शराब के नशे में घर आया। इसके बाद आरोपी ने गहरी नींद में सो रहे पिता और मां की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी।

इसलिए होता था अक्सर घरवालों से झगड़ा

ग्रामीणों के अनुसार नशे की बुरी लत के कारण ओमप्रकाश की शादी नहीं हो रही थी। इसे लेकर वह अक्सर अपने माता-पिता व परिजनों से झगड़ा करता था। ग्रामीणों की मानें तो आरोपी घरवालों से कहता था कि शादी नहीं करवाई तो जान से मार दूंगा। शराबी भाई से परेशान बड़ा भाई मोहरपाल भी गांव में नहीं रहता था और अलवर में रहकर परिवार के साथ मजदूरी करता था।

सगे भाई ने दर्ज कराया हत्या का केस

आरोपी ओमप्रकाश के भाई मोरपाल सिंह ने बड़ौदामेव थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि ओमप्रकाश ने शराब के नशे में माता-पिता की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। ओमप्रकाश शराब पीने के लिए पैसे मांगता था, नहीं देने पर झगड़ा करता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। ओमप्रकाश अपने गांव में माता-पिता के साथ रहता है।

नेपाल से खरीदकर लाया पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन

200+ भ्रूण लिंग जांचे, 7 बार हुई गिरफ्तारी पुलिस ने अब आठवीं बार फिर पकड़ा

झुंझुनू, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा और राजस्थान की संयुक्त पीसीपीएनडीटी टीम ने कार्रवाई करते हुए भ्रूण लिंग परीक्षण करने के आरोप में अवधेश पांडे को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर दोनों राज्यों में पहले से सात मामले दर्ज हैं, यह उसकी आठवीं गिरफ्तारी है।

टीम ने खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के बडाऊ गांव में दबिश देकर यह कार्रवाई की। मौके से आरोपी को पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन के साथ पकड़ा गया, जबकि उसका साथी सत्येन्द्र (ढाणा तन पचेरी निवासी) 23 हजार रुपए लेकर गायब हो गया।

डमी ग्राहक को भेजा

नारनौल पीसीपीएनडीटी टीम के इंचार्ज डॉ. विजय कुमार ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के लिंग परीक्षण की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस पर हरियाणा और राजस्थान की टीमों ने संयुक्त कार्रवाई की योजना बनाई। टीम ने साढ़े पांच माह की गर्भवती महिला को डमी ग्राहक बनाकर भेजा। आरोपी एजेंट ने लिंग परीक्षण के बदले 50 हजार रुपए की मांग की।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, सीबीएन इंस्पेक्टर के लिए लाखों की रिश्वत लेता दलाल गिरफ्तार

कोटा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा एसीबी स्पेशल यूनिट ने दलाल अकरम हुसैन को सीबीएन इंस्पेक्टर के लिए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ये रिश्वत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के इंस्पेक्टर हितेश कुमार के लिए ली जा रही थी। आरोपी दलाल अकरम हुसैन को 20 हजार रुपए की असली मुद्रा और 2.80 लाख रुपए के डमी नोट के साथ पकड़ा गया।

बेटे ने दी थी लिखित शिकायत

परिवादी ने लिखित शिकायत दी थी कि उसके पिता को 7 नवंबर को सीबीएन इंस्पेक्टर

बेटे ने दी थी शिकायत

हितेश कुमार और उनके साथी द्वारा घर से उठा लिया। साथ ही पिता को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी और 3 लाख रुपए की रिश्वत भी मांगी। इसके बाद एसीबी स्पेशल यूनिट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा ने इस शिकायत का सत्यापन करवाया। जिसके बाद रिश्वत की मांग सही निकली।

रंगे हाथों किया गिरफ्तार

सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रेप कार्रवाई की योजना बनाई। दलाल अकरम हुसैन को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। एसीबी ने उसके पास से 20 हजार रुपए की असली मुद्रा और 2.80 लाख रुपए के डमी नोट बरामद किए।

एमडी ड्रग्स सप्लायर गिरफ्तार : छह माह से चल रहा था फरार; पुलिस ने ऐसे की गिरफ्तारी

जोधपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया (आईपीएस) के निर्देशन में जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिला विशेष टीम (डीएसटी) फलोदी और थाना फलोदी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार किया है, जो पिछले छह माह से फरार चल रहा था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारण एवं वृताधिकारी अचलसिंह देवड़ा के सुपरविजन में

थानाधिकारी फलोदी निरीक्षक भंवराराम के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी सुरेश पुत्र भंवरलाल बिश्नोई निवासी जम्भेश्वरनगर, थाना लोहावट को गिरफ्तार किया है।

गौरतलब है कि 22 मार्च 2025 को थाना लोहावट पुलिस ने कस्बा लोहावट स्थित मनोहर चौराहा के पास श्रीराम भोजनालय के निकट आरोपी विकास के कब्जे से 27 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद कर उसे गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान सामने आया कि इस ड्रग्स की सप्लाई आरोपी सुरेश द्वारा की गई थी, जो घटना के बाद से फरार चल रहा था।

डीएसटी टीम को सूचना मिलने पर 8 नवम्बर 2025 को कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरेश को दस्तयाब कर थानाधिकारी फलोदी को सुपुर्द किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एमडी ड्रग्स की खरीद-फरोख्त में उसकी संलिप्तता को लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार आरोपी शॉर्टकट तरीके से धन कमाने और लग्जरी जीवन जीने की चाह में मादक पदार्थ तस्करी कर रहा था। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मादक पदार्थों का सेवन न करें, यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। साथ ही, मादक पदार्थ तस्करी से संबंधित किसी भी सूचना को तुरंत पुलिस को दें, सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का वैश्विक मानकों के अनुरूप पुनर्विकास : किशन रेड्डी

केन्द्रीय मंत्री ने स्टेशन भवन के निर्माण स्थलों का दौरा किया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। मंत्री ने स्टेशन भवन के दोनों ओर निर्माण स्थलों का दौरा किया और विकास कार्यों की प्रगति की प्रत्यक्ष जानकारी ली। उन्होंने कार्यस्थलों पर किए जा रहे सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की। बाद में, स्टेशन पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निर्माण ब्रिटिश काल में हुआ था और आज यह दक्षिण भारत के सबसे महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक है, जहां प्रतिदिन 1.97 लाख यात्री आते-जाते हैं और प्रतिदिन 100 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, 714.73 करोड़ रुपये की लागत से विश्वस्तरीय यात्री सुविधाओं और आधुनिक वास्तुकला के साथ स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि निर्माण कार्य सिग्नल, पटरियों या ट्रेन सेवाओं में बाधा डाले बिना किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यस्त समय (लगभग 23,000 यात्री प्रति घंटे) के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ के बावजूद, रेल उपयोगकर्ताओं को कोई असुविधा पहुंचाए बिना पुनर्विकास कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि स्टेशन का पुनर्विकास हवाई अड्डों के समान वैश्विक मानकों के साथ किया जा रहा है और यह हैदराबाद शहर में आकर्षण का केंद्र होगा। इसके अलावा, किशन रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना राज्य को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 5,337 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना में 346 नई रेल लाइनें, 487 किलोमीटर दोहरीकरण, तिहराकरण और चौगुनाकरण का काम शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि दस वर्षों में रिकॉर्ड 1959 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण किया गया है और तेलंगाना में 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। इसी तरह, 10 वर्षों में 293 आरयूबी, 43 आरओबी और 49 एफओबी का निर्माण किया गया है। उन्होंने बताया कि नए कोमारवेल्ली रेलवे स्टेशन पर 96 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

उन्होंने यह भी बताया कि यदाद्री में एमएमटीएस चरण-II का काम जल्द ही शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना में 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से बेगमपेट, वारंगल और करीमनगर स्टेशनों का हाल ही में उद्घाटन किया गया है। निरीक्षण के दौरान केन्द्रीय मंत्री के साथ उनके दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन, दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण रणधीर रेड्डी, दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मोबाइल चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

धोखाधड़ी से मोबाइल फोन चोरी की

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर की मुशीराबाद थाने की पुलिस ने धोखाधड़ी और ध्यान भटकाकर मोबाइल फोन चोरी के मामले का पता लगाया और एक अपराधी व एक रिसीवर को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त, मध्य क्षेत्र, हैदराबाद शहर ने बताया कि मोहम्मद इकरामुद्दीन उर्फ इकराम निवासी, मोहल्लागंज, गोलकोंडा किला, हैदराबाद और रिसीवर सुमीत सैनी उर्फ सुमीत निवासी, कुतुबीगुड़ा, बड़ीचौड़ी, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। बीते 18 अक्टूबर को मुख्य आरोपी ने एप्पल आईफोन 17 एयर की बिक्री का ओएलएक्स विज्ञापन देखा और उस मोबाइल फोन की चोरी करने की योजना बनाई। उसने 27 अक्टूबर को शिकायतकर्ता से संपर्क किया और उसे गांधीनगर में ईडन होम स्टे आने के लिए कहा , क्योंकि आरोपी ने उस कमरे को 1 दिन के किराए पर लिया था। शिकायतकर्ता अपने भाई के साथ 2% अक्टूबर को ईडन होम स्टे में आया और मोहम्मद इकरामुद्दीन ने शिकायतकर्ता को विश्वास दिलाया कि वह वहां रहता है और उन्हें विश्वास दिलाने के लिए शिकायतकर्ता को ग्लास में माज़ा दिया और उन्हें बेडरूम में बैठाया। शिकायतकर्ता से एप्पल आईफोन 17 एयर मोबाइल फोन और मोबाइल चार्जिंग केबल और मोबाइल फोन बॉक्स ले लिया और उसने ने झूठ बोला कि वह मोबाइल फोन अपनी माँ को दिखाएगा जो अगले कमरे में है और मोबाइल फोन लेकर बाहर चला गया और मुख्य दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और भाग गया। उसने 29 अक्टूबर को ही आरोपी ने 69 हजार रुपए में मोबाइल फोन सुमीत सैनी को बेच दिया। वह पैसा अपने कर्ज चुकाने में खर्च कर दिया। मोहम्मद इकरामुद्दीन के खिलाफ पहले से ही तीन थानों में मामले दर्ज है। डीआई नदीम के नेतृत्व में मुशीराबाद क्राइम टीम को शुक्रवार को आरोपी के अपने घर पर मौजूद होने की विश्वसनीय सूचना मिली और तुरंत आरोपी को पकड़ लिया गया। पता चला कि आरोपी ने ऐशो-आराम की ज़िंदगी जीने के लिए एप्पल आईफोन 17 एयर की चोरी की और उसे सुमित को बेच दिया। यह गिरफ्तारी एल. रमेश कुमार, एसीपी चिक्कड़पल्ली डिवीजन, जी. रामबाबू, एसएचओ, पुलिस निरीक्षक, मोहम्मद नदीम हुसैन, पुलिस उपनिरीक्षक, थाना मुशीराबाद और जी. दुर्गा चौधरी, थाना मुशीराबाद के उपनिरीक्षक, तथा मुशीराबाद पुलिस स्टेशन के क्राइम स्टाफ की निगरानी में की गई।

भरोसा केंद्र पीड़ित महिलाओं के लिए उपयोगी होंगे : डीजीपी

सरूर नगर इलाके में भरोसा केंद्र का उद्घाटन

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए भरोसा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। पुलिस महानिदेशक ने सोमवार को राचकोंडा के सरूर नगर इलाके में निर्मित भरोसा केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ये केंद्र पीड़ित महिलाओं को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने और कानून के अनुसार सभी प्रकार की काउंसलिंग करने में उपयोगी होंगे। समस्याओं का सामना कर रही महिलाएं भरोसा केंद्रों से संपर्क कर सकती हैं। कार्यक्रम में राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू, तेलंगाना पुलिस हाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज कॉर्प लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एम. रमेश, राचकोंडा महिला सुरक्षा विंग की पुलिस उपायुक्त श्रीमती टी. उषारानी और अन्य ने भाग लिया।

पिछड़ा वर्ग संघ 50 प्रतिशत आरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित करेगा

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के अध्यक्ष आर. कृष्णैया ने सोमवार को कहा कि विधानसभाओं में पिछड़ा वर्ग के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर 10 दिसंबर को दिल्ली में एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और उड़ीसा के साथ-साथ उत्तरी राज्यों के कई प्रोफेसर, बुद्धिजीवी, केंद्रीय मंत्री और विभिन्न दलों के 20 सांसद भाग लेंगे। उन्होंने सोमवार को बशीर बाग प्रेस क्लब में नौ संघों के तत्वावधान में आयोजित एक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और उसे संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय सचिव बनला अजयकुमार ने की। इस अवसर पर बोलते हुए, आर. कृष्णैया ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार पहली बार जाति जनगणना करवा रही है और इसे देश के इतिहास में एक रिकॉर्ड बताया। उन्होंने कहा कि आजादी के 78 वर्षों में किसी भी पार्टी ने जाति जनगणना नहीं करवाई है। उन्होंने कहा कि जनगणना के बाद पिछड़ी जातियों को सभी क्षेत्रों, खासकर शिक्षा, रोज़गार, अर्थव्यवस्था, राजनीति और सामाजिक क्षेत्रों में उचित हिस्सेदारी मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि जाति जनगणना के बाद समाज में हर पहलू में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र ने जाति जनगणना का सम्मान किया है, जो 75 करोड़ से ज़्यादा पिछड़ी जातियों की लंबे समय से चली आ रही इच्छा थी। उन्होंने 1931 में ब्रिटिश सरकारों द्वारा की गई जनगणना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लिए गए साहसिक फैसलों की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि जाति जनगणना के बाद, पिछड़ी जातियों की आबादी के अनुपात में विधानसभाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण और केंद्र में पिछड़ी जातियों के लिए एक विशेष मंत्रालय जैसे फैसले लिए जाएँगे। आर. कृष्णैया ने इस बात पर खुशी जताई कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछड़ी जातियों की आशाओं और आकांक्षाओं तथा अन्य मांगों के अनुरूप फैसले लिए। बैठक में नीला वेंकटेश, सी. राजेंद्र, राज कुमार, पगल्ला सतीश, मोदी लांदेव और अन्य पिछड़ी जातियों के नेताओं ने भाग लिया।

हैदराबाद उपचुनाव में सुरक्षा के लिए 139 ड्रोन तैनात

सभी 407 मतदान केंद्रों पर ड्रोन से निगरानी, पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव को शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए जीएचएमसी सतर्कता शाखा और हैदराबाद पुलिस ने 139 ड्रोन तैनात किए हैं। ये ड्रोन 11 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक सभी 407 मतदान केंद्रों की निगरानी करेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन से वास्तविक समय में नज़र रखी जाएगी, जिससे किसी भी अनियमितता या गड़बड़ी का तुरंत पता लगाया जा सकेगा। जीएचएमसी मुख्यालय में इसके लिए एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है और सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तकनीक से भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और चुनावी नियमों के पालन में काफी मदद मिलेगी। इस उपचुनाव में लगभग 4 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

ड्रोन निगरानी परियोजना का उद्घाटन जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन और संयुक्त पुलिस आयुक्त तफ़सीर इकबाल ने यूसुफगुडा के कोटला विजय भास्कर रेड्डी स्टेडियम में किया। अधिकारी उम्मीद कर रहे हैं कि यह पहल भविष्य के चुनावों के लिए एक नई मिसाल बनेगी।

आरआरआर परियोजना पर किसानों का विरोध

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बालानगर मंडल के पंचकूला गड्डा थांडा में सोमवार को क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) परियोजना के तहत जमीन खोने वाले किसानों ने कांग्रेस विधायक जे. अनिरुद्ध रेड्डी का घेराव किया और जमकर विरोध जताया।

विधायक यहाँ इंदिराम्मा आवास योजना के तहत एक गृह प्रवेश समारोह में शामिल होने पहुँचे थे। विधायक के आगमन की सूचना मिलते ही महिलाओं समेत सैकड़ों किसान स्थल पर पहुँच गए और नारेबाजी करते हुए अपनी जमीन बचाने की मांग उठाई।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-ADVTD-010

(1) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-141653-2-24-2 (Advertising-Train Interior)
विवरण: ट्रेन नं. 18573/18574 विशाखापट्टनम-भगत की कोठी-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस में 01 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(2) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-131665-2-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण: 12807/12808 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम समता सुपरफास्ट एक्सप्रेस के रेक लिंक के साथ ट्रेन नं. 12803/12804 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम स्वर्णजयंती सुपर फास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(3) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-174740-1-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण: ट्रेन लिंक नं. 22801/22802 विशाखापट्टनम-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-विशाखापट्टनम साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस एवं 22809/22810 विशाखापट्टनम-पारादीप-विशाखापट्टनम साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस हेतु 01 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(4) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-277950-1-25-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण: 18518/18517 विशाखापट्टनम-कोरबा-विशाखापट्टनम कोरबा एक्सप्रेस के रेक लिंक के साथ ट्रेन नं. 18521/18522 विशाखापट्टनम-कडपा-विशाखापट्टनम तिरुमाला एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(5) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-131905-3-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण: ट्रेन लिंक नं. 20807/20808 विशाखापट्टनम-अमृतसर जं.-विशाखापट्टनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं 20811/20812 विशाखापट्टनम-हजूर साहिब नान्देड-विशाखापट्टनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(6) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-131881-2-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण: ट्रेन लिंक नं. 18567/18568 विशाखापट्टनम-कोल्लम जं.-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं 20815/20816 विशाखापट्टनम-टाटा-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(7) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-131760-3-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण: ट्रेन लिंक नं. 22869/22870 विशाखापट्टनम-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-विशाखापट्टनम सुपर फास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं 18503/18504 विशाखापट्टनम-साईनगर शिर्डी-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस में 01 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(8) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-129368-2-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण: ट्रेन नं. 12861/12862 विशाखापट्टनम-महबूबनगर-विशाखापट्टनम सुपर फास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.11.2025 को 1100 बजे (सभी क्रम सं. हेतु)।
लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.11.2025 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु), 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु), 1200 बजे (क्रम सं. 4 हेतु), 1210 बजे (क्रम सं. 5 हेतु), 1220 बजे (क्रम सं. 6 हेतु), 1230 बजे (क्रम सं. 7 हेतु), 1240 बजे (क्रम सं. 8 हेतु)।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-783/Q/25-26

केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय महासभा संपन्न

विशाखापट्टनम, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने की 8 तारीख को शुरू हुई केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की 20वीं राष्ट्रीय त्रैवार्षिक बैठकें सोमवार को संपन्न हुईं। उद्घाटन समारोह में केनरा बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ के. सत्यनारायण राजू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

उद्घाटन के अवसर पर श्री राजू ने कहा कि केनरा बैंक के विकास में केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की भूमिका अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि तेलुगु युवा के. रवि कुमार के नेतृत्व में देशभर के सभी बैंक अधिकारी एकजुट होकर जो बैंकिंग सेवाएं दे रहे हैं, वे देश की प्रगति में बहुत योगदान दे रही हैं। एमडी ने कहा कि बैंक अधिकारियों के कल्याण, बैंक के विकास के बारे में रवि कुमार की लगन, मेहनत, दूरदर्शिता और सोच को देखकर ऐसा लगता है जैसे मैं खुद को आईने में देख रहा हूं।

इस कार्यक्रम में सत्यनारायण राजू के एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 'द मास्टर स्टिच' नामक पुस्तक का विमोचन उनकी माता श्रीमती राम सीता के हाथों किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें पढ़ाने के लिए उनकी मां ने जो मेहनत की, उसी की वजह से वे इस मुकाम पर पहुंचे हैं।

जनरल सेक्रेटरी के. रवि कुमार ने कहा कि देश भर के बैंक अधिकारियों की एकता ही उनकी ताकत है और इसी ताकत ने उन्हें देश में दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड यूनियन बनाया है। बैंक अधिकारियों की समस्याओं को हल करने और एकता को ही रास्ता मानते हुए, केनरा बैंक इन तीन सालों में सात लाख करोड़ का बिजनेस बढ़ाने में कामयाब रहा है। एसोसिएशन की मांगों को पूरा करते हुए केनरा बैंक के अधिकारियों के कल्याण, उन्नति और विकास में सहयोग देने के लिए एमडी सत्यनारायण राजू को रविकुमार ने धन्यवाद दिया। दूसरे दिन, विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों का मंच पर भव्य स्वागत किया गया। जनरल सेक्रेटरी ने रिपोर्ट पेश की। देश के कोने-कोने से आए प्रतिनिधियों ने व्यापक चर्चा में भाग लिया। बैंक अधिकारियों द्वारा सामना की जा रही विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई और 100 प्रस्ताव पेश कर उन्हें पारित किया गया। रविकुमार ने एआई टेक्नोलॉजी से आने वाले बदलावों के लिए तैयार रहने और उसी के अनुसार ज्ञान बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन में अनुशासन और केनरा बैंक में विकास ही उनकी नीति है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के प्रयासों का कड़ा विरोध करने की घोषणा की।

रविकुमार ने कहा कि उन पर भरोसा रखने वाले 50 हज़ार सदस्यों को धन्यवाद देते हुए, उन्होंने कहा कि वह अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाने के लिए और ज़्यादा मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा कि देश भर से आए एसोसिएशन के प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इस सम्मेलन को एक त्योहार की तरह सफल बनाया। उन्होंने विशाखापत्तनम में तीन दिनों तक इतनी बड़ी राष्ट्रीय महासभा को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए रिसेप्शन कमेटी के चेयरमैन रमाप्रसाद और कमेटी के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों के साथ सभा को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग देने के लिए पुलिस प्रशासन, मीडिया मित्रों और विशाखापट्टनम के होटल मालिकों को धन्यवाद दिया।

फसल बर्बाद होने से परेशान किसान ने की आत्महत्या

करीमनगर, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में हुई भारी बारिश से फसल को नुकसान होने से परेशान जम्मीकुंटा मंडल के नागमपेट गांव के 28 वर्षीय किसान सोमल्ला हरीश ने आत्महत्या कर ली। उसने शनिवार को खेत में जाकर कीटनाशक पी लिया था।

पुलिस के मुताबिक, हरीश ने ज़हर पीने के बाद अपने भाई राकेश को फोन कर बताया। परिवार के लोग उसे तुरंत जम्मीकुंटा के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन रविवार शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हरीश बी.टेक की पढ़ाई अधूरी छोड़कर पिछले चार साल से अपने पिता सदाय्या के साथ खेती कर रहा था। इस सीजन में उसने दो एकड़ अपनी ज़मीन पर धान और पट्टे पर ली गई एक एकड़ ज़मीन पर कपास बोई थी।

आचार्य बालकृष्ण को पी.एचडी

हरिद्वार, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखण्ड का अग्रणी विश्वविद्यालय यूपीईएस के स्कूल ऑफ बिजनेस के 23वें दीक्षांत समारोह में पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया जहां उन्हें उनकी अभूतपूर्व उपलब्धियों के लिए सर्वोच्च शैक्षणिक डिग्री- डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी.एचडी मानद उपाधि) से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आचार्य जी ने कहा कि सेवा में निरंतरता, समर्पण तथा संलग्नता ही हमारी शक्ति है। स्वामी जी के नेतृत्व में पतंजलि के लाखों भाई-बहनों के तप व पुरुषार्थ से पतंजलि विश्वव्यापी सेवा कार्यों को मूर्त रूप प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मान हमें और दृढ़ता से अपने सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने के प्रति प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में यूपीईएस के कुलपति डॉ. राम शर्मा ने कहा कि आपसे प्रेरणा प्राप्त कर स्नातक छात्र-छात्राएं अपने जीवन कि नयी पारी नव-ऊर्जा के साथ आरंभ करने के लिए प्रेरित होंगे। आचार्य जी के कुशल नेतृत्व में पतंजलि मॉडल आज देश का एक अग्रणी व्यवसाय मॉडल बन गया है। देश के प्रतिष्ठित उद्यमी आज पतंजलि मॉडल से प्रेरणा ले रहे हैं।

इस सम्मान के लिए आचार्य जी ने विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सुनील राय, कुलपति डॉ. राम शर्मा, प्रति कुलपति डॉ. जय शंकर, कुलसचिव प्रो. मनीष मदान, निदेशक स्कूल बिजनेस प्रो. राहुल नैनवाल, डीन-रिसर्च डॉ. अश्विनी नांगिया, एमडी, स्क्रूम्बर्गर ललित अग्रवाल, अकेडमिक काउंसिल तथा गवर्निंग बॉडी के सदस्यों तथा सभी विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मारु सेन समाज का दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोवर टैंकबंड जगदीश मंदिर स्थित मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के सानिध्य में रविवार 9 नवंबर शाम 4.15 बजे सेनजी महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण, दीप प्रज्वलितकर आरती के पश्चात दिपावली स्नेह मिलन व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विज्ञप्ति में अध्यक्ष हनुमान तँवर ने बताया कि हर वर्ष की भांति सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज बन्धुओं को दीपावली की शुभकामनांए देते हुए अध्यक्ष हनुमान तँवर ने कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथि ऑल इंडिया सेनजी महासंघ ट्रस्ट प्रदेश अध्यक्ष कैलाश राठौड़, पुरबिया सेन समाज अध्यक्ष गौतम सेन, सेन समाज अध्यक्ष खिमाराम कुशीप, भोजन-प्रसादी लाभार्थी चन्दन पँवार श्री बालाजी ट्रेडर्स, पेपर विज्ञापन के लाभार्थी मिश्रीलाल सुरेन्द्र भाटी माँ दुर्गा चिट फंड एवं कार्यक्रम के लाभार्थीयों को मंच पर आमंत्रित कर राजस्थानी साफे व शॉल व मोतीओं की माला से विशेष सम्मान किया गया। समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

अवसर पर आगामी कार्यकाल के लिए विशेष बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे समाज

बन्धुओं ने बड़चढकर भाग लिया। सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष हनुमान तंवर ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों व समाज बन्धुओं बन्धुओं को दिपावली की शुभकामनाएं देते हुए भरोसा दिलाया कि सभी के सहयोग से समाज की एकता व चहुमुखी विकास के लिए वे हर सम्भव प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन समाज के हनुमान तंवर, गोरधन चौहान, नरेन्द्र चौहान, गिरीश परिहार, प्रकाश चौहान, रतन राणा, श्रवण, राजू सुरंग, मिठालाल, चन्दन पंवार, अरविन्द देवड़ा, आनन्द परिहार, श्रवण सोनीगरा व समाज बन्धुओं व कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन प्रह्लादसिंह राजपुरोहित ने किया। उपाध्यक्ष गोरधन चौहान के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

कवि आंदे श्री को बीआरएस नेताओं ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

केटीआर ने कहा- तेलंगाना की आत्मा बन चुकी हैं आंदे श्री की रचनाएँ

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने लालापेट स्थित प्रोफेसर जयशंकर स्टेडियम में तेलंगाना के प्रसिद्ध कवि और गीतकार आंदे श्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आंदे श्री की कविताएँ तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान का अमिट हिस्सा हैं।

रामाराव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनका निधन राज्य के साहित्यिक और सामाजिक जीवन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन में आंदे श्री के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके गीतों ने संघर्ष को दिशा और जनमानस को ऊर्जा दी।

पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आंदे श्री का निधन तेलुगु साहित्य और तेलंगाना समाज के लिए एक बड़ी क्षति है।

इस अवसर पर तलसानी श्रीनिवास यादव, जी. जगदीश रेड्डी, सी. लक्ष्मी रेड्डी, टी. पद्माराव, वी. श्रीनिवास गौड़ सहित कई वरिष्ठ बीआरएस नेता, विधायक और पूर्व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा का स्नेहमिलन संपन्न

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कन्याकुब्ज सभा के तत्वावधान में दीपावली स्नेहमिलन समारोह उप्पुगुडा स्थित कान्यकुब्ज भवन में हुआ।

मुख्य अतिथि आचार्य काकुननूरी सूर्यनारायना मूर्ति थे। अध्यक्ष डॉ. राम कुमार तिवारी ने काव्यात्मक रूप से सभी का स्वागत किया।

अवसर पर सूर्यनारायना मूर्ति ने कहा कि उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर 25 सदस्यों को ब्राह्मण रत्न, सम्मान पत्र एवं शाल, मोती की माला द्वारा सम्मानित किया गया। महामंत्री विजयपाल पाण्डे उपाध्यक्ष राकेश तिवारी ने सभी सदस्यों का मार्गदर्शन किया। युवा मामलों के मंत्री द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह सामूहिक उपनयन संस्कार किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

टी20 वर्ल्ड कप 2026: सेमीफाइनल के लिए 3 वेन्यू तय

दिल्ली-मुंबई को नहीं मिला कोई नॉकआउट मैच

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप 2025 खत्म होते ही अब अगले टूर्नामेंट की तैयारी शुरू हो गई है. भारत और श्रीलंका में खेला गया ये वर्ल्ड कप अच्छा साबित हुआ. अब इन्हीं दोनों देशों में आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन होना है. फरवरी-मार्च में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए वेन्यू शॉर्टलिस्ट कर लिए गए हैं. भारत में इस वर्ल्ड कप के लिए 5 शहरों को वेन्यू बनाया गया है, जबकि श्रीलंका के 3 स्टेडियम तय कर लिए गए हैं. इतना ही नहीं, सेमीफाइनल मुकाबलों के वेन्यू भी शॉर्टलिस्ट हो गए हैं, जिसमें भारत में 2 और श्रीलंका के एक वेन्यू को तय किया गया है. मगर मुंबई और दिल्ली को नॉकआउट मुकाबलों की मेजबानी नहीं मिल पाई है.

सेमीफाइनल के लिए चुने गए ये वेन्यू

क्रिकबज की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि 20 टीमों वाले इस टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल के लिए कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को शॉर्टलिस्ट किया गया है. वहीं कोलंबो के भी एक स्टेडियम को सेमीफाइनल के लिए चुना गया है. इसकी वजह पाकिस्तान है, जो टूर्नामेंट के अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी. आईसीसी और बीसीसीआई में ये सहमति हो गई है कि अगर श्रीलंका और पाकिस्तान या दोनों में से कोई भी सेमीफाइनल में पहुंचते हैं तो वो अपने मुकाबले कोलंबो में खेलेंगे.

फाइनल पर फैसला बाकी, दिल्ली-मुंबई रेस में नहीं

इसके चलते मुंबई के वानखेडे स्टेडियम और दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम को इन बड़े मुकाबलों की मेजबानी से दूर रहना पड़ेगा. हालांकि, ये भी साफ है कि अगर दोनों में से कोई भी टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंचती है तो ये दोनों सेमीफाइनल कोलकाता और अहमदाबाद में ही खेले जाएंगे. जहां तक फाइनल की बात है तो इसके वेन्यू पर अभी फैसला नहीं हुआ है. माना जा रहा है कि खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा. हालांकि अगर पाकिस्तानी टीम फाइनल में पहुंचती है तो ट्रॉफी के लिए टक्कर भी कोलंबो में ही होगी.

पिछले वर्ल्ड कप जैसा ही रहेगा फॉर्मेट

वेन्यू की बात करें तो भारत में दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई और अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप के मैच खेले जाएंगे. वहीं श्रीलंका में कोलंबो के दो स्टेडियम और कैंडी के एक स्टेडियम को इस वर्ल्ड कप के लिए चुना गया है. फॉर्मेट का जहां तक सवाल है तो इस बार भी टूर्नामेंट उसी तरह आयोजित होगा, जैसा 2024 में हुआ था. सभी 20 टीम को 5-5 के 4 अलग-अलग ग्रुप में बांटा जाएगा. फिर चारों ग्रुप की टॉप-2 टीम सुपर-8 राउंड में पहुंचेंगी और वहां से 4 टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी.

विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में चमके अनीश भानवाला, रजत पदक नाम किया

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के निशानेबाज अनीश भानवाला ने आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। हरियाणा के 23 वर्षीय अनीश ने फाइनल में दो बार शूट-ऑफ में जीत दर्ज की। पहले उन्होंने तीसरे स्थान के लिए जर्मनी के इमैनुएल म्यूलर को हराया और फिर यूक्रेन के मैक्सिम होरोडीनेट्स को मात देकर रजत पदक अपने नाम किया। अनीश ने क्वालिफिकेशन में 585 अंक (291+294) के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने पहली बार विश्व चैंपियनशिप के पिस्टल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल में अनीश ने 28 अंक हासिल किए, जबकि फ्रांस के क्लेमेंट बेसागेट ने 31 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। बेसागेट ने क्वालीफिकेशन में भी 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। फाइनल की शुरुआती तीन सीरीज के बाद अनीश 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर थे, जबकि चीन के नी झिक्सिन 17 अंकों के साथ पहले स्थान पर थे। उन्होंने एलिमिनेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लगातार चार-चार अंक जुटाकर शीर्ष खिलाड़ियों की बराबरी बनाए रखी। तीसरे एलिमिनेशन राउंड में थोड़ी चूक के कारण वह पीछे रह गए और कुल 22 अंक पर पहुंचे, जबकि बेसागेट 25 अंकों के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। इसके बावजूद अनीश ने शानदार वापसी करते हुए शूट-ऑफ में जीत हासिल की और रजत पदक पक्का किया। भारत के अन्य निशानेबाजों में आदर्श सिंह ने 575 अंक (285+290) के साथ 22वां स्थान, जबकि समीर ने 571 अंक (286+285) के साथ 35वां स्थान हासिल किया। टीम स्पर्धा में अनीश, आदर्श और समीर की भारतीय टीम ने कुल 1731 अंक जुटाकर पांचवां स्थान प्राप्त किया।

विदित गुजराती बाहर, कार्तिक ने किया चौथे दौर में प्रवेश; पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में

गोवा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती का विश्व शतरंज कप में सफर समाप्त हो गया। तीसरे दौर के टाई-ब्रेक मुकाबले में उन्हें अमेरिका के सैम शैंकलैंड के हाथों कड़े संघर्ष के बाद 2.5-3.5 से हार झेलनी पड़ी। भारत के एस. एल. नारायणन को भी टाई-ब्रेक के पहले सेट में चीन के यांगयी यू से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस बीच वी कार्तिक ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रोमानिया के डेक बोगदान-डैनियल को 1.5-0.5 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया।

पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में

कार्तिक की इस जीत के साथ अब तक पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इनमें अर्जुन एरिगेसी, आर. प्रज्ञानंद, पी. हरिकृष्णा, और विश्व जूनियर चैंपियन वी. प्रणव पहले ही चौथे दौर में जगह बना चुके हैं। विदित गुजराती इस टूर्नामेंट से बाहर होने वाले तीसरे प्रमुख भारतीय खिलाड़ी हैं।

इससे पहले विश्व चैंपियन डी. गुकेश को जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन ने हराया था, जबकि अरविंद चिदंबरम को दूसरे दौर में ही कार्तिक ने मात दी थी।

आईपीएल स्टार ने लड़की पर लगाया ब्लैकमेलिंग का आरोप

इंटरनेशनल नंबरों से मिल रही धमकियां

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के युवा ऑलराउंडर विप्रज निगम को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. मैदान पर धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले इस युवा क्रिकेटर को ब्लैकमेलिंग का सामना करना पड़ा रहा है. उन्होंने पुलिस से इसकी शिकायत की है और बताया है कि इंटरनेशनल नंबरों से लगातार धमकियां मिल रही हैं. मूल रूप से उत्तर प्रदेश के हैदरगढ़ क्षेत्र के रहने वाले विप्रज ने बाराबंकी नगर कोतवाली थाने में पहुंचकर पूरी घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई. विप्रज निगम आईपीएल 2025 से सुर्खियों में आए थे, जहां उन्होंने दमदार खेल दिखाया था.

ब्लैकमेलिंग का शिकार बने विप्रज निगम

विप्रज निगम ने एक युवती पर ब्लैकमेल और बदनाम करने का आरोप लगाया है. विप्रज ने पुलिस को बताया कि एक युवती उनकी निजी जिंदगी में दखल दे रही है. युवती ने उनसे अनुचित मांगें कीं, जिन्हें ठुकराने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई है. विप्रज निगम ने जब उसका नंबर ब्लॉक कर दिया, तो इसके बाद इंटरनेशनल नंबरों से लगातार कॉल्स और मैसेज आने लगे. इन कॉल्स में उन्हें और उनके परिवार को सार्वजनिक रूप से बदनाम करने की चेतावनी दी जा रही है. विप्रज का कहना है कि यह सब उनके करियर को तबाह करने और मानसिक रूप से तोड़ने की सुनियोजित साजिश है.

नगर कोतवाली पहुंचे विप्रज ने थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह को पूरी घटना की जानकारी दी. पुलिस ने तुरंत शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है.

कोतवाल सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि डिजिटल एविडेंस की जांच की जा रही है. कॉल डिटेल्स, मैसेज और संबंधित नंबरों की पड़ताल के लिए साइबर सेल को भी शामिल किया गया है. वहीं, इंटरनेशनल कॉल्स की वजह से जांच में विदेशी एजेंसियों से सहयोग की जरूरत पड़ सकती है.

आईपीएल 2025 में किया दमदार प्रदर्शन

विप्रज निगम ने आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कुल 14 मुकाबले खेले थे. इस दौरान उन्होंने 179.74 की स्ट्राइक रेट से 142 रन बनाए थे. इसके अलावा उन्होंने बतौर गेंदबाज 11 विकेट भी चटकाए थे. उनका इकॉनमी भी 9.12 का रहा था. इसके अलावा वह घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हैं. वह अभी तक 5 फर्स्ट क्लास और 6 लिस्ट ए मैच खेल चुके हैं.

आईपीएल 2026 से पहले सीएसके का छोड़ा साथ

रवींद्र जडेजा का राजस्थान रॉयल्स टीम का कप्तान बनना तय!

चेन्नई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 से पहले ट्रेड की खबरें लगातार चर्चा का विषय बनी है. संजू सैमसन और रवींद्र जडेजा के ट्रेड होने की अफवाह सामने आई है. संजू चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ सकते हैं और जडेजा राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बन सकते हैं. अगर ऐसा हुआ, तो राजस्थान रवींद्र को कप्तान बना सकता है. इसके पीछे 5 अलग-अलग कारण हैं.

आईपीएल 2026 से पहले ट्रेड को लेकर अलग-अलग खबरें सामने आ रही है. बताया जा रहा है कि संजू सैमसन RR छोड़कर सीएसके का हिस्सा बन सकते हैं. उनकी जगह रवींद्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ सकते हैं और उनके अलावा एक अन्य खिलाड़ी भी आरआर में आ सकता है. अगर जडेजा आरआर में आते हैं, तो उनका कप्तान बनना तय होगा. इसके पीछे 5 बहुत बड़े कारण हैं. आइए उन सभी वजहों पर एक नजर डालते हैं.

रवींद्र जडेजा ने आईपीएल 2008 द्वारा डेब्यू किया था और इसके बाद वो सभी सीजन का हिस्सा बने हैं. उन्हें आईपीएल में 18 साल का अनुभव है. वो आरआर के साथ जुड़ते हैं, तो सबसे अनुभवी प्लेयर होंगे और वो आसानी से युवा खिलाड़ियों को रास्ता दिखा सकते हैं. इसी वजह से उन्हें कप्तानी मिल सकती है. रवींद्र जडेजा अगर आरआर का हिस्सा बनते हैं, तो संजू सैमसन की जगह आएंगे. वो राजस्थान रॉयल्स के एक मार्की खिलाड़ी की जगह लेंगे. ज्यादातर टीमों ने अपने मार्की खिलाड़ियों को ही कप्तानी दी है और संजू को जडेजा अगर रिप्लेस करते हैं, तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है.

रवींद्र जडेजा आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े और सफल खिलाड़ी हैं. इसके बावजूद उन्हें कभी पूरा सीजन कप्तानी करने का मौका नहीं मिला. जब सीएसके ने उन्हें धोनी की जगह कप्तान बनाया था, तो आधे सीजन में ही उनसे जिम्मेदारी वापस ले ली गई थी. आरआर में अगर जडेजा जुड़ेंगे, तो कप्तानी की जिम्मेदारी के बिना शायद नहीं आएंगे.

रवींद्र जडेजा कमाल के ऑलराउंडर हैं. वो गेंदबाजी और बल्लेबाजी, दोनों से टीम को फायदा कराते हैं. ऑलराउंडर होने के नाते, वो दोनों पक्ष के खिलाड़ियों को समझ पाते हैं. इसी वजह से उन्हें RR कप्तानी दे सकता है. इससे वो न सिर्फ गेंदबाजों, बल्कि बल्लेबाजों से भी तालमेल बैठा पाएंगे.

राजस्थान रॉयल्स अच्छे से जानता है कि रवींद्र जडेजा भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल कप्तान एमएस धोनी के साथ खेले हैं. दोनों के रिश्ते भी काफी अच्छे हैं. धोनी के साथ रहते हुए जडेजा ने कप्तान और एक लीडर के रूप में काफी चीजें सीखी हैं. इसी का फायदा आरआर को मिल सकता है.

आईएसएल के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए कोई बोली नहीं

अब सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट देंगे न्यायमूर्ति राव

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि बोली मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नागेश्वर राव इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के व्यावसायिक अधिकारों के लिए कोई बोली न मिलने के बाद अपनी रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय को सौंपेंगे। एआईएफएफ ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसे पहले से ही विलंबित आईएसएल के व्यावसायिक अधिकारों के लिए कोई बोली नहीं मिली है, जिससे देश के घरेलू फुटबॉल का भविष्य अधर में लटक गया है।

बोली मूल्यांकन समिति (बीईसी) के अन्य दो सदस्य एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे और स्वतंत्र सदस्य के रूप में एशियाई फुटबॉल परिसंघ के केश्वरन मुरुगासु हैं। एआईएफएफ के बयान के मुताबिक, 'अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की बोली मूल्यांकन समिति (बीईसी) ने एक बैठक की, जिसमें सीमित अवधि के लिए एआईएफएफ से संबंधित वाणिज्यिक अधिकारों के मुद्रीकरण का अधिकार देने के लिए 'प्रस्ताव' की स्थिति की समीक्षा और चर्चा की गई।'

समिति के विचार-विमर्श के बाद बीईसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (से वा नि वृ त्त) नागेश्वर राव प्रक्रिया के अगले चरण के रूप में न्यायालय को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बोली प्रक्रिया की निगरानी उच्चतम न्यायालय द्वारा की जा रही है और न्यायमूर्ति राव की नियुक्ति इस न्यायालय के आदेश पर की गई थी। एआईएफएफ ने लीग के वाणिज्यिक अधिकारों के मुद्रीकरण हेतु 15 साल के अनुबंध के लिए 16 अक्टूबर को प्रस्ताव आमंत्रित किए थे। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि सात नवंबर थी।

लियोनेल मेसी ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

करियर की 400वीं असिस्ट पूरी की, रिकॉर्ड से बस चार कदम दूर

मियामी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शुमार लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए मेसी ने करियर की 400वीं असिस्ट पूरी कर ली है। यह उपलब्धि उन्होंने मेजर लीग सॉकर प्लेऑफ के पहले राउंड के तीसरे मुकाबले में हासिल की, जिसमें इंटर मियामी ने नैशविल स्पोर्टिंग क्लब को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इस मुकाबले में मेसी ने दो गोल दागे और दो असिस्ट दिए, यानी टीम के सभी चार गोलों में उनकी अहम भूमिका रही। इसी के साथ वे अब फेरेंक पुस्कास के सर्वकालिक असिस्ट रिकॉर्ड से सिर्फ चार कदम दूर रह गए हैं।

मेसी के करियर के आंकड़े

मेसी अब तक क्लब और देश के लिए कुल 1133 मैच खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 894 गोल किए हैं और 400 असिस्ट दी हैं। उनके चिर-प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस लिस्ट में फिलहाल नौवें स्थान पर हैं, जिनके नाम 304 करियर असिस्ट हैं।

इंटर मियामी के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

इंटर मियामी ने तीन मैचों की सीरीज में नैशविल को कुल 8-3 के अंतर से मात दी। इन आठों गोलों में मेसी का योगदान रहा। पांच गोल खुद किए और तीन में असिस्ट दी। दूसरे हाफ में टाडेओ अलेंदे ने तीन मिनट के भीतर दो गोल किए, दोनों ही मेसी की असिस्ट पर। इंटर मियामी अब 22 या 23 नवंबर को एफसी सिनसिनाटी के खिलाफ ईस्ट सेमीफाइनल खेलेगा।

मोस्ट वैलुएबल प्लेयर अवॉर्ड और नया कॉन्ट्रैक्ट

मेसी इस सीजन के लिए लगातार दूसरे मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) मोस्ट वैलुएबल प्लेयर अवॉर्ड (एमवीपी) के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। अगर वे यह पुरस्कार जीतते हैं, तो वे लीग इतिहास में पहले खिलाड़ी होंगे जो लगातार दो बार एमवीपी बने। इसके अलावा, उन्होंने हाल ही में क्लब के साथ 2028 तक के लिए नया तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। उनके टीममेट जॉर्डी आल्बा, जो इस प्लेऑफ के बाद रिटायर होने वाले हैं, ने कहा, 'हम जानते हैं कि सिंसिनाटी के खिलाफ मुकाबला मुश्किल होगा, लेकिन जब मेसी मैदान पर हों, तो कुछ भी मुमकिन है।'

एमएलएस इतिहास में इंटर मियामी की नई ऊंचाई

इंटर मियामी पहली बार एमएलएस के सेमीफाइनल तक पहुंचा है। इससे पहले, साउथ फ्लोरिडा की पुरानी टीम मियामी फ्यूजन ने 2001 में यह उपलब्धि हासिल की थी। पिछले सीजन में इंटर मियामी राउंड 1 में ही बाहर हो गया था, लेकिन इस बार मेसी ने अपनी जादुई खेल से सब बदल दिया।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को पड़ा दिल का दौरा

भारत के खिलाफ खेली थी करियर की सबसे बड़ी पारी

ढाका, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान फारुक अहमद को दिल का दौरा पड़ा है. उन्हें ढाका अस्पताल में भर्ती कराया गया. फारुक अहमद फिलहाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष हैं. बीसीबी के अधिकारियों के हवाले से क्रिकबज ने लिखा कि फारुक को सीने में दर्द हुआ, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर्स ने उनका एंजियोग्राम किया और पता चला कि उनकी एक आर्टरीज में ब्लॉकेज है.

डॉक्टरों की निगरानी में फारुक अहमद

फारुक अहमद के हार्ट में सर्जरी करके स्टेंट डाला गया है. फिलहाल वो डॉक्टरों की निगरानी में हैं. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने डेली सन को बताया कि उनकी तबीयत बीती रात से ही गड़बड़ थी. उन्हें अस्पताल ले जाया गया. एंजियोग्राम के बाद हार्ट में ब्लॉकेज का पता चलने के बाद डॉक्टरों ने शाम मे उनके सीने में स्टेंट डाला. वो फिलहाल सीसीयू में हैं.

1988-1999 तक खेले इंटरनेशनल क्रिकेट

फारुक अहमद ने साल 1988 में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे मुकाबले से इंटरनेशनल डेब्यू किया. वो साल 1999 तक बांग्लादेश के लिए क्रिकेट खेले. इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट टीम की कप्तानी भी की. क्रिकेट से रिटायर होने के बाद वो दो बार बांग्लादेश टीम के नेशनल सेलेक्टर भी बने.

भारत के खिलाफ सबसे बड़ी पारी

59 साल के हो चुके फारुख अहमद ने अपने 9 साल के इंटरनेशनल करियर में सिर्फ 7 वनडे खेले, जिसमें उन्होंने 15 की मामूली औसत से केवल 105 रन बनाए. इस दौरान उनका सबसे बड़ी पारी 57 रन की रही, जो उन्होंने भारत के खिलाफ साल 1990 में चंडीगढ़ में खेले वनडे मुकाबले में खेली थी.

बीसीबी के अध्यक्ष भी रहे, अब उपाध्यक्ष

अगस्त 2024 में फारुख अहमद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अंतरिम अध्यक्ष भी बने. तब उन्होंने इस्तीफा सौंपने वाले नजमुल हसन की जगह ली थी. फारुख अहमद 9 महीने तक इस पद पर रहे थे. बाद में उन्हें अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने रिप्लेस किया, जो कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष भी हैं. फारुख अहमद पिछले साल ही बांग्लादेश क्रिकेट के उपाध्यक्ष बने हैं.

तिरुपति लड्डू विवाद : उत्तराखंड की कंपनी ने 68 लाख किलो मिलावटी घी-मक्खन सप्लाई किया, 250 करोड़ कमाए

तिरुमला, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में मिलावटी प्रसाद मामले में नया खुलासा हुआ है। मंदिर में घी सप्लाई करने वाली उत्तराखंड की डेयरी ने 2019 से 2024 के बीच 250 करोड़ कीमत का 68 लाख किलो मिलावटी घी सप्लाई किया था।

सीबीआई और आंध्र प्रदेश फूड सेफ्टी विभाग की जांच में इसका खुलासा हुआ है। जांच के मुताबिक कंपनी के डेयरी वाले सभी डॉक्यूमेंट्स फर्जी हैं। इस कंपनी ने कभी भी न दूध खरीदा और न कभी मक्खन खरीदा फिर भी ये घी-मक्खन सप्लाई करती रही।

कंपनी के मालिक पम्मिल जैन और विपिन जैन ने घी प्रोडक्शन की फर्जी यूनिट बनाई थी।

दूध-मक्खन खरीद के नकली बिल बनाए। मामले में एक और आरोपी अजय कुमार सुगंध ने भी पूछताछ में माना कि वह मोनोडिग्लिसराइड्स और एसेटिक एसिड एस्टर जैसे केमिकल सप्लाई करता था, जो मिलावटी घी बनाने में इस्तेमाल होते हैं।

टीटीडी ने 2022 में शिकायतों के बाद भोले बाबा डेयरी को ब्लैकलिस्ट किया था। बाद में इसी ग्रुप ने दूसरी कंपनियों बनाईं और मंदिर में घी-मक्खन की सप्लाई जारी रही। इनमें वैष्णवी डेयरी (तिरुपति), माल गंगा डेयरी (उत्तर प्रदेश) और एआर डेयरी फूड्स (तमिलनाडु) शामिल हैं।

घी में जानवरों की चर्बी की मिलावट :

सीबीआई और एफएसएसएआई की जांच में पता चला कि घी में जानवरों की चर्बी मिलाई गई थी। जुलाई 2024 में टीटीडी ने एआर डेयरी की चार टैंकर घी की खेप रिजेक्ट की, लेकिन ये टैंकर वापस लौटाने के बजाय वैष्णवी डेयरी के नाम पर ट्रांसफर कर दिए गए। गुजरात की एक लैब की रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि एआर डेयरी के घी में मछली का तेल, बीफ टैलो और लार्ड मिलाया गया था, हालांकि लैब ने 'फॉल्स पॉजिटिव' का डिस्क्लेमर भी जोड़ा था।

घोटाले में हवाला और राजनीतिक आरोपों की जांच :

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि 50 लाख की राशि छुपा कर ट्रांसफर की गई। ये राशि वाईएसआर कांग्रेस के सांसद व पूर्व टीटीडी अध्यक्ष वाईभी सुभा रेड्डी के निजी सहायक के चिन्नप्पन्ना को दी गई। दिल्ली में दो अलग-अलग ट्रांजैक्शन में 20 लाख एजेंट अमन गुप्ता से और बाकी राशि प्रीमियर एग्री फूड्स के अधिकारी विजय गुप्ता से मिली थी।

पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू का दावा है कि जानवरों के चर्बी वाला घी पिछली सरकार (वाईएसआर कांग्रेस) के समय लड्डू में इस्तेमाल हुआ। मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया जिसने स्पष्ट किया कि राजनीति और धर्म को मिलाना गलत है। कोर्ट ने जांच के लिए सीबीआई, राज्य पुलिस और फूड सेफ्टी विभाग की संयुक्त टीम बनाने का आदेश दिया।

अधिकारियों से पूछताछ जारी :

लड्डू में मिलावट की खबर से श्रद्धालुओं में गुस्सा है। अब सवाल उठ रहे हैं कि इतने सालों तक टीटीडी के आंतरिक ऑडिट और जांच तंत्र कैसे चूक गए। सीबीआई मंदिर ट्रस्ट और आंध्र प्रदेश डेयरी डेवलपमेंट विभाग के अधिकारियों से पूछताछ कर रही है।

एक किशोर समेत छह कुख्यात अंतर्राज्यीय चोर गिरफ्तार

तीन मंदिरों और कई दुकानों को एक दिन में निशाना बनाया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व ज़ोन टीम ने आईएस सदन पुलिस के साथ मिलकर कुख्यात अंतर्राज्यीय छह चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक ही दिन में दो कमिश्नरेट हैदराबाद सिटी और राचकोंडा में मंदिर और दुकान में चोरी तथा दोपहिया वाहनों की चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। आरोपियों को तीन दिनों के भीतर पकड़ लिया गया और अधिकांश संपत्ति बरामद कर ली गई।

पुलिस उप आयुक्त, दक्षिण ज़ोन, प्रभारी दक्षिण-पूर्व ज़ोन, हैदराबाद ने बताया कि पुलिस टीम ने आरोपी जुव्वाला थारुन कुमार राजू उर्फ जुव्वाला कुमार राजू निवासी, निवासी बैंक कॉलोनी, चिन्नापेटा, भीमावरम, पश्चिम गोदावरी, एपी , दगारापु एलियाजारू निवासी, बडुगुवारी वेदी, चिन्नापेटा, भीमावरम, पश्चिम गोदावरी, एपी , मारुबोयिना , निवासी, मछली बाजार, भीमावरम, पश्चिम गोदावरी, एपी, गंडरेड्डी लोकेश, निवासी चिन्ना अप्पा राव थोटा, भीमावरम, पश्चिम गोदावरी, एपी, कोनाला राजजी , निवासी चिन्नापेटा, भीमावरम, पश्चिम गोदावरी, एपी , एक किशोर निवासी चिन्नापेटा, भीमावरम, पश्चिम गोदावरी, एपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने हैदराबाद और आसपास के इलाकों में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। गिरफ्तार आरोपी में कई कुख्यात अपराधी है।

आंध्रप्रदेश के भीमावरम इलाके में कई मामलों में जेल जा चुके है। आरोपियों ने आंध्र प्रदेश की पुलिस से बचने के लिए तेलंगाना में अपराध करने की योजना बनाई। छहों हैदराबाद आते समय उन्होंने नंदीगामा पीएस की सीमा के अंतर्गत बाइक की चोरी की और हैदराबाद पहुंचकर हैदराबाद के नादरगुल के कम्मागुडा में शरण ली। उसके बाद 4 नवबर की श्री प्रसन्नजनेय स्वामी मंदिर, एलबी नगर में चोरी की। अगले दिन चार आरोपियों ने मिलकर चोरी के दोपहिया वाहनों का उपयोग करके आईएस सदन थाना (2), सरूर नगर थाना (3), सैदाबाद थाना (2), बेगम बाजार थाना (1) और सुल्तान बाजार थाना (1) की सीमाओं के अंतर्गत 3 मंदिरों और 6 दुकानों में चोरी की। अपराध करने के बाद सभी भीमावरम भाग गए। बाद में, 7 नवंबर को पांचों आरोपी सीसीएल के साथ फिर से आगे की चोरी करने के इरादे से हैदराबाद आए और नादरगुल के कम्मागुडा में उसी किराए के घर में शरण ली। सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व ज़ोन टीम और आईएस सदन पुलिस टीम ने वाहन जाँच के दौरान चंपापेट के पास फोर टेंपल से उसे गिरफ्तार कर लिया।

जुबली हिल्स उपचुनाव की तैयारियाँ पूरी

स्ट्रांग रूम से ईवीएम और कर्मियों की तैनाती

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव को लेकर सोमवार को मतदान की तैयारियाँ जोरों पर रहीं। कोटला विजय भास्कर रेड्डी स्टेडियम में बने स्ट्रांग रूमों से ईवीएम, वीवीपैट मशीनों और मतदान कर्मियों की तैनाती की व्यवस्था की गई।

कुल 2,060 मतदान कर्मियों-पीठासीन अधिकारी, सहायक पीठासीन अधिकारी और अन्य स्टाफ-को मतदान केंद्रों पर भेजा गया। 58 उम्मीदवारों के चुनाव मैदान में होने के कारण 2,394 बैलेट यूनिट, 561 कंट्रोल यूनिट और 595 वीवीपैट मशीनें तैयार रखी गईं।

जुबली हिल्स उपचुनाव में 58 उम्मीदवार मैदान में

आज सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

लगभग 4.01 लाख मतदाताओं के भाग लेने की उम्मीद

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। यह उपचुनाव मंगलवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए पीठासीन अधिकारियों (पीओ), सहायक पीठासीन अधिकारियों (एपीओ) और अन्य मतदान अधिकारियों (ओपीओ) सहित कुल 2,060 मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। इस चुनाव में 58 उम्मीदवार मैदान में हैं और लगभग 4.01 लाख मतदाताओं के भाग लेने की उम्मीद है। इस बीच, मतदान कर्मचारियों की तैनाती और कोटला विजय भास्कर रेड्डी में स्थापित निर्धारित स्ट्रांग रूम से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनों के स्थानांतरण सहित तैयारियाँ चल रही हैं।

जिला चुनाव अधिकारी आर.वी. कर्णन और संयुक्त पुलिस आयुक्त तफ़सीर इकबाल ने मतदान व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए कोटला विजय भास्कर रेड्डी स्टेडियम का निरीक्षण किया।

ज़िला चुनाव अधिकारी आर.वी. कर्णन ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के लिए व्यापक तैयारियाँ कीं। कुल 58 उम्मीदवारों के चुनाव लड़ने को देखते हुए, 2,394 बैलेट यूनिट, 561 कंट्रोलिंग यूनिट और 595 वोटर वेरिफ़िएबल पेपर ऑडिट ट्रेल्स (वीवीपैट) उपलब्ध कराए गए। इसके अतिरिक्त, सभी 407 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है और यह सेवा मतदान समाप्त होने तक चालू रहेगी।

कवि आंदे श्री के निधन पर मुख्यमंत्री ने गहरा शोक व्यक्त किया

अंतिम संस्कार में शामिल होंगे सीएम

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी प्रसिद्ध कवि और लेखक आंदेश्री के आकस्मिक निधन की खबर सुनकर अत्यंत स्तब्ध हैं। सीएम मंगलवार को कवि और लेखक अंदे श्री के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। सोमवार को यहाँ एक बयान में, मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के महान लेखक आंदे श्री, जिन्होंने लोकप्रिय तेलंगाना राज्य गीत "जय जयहे तेलंगाना" लिखा था, का निधन तेलंगाना साहित्य जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि "जय जयहे तेलंगाना" गीत तेलंगाना आंदोलन और अलग राज्य की प्राप्ति के दौरान करोड़ों लोगों की आवाज़ बना रहा। उन्होंने जन सरकार के सत्ता में आने के बाद आंदे श्री के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को भी याद किया, जब उन्होंने नई आवाज़ों के साथ तेलंगाना गीत की रचना की और राज्य विभाग के लिए दिवंगत आत्मा के साथ साझा किए गए विचारों को भी याद किया। शोक व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के एक महान लेखक ने स्वर्ग सिधार गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिलाने में अन्दे श्री की महत्वपूर्ण सेवाएं सराहनीय हैं और तेलंगाना के लोग उन्हें हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने हैदराबाद के लालापेटा में प्रसिद्ध कवि आंदेश्री के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में, उन्होंने उनके परिवारजनों को सांत्वना दी।

डीसीपी ने महिला सुरक्षा और नशा-विरोधी प्रवर्तन गतिविधियों के महत्व पर ज़ोर दिया

उत्तरी क्षेत्र पुलिस की बैठक में अधिकारियों को मिले कई निर्देश

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस उत्तरी क्षेत्र ने डीसीपी उत्तरी क्षेत्र की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में गोपालपुरम, बेगमपेट और तिरूमलगिरी संभागों के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्तों के साथ-साथ उत्तरी क्षेत्र के सभी निरीक्षकों, उप-निरीक्षकों (एसआई), सहायक उप-निरीक्षकों (एएसआई), हेड कांस्टेबलों (एचसी), पुलिस कांस्टेबलों (पीसी) और होमगार्डों ने भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 750 अधिकारियों ने भाग लिया। सत्र के दौरान, पुलिस उपायुक्त ने तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक, शिवधर रेड्डी और हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार द्वारा निर्धारित दृष्टिकोण और उद्देश्यों को दोहराया और दृश्यमान, जवाबदेह और कुशल पुलिसिंग के माध्यम से जनता के विश्वास को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। अधिकारियों को नागरिक शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने, आगामी त्योहारों और सार्वजनिक समारोहों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, रात्रि गश्त और अपराध रोकथाम उपायों को तेज़ करने के निर्देश दिए गए।

डीसीपी ने सभी संभागों में महिला सुरक्षा, यातायात नियमन और नशा-विरोधी प्रवर्तन गतिविधियों के महत्व पर भी ज़ोर दिया।

बीते 5 नवंबर को आयोजित दिशा-निर्देश बैठक का हवाला देते हुए, डीसीपी ने भ्रष्टाचार, लापरवाही और कर्तव्य-हीनता के प्रति शून्य सहनशीलता के आयुक्त के निर्देशों को दोहराया।

यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि इस तरह के कदाचार में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी ने अधिकारियों से सामुदायिक पुलिसिंग पहलों को बढ़ाने, स्थानीय निवासियों, युवाओं और व्यावसायिक संघों के साथ संवादात्मक बैठकें आयोजित करने और सहयोगात्मक एवं पारदर्शी पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए नागरिक स्वयंसेवकों के साथ साझेदारी को मज़बूत करने का आग्रह किया। बैठक में कर्मचारियों के कल्याण, तनाव प्रबंधन और शारीरिक फिटनेस पर भी चर्चा हुई, जिसमें डीसीपी ने सभी कर्मियों को अपने कर्तव्य के हर पहलू में अनुशासन, निष्ठा और व्यावसायिकता बनाए रखने की सलाह दी। डीसीपी ने शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में उत्तरी क्षेत्र पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने संबोधन का समापन किया और उन्हें हैदराबाद सिटी पुलिस के सम्मान और प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए समर्पण, सहानुभूति और दक्षता के साथ काम करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

एतुरनगरम वन्यजीव अभयारण्य में पहली बार तितली-पतंग सर्वेक्षण, 80 से अधिक प्रजातियाँ दर्ज

ओरुगल्लू वन्यजीव सोसाइटी और वन विभाग की संयुक्त पहल की व्यापक सराहना

मुलुगु, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। एतुरनगरम वन्यजीव अभयारण्य में आयोजित चार दिवसीय पहले तितली और पतंगे सर्वेक्षण में 80 से अधिक तितली प्रजातियों की पहचान की गई। यह सर्वेक्षण 6 से 9 नवम्बर तक ओरुगल्लू वन्यजीव सोसाइटी (ओडब्लूएलएस) और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

तेलंगाना में पाई जाने वाली लगभग 150 तितली प्रजातियों में से आधे से अधिक प्रजातियाँ अभयारण्य में पाई गईं। सर्वेक्षण में विभिन्न राज्यों से आए 60 शोधकर्ताओं, फोटोग्राफरों और पर्यावरणविदों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि जिला वन अधिकारी राहुल किशन जाधव ने कहा कि तितलियाँ पारिस्थितिक संतुलन में अहम भूमिका निभाती हैं, इसलिए इस तरह के सर्वेक्षण संरक्षण जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में ओडब्लूएलएस अध्यक्ष इंदरम नागेश्वर राव, सचिव एस. चेलकुरी श्याममुंदर, संयुक्त सचिव रवि बाबू और वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कर्ज़ के बोझ से दबकर महिला काश्तकार ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कासिपेट मंडल के कोठावरीपेट गाँव में 35 वर्षीय महिला काश्तकार गुंडा श्रीदेवी ने खेती में भारी नुकसान और बढ़ते कर्ज़ से तंग आकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार की है, जो रविवार को प्रकाश में आई।

पुलिस के अनुसार, श्रीदेवी ने चार एकड़ में धान और आठ एकड़ में कपास की खेती स्थानीय ज़मींदारों से कर्ज लेकर पट्टे पर की थी। प्रतिकूल मौसम और कम उपज के कारण वह गहरी आर्थिक तंगी में थी। उसके पति सुधाकर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हमने एक महान लोककवि को खो दिया : राव

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य गान के रचनाकार आंदेश्री का निधन तेलंगाना की सांस्कृतिक चेतना, साहित्यिक धारा और जनभावना के लिए बड़ी क्षति है। यह बातें तेलंगाना बीसी आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कही। उन्होंने सोमवार को लालापेट, तारनाका स्थित प्रो. जयशंकर इनडोर स्टेडियम में जन-दर्शन के लिए रखे गए अंडेसरी जी के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान अंडेसरी द्वारा लिखित 'जय जय हे तेलंगाना, गीत ने मात्र एक गीत के रूप में नहीं, बल्कि जनआंदोलन की आवाज़ और आत्मसम्मान के रूप में भूमिका निभाई। यह गीत रैलियों, सभाओं और जनअभियानों में लोगों की भावना और संकल्प को दिशा देता रहा। अंडेसरी की रचना 'मायम अवुथुन्नाडु मनिशन्न वाडु' में बदलते समय में मानवीय मूल्यों के धीरे-धीरे क्षीण होने की स्थिति को सरल भाषा में लेकिन गहरी संवेदना के साथ व्यक्त किया गया है। यह गीत उनके सामाजिक दृष्टिकोण और संवेदनशील मन के सशक्त प्रमाण के रूप में देखा जाता है।

राज्य गान 'जय जयहे तेलंगाना' के कवि और गीतकार आंदेश्री का निधन

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रसिद्ध राज्य गीत "जय जयहे तेलंगाना" के रचयिता, प्रख्यात कवि और गीतकार आंदेश्री का सोमवार को 64 वर्ष की आयु में हैदराबाद में निधन हो गया। आज सुबह, आंदेश्री अपने आवास पर फर्श पर पड़े पाए गए। अधिकारियों के अनुसार, परिवार के सदस्य उन्हें तुरंत सरकारी गांधी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है। सिद्दीपेट जिले के रेबर्थी गांव में 1961 में जन्मे आंदेश्री तेलुगु साहित्य में एक प्रमुख हस्ती बन गए। उनका असली नाम आंदे येल्लैया था। अंदेश्री ने अपना जीवन एक चरवाहे के रूप में शुरू किया। उन्होंने एक निर्माण मजदूर के रूप में काम किया। अंदेश्री ने बिना किसी स्कूली शिक्षा के एक कवि के रूप

में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंदेश्री ने तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका गीत "जय जयहे तेलंगाना" राज्य के संघर्ष के दौरान कई लोगों के लिए एकता गान के रूप में कार्य किया और तब से इसे आधिकारिक राज्य गान के रूप में मान्यता प्राप्त है।

उन्हें 'मायामाहु तुनाडम्मा मनीषनवडु' गीत से प्रसिद्धि मिली। 2006 में, अंदेश्री को फिल्म गंगा के लिए नंदी पुरस्कार मिला। तेलंगाना आंदोलन और साहित्यिक परिदृश्य दोनों पर उनके महत्वपूर्ण प्रभाव के सम्मान में, काकतीय विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। हाल ही में, तेलंगाना राज्य सरकार ने राज्य स्थापना दिवस समारोह के दौरान एक करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार के साथ उनके योगदान को स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्रियों, पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव सहित बीआरएस नेताओं और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

मैलारदेवपल्ली में दर्दनाक हादसा, ट्रक की चपेट में आकर आठ वर्षीय बच्चे की मौत

क्रिकेट खेलने निकले सैयद रियान को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला, मौके पर मौत

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मैलारदेवपल्ली इलाके में रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान शास्त्रीपुरम निवासी जुबैरुद्दीन के पुत्र सैयद रियान के रूप में हुई है, जो स्थानीय निजी स्कूल में दूसरी कक्षा का छात्र था।

जानकारी के अनुसार, रियान दिनभर घर में खेलने की जिद करता रहा और शाम को अपनी मां से अनुमति लेकर दोस्तों संग पास के पार्क में क्रिकेट खेलने चला गया। लौटते वक्त जब वह सड़क के किनारे चल रहा था, तभी पीछे से तेज रफ्तार टिपर ट्रक ने मोड़ पर उसे टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्चा ट्रक के पिछले टायर के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मैलारदेवपल्ली पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस पर चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, बीआरएस ने सीईओ से की शिकायत

हैदराबाद, 10 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और विधायक टी. हरीश राव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई कि कांग्रेस पार्टी जुबली हिल्स उपचुनाव को प्रभावित करने के लिए चुनाव नियमों का उल्लंघन कर रही है।

हरीश राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मतदाताओं को लुभाने के लिए एक लाख से अधिक साड़ियाँ, मिक्सर ग्राइंडर, नकदी और शराब बाँट रही है। उन्होंने कहा कि कई अधिकारी अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर कांग्रेस के पक्ष में काम कर रहे हैं।

बीआरएस ने चुनाव आयोग को फोटो और वीडियो साक्ष्य सौंपे हैं, पर शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। हरीश राव ने कहा कि कुछ अधिकारी सत्तारूढ़ दल के मोहरे की तरह काम कर रहे हैं।

बीआरएस ने भारत निर्वाचन आयोग से माँग की है कि संवेदनशील केंद्रों पर केंद्रीय बल तैनात किए जाएँ और फर्जी मतदान रोकने के लिए सख्त पहचान सत्यापन की व्यवस्था की जाए।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को अब अपने चुनावी वादे सिर्फ़ जुबली हिल्स की हार के डर से याद आ रहे हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in
विदेशी मुद्रा विभाग
6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500 004

संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक का लाइसेंस निरस्त किया जाना

विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम- 1999 की धारा 10(3) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनी का संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस स्वैच्छिक अभ्यर्पण के कारण निरस्त कर दिया है।

क्र.सं.	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	निरस्तीकरण की तारीख
1.	अटलुरी ट्रैवल एयर फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड जी-1 स्वर्ण जयंती कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, हुडा के पास, मैत्रीवनम अमीरपेट, हैदराबाद - 500 016	HY. FFMC/ 068/ 2004-2005	दिसंबर 06, 2022	15-10-2025

लाइसेंस निरस्त होने के परिणामस्वरूप, उपरोक्त कंपनी मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों पर 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, के निर्देशानुसार मुद्रा परिवर्तन गतिविधियाँ या लेनदेन का कार्य नहीं करेगी।

हस्ता/-
(मेघना सिंह)
उप महाप्रबंधक

स्थान: हैदराबाद
दिनांक: 11 नवंबर, 2025

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.